गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ■ शनिवार,15 फरवरी,2025 ■ विक्रम सम्वत् 2081 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य :5 रू ■ वर्ष :02 ■ अंकः 210 ■ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

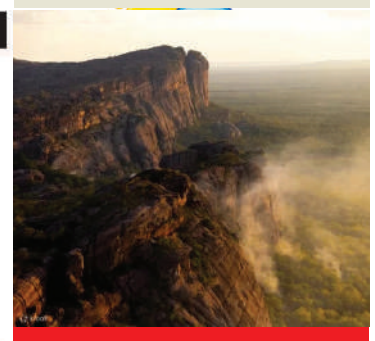

वर्ल्ड टूरिज्म डार्विन, ऑस्ट्रेलिया।

प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से 'बहुत कुछ लेकर' लौट रहे हैं स्वदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका से 'बहुत कुछ लेकर' स्वदेश लौट रहे हैं। उन्होंने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत अनेक दिग्गजों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस से अमेरिका पहुंचे। ट्रंप ने जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत के साथ पहली द्विपक्षीय वार्ता की मेजबानी की।

बांग्लादेश का क्या करना है ट्रंप ने पीएम मोदी को दिया फ्री हैंड

वॉशिंगटन। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और रिश्तों पर चर्चा की। साथ ही ट्रंप ने कहा, मैं बांग्लादेश का मुद्दा पीएम मोदी पर छोड़ता हूं।अमेरिका पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में बांग्लादेश मुद्दे को लेकर बड़ी चर्चा हुई है। खबर है कि ट्रंप ने बांग्लादेश में जारी हालात में अमेरिका की भूमिका से साफ इनकार कर दिया है। साथ ही मुल्क को लेकर फैसला भी पीएम मोदी पर छोड़ा है। साथ ही भारतीय पीएम ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से भी बांग्लादेश के हालात को लेकर चर्चा की है। रिपोर्ट के मुताबिक पद की शपथ लेने के बाद ट्रंप अब तक चार नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। सरकार में उनकी वापसी के बाद सबसे पहले व्हाइट हाउस इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहुंचे थे। इसके बाद जापान के पीएम शिगेरु इशिबा और इसके बाद जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय ने भी अमेरिका पहुंचकर ट्रंप से मुलाकात की थी। बीते साल बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थीं। खुद उन्हें देश छोड़कर भागना पड़ गया था। इसके बाद नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया था।

यात्रा की उपलब्धि

1-व्यापार एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा और दोनों देशों के नागरिकों के मध्य संबंधों सहित विभिन्न विषयों पर उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता।
2-अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति करेगा अमेरिका। भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान मिलने का मार्ग प्रशस्त।
3-दोनों देशों के बीच ऊर्जा समझौता। भारत में अमेरिका तेल और गैस का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनेगा।
4-भारत और अमेरिका कट्टरपंथी इस्लामी आतंक के खतरे का मिलकर मुकाबला करेंगे।
5-अमेरिका मुंबई (26/11) हमले में शामिल तहव्वुर राणा को भारत को सौंपेगा। प्रत्यर्पण को मंजूरी।
6-दोनों देश महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर मिलकर काम करेंगे।
7-जल्द ही बड़े व्यापार सौदों की घोषणा संभव।

दिग्गजों से मुलाकात

1-प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी से मुलाकात की। दोनों के बीच भारत-अमेरिका संबंधों, नवाचार, जैव प्रौद्योगिकी और अन्य मुद्दों पर बातचीत।
2-अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज से मुलाकात। इस दौरान विदेशमंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल भी मौजूद रहे।
3-ब्लेयर हाउस में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात। भारत-अमेरिका मैत्री पर चर्चा।
4-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्लेयर हाउस में स्पेस एक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क से भेंट। अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों पर बातचीत। ट्रंप ने पिछले महीने मस्क को नवगठित सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख नियुक्त किया है। मस्क अमेरिकी ऑटोमोटिव और स्वच्छ ऊर्जा कंपनी टेस्ला के भी सीईओ हैं।

पुलवामा की बरसी पर प्रधानमंत्री मोदी, शाह और राजनाथ सिंह ने शहीदों को किया नमन

एजेंसी। नई दिल्ली

पुलवामा आतंकी हमले को आज छह साल हो चुके हैं। 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने एक आत्मघाती हमले को अंजाम दिया था, जिसमें सीआरपीएफ के 39 जवान शहीद हो गए थे। इस दुखद घटना में शहीद हुए जवानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य प्रमुख नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। पुलवामा की बरसी के अवसर पर शुक्रवार 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शहीद जवानों को याद करते हुए लिखा, 2019 में हमने जिन वीर जवानों को खोया, उन्हें शत-शत नमन। आने वाली पीढ़ियां उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट समर्पण भावना को कभी नहीं भूलेंगी।

गृह मंत्री शाह ने दी श्रद्धांजलि : गृह मंत्री अमित शाह ने भी पुलवामा बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मोदी सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है। उन्होंने लिखा, यह कायराना हमला हमारे जवानों की कुर्बानी को कमजोर नहीं कर सकता। हम आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करेंगे। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, कि 14 फरवरी 2019 का दिन हमें उन बहादुर जवानों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हम उनके बलिदान को कभी नहीं भूल सकते और उनके परिवारों को अटूट समर्थन प्रदान करते हैं।

देशभर में इस दिन को याद करते हुए विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। देश की सुरक्षा एजेंसियां और सरकार आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी हैं। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए कोई भी कदम उठाने से पीछे नहीं हटा जाएगा। इस अवसर पर पूरे देश ने एक स्वर में वीर शहीदों को नमन किया और उनके बलिदान को स्मरण किया।

संक्षिप्त समाचार

भारत और जमैका ने सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों में प्रौद्योगिकी की संभावनाओं पर न्यूयार्क में की चर्चा

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में सामाजिक विकास आयोग की बैठक के 63वें सत्र के बाद महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर की अध्यक्षता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल और श्रम एवं सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय की स्थायी सचिव डायोन जेनिंग्स की अध्यक्षता में जमैका के दल के बीच उच्चस्तरीय द्विपक्षीय चर्चा हुई। इस बैठक में सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी के उपयोग में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। यह जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई उसमें वित्तीय समावेशन, डीबीटी, वृद्धावस्था पेंशन आदि में भारत द्वारा किए जा रहे विभिन्न डिजिटल हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी की भूमिका शामिल थी, जो विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चर्चा का केंद्र पोषण ट्रैकर था- पोषण परिणामों की निगरानी और सुधार के लिए भारत का अग्रणी डिजिटल उपकरण और ऐसे तरीके, जिनसे इसी तरह के तकनीकी नवाचार जमैका के सामाजिक सुरक्षा ढांचे का समर्थन कर सकते हैं। दोनों पक्षों ने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में कुशल, पारदर्शी और प्रभावशाली सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल समाधानों का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया।

अडानी मामले पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर कसा तंज- घर में चुप्पी, विदेश में निजी मामला

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए अडानी समूह से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी देश में इस मामले पर कोई जवाब नहीं देते और विदेश में इसे निजी मामला बताकर टाल देते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि घर में सवालों पर चुप्पी, विदेश में निजी मामला ! मोदी जी के लिए दोस्त की जेब भरना राष्ट्र निर्माण है, जबकि रिश्वतखोरी और राष्ट्रीय संपत्ति की लूट सुविधाजनक रूप से निजी मामला बन जाती है।

पीएम मोदी ने अमेरिका में क्या कहा? : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान जब अडानी से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों पर सवालों का सामना कर रहे थे, तब उन्होंने इसे खारिज करते हुए कहा कि, भारत एक लोकतंत्र है और हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। दो देशों के प्रमुख कभी भी ऐसे व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा नहीं करते हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अडानी समूह के अन्य अधिकारियों पर 250 मिलियन डॉलर की रिश्वतखोरी योजना में संलिप्त होने का आरोप लगाया था।

पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के खास ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात हुई है। मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप से मुलाकात में क्या कुछ निकलकर सामने आया, इसे 10 प्वाइंट में समझा जा सकता हैं।

1.एफ-35 लड़ाकू विमान : डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा के बाद भारत को एफ -35 लड़ाकू विमान की आपूर्ति की घोषणा की।

2.टेक्नोलॉजी ट्रांसफर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारी टीमें एक व्यापार समझौते को पूरा करने पर काम करेंगी, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। हम भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेल और गैस व्यापार को मजबूत करेंगे। ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा।

3.तहव्वुर हुसैन राणा : ट्रंप ने ऐलान किया है कि 26/11 मुंबई हमलों के आतंकी तहव्वुर राणा को भारत को सौंपा जाएगा। भारत और अमेरिका कट्टरपंथी इस्लाम से खतरे से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि राणा पर 2008 के हुए मुंबई हमलों की साजिश रचने के लिए भारतीय अदालतों में मुकदमा चलाया जाएगा।

4.तेल-गैस आपूर्ति : ज्वाइंट प्रेस-कॉन्फ्रेंस में डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि एक नया ऊर्जा समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिका भारत को तेल और गैस का प्राथमिक आपूर्तिकर्ता बन जाएगा। पीएम मोदी और मैं ऊर्जा पर एक समझौते पर पहुंचे हैं जो भारत को तेल और गैस का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाएगा।

5.बांग्लादेश पर भारत की चलेगी : पीएम मोदी और ट्रंप की ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बांग्लादेश को लेकर भी सवाल पूछा गया। ट्रंप ने बांग्लादेश के सवाल पर कहा कि ये सब मैं मोदी पर छोड़ता हूं। ये वो तय करेंगे कि आगे क्या करना है।

6.आतंकवाद पर टफ स्टैंड: अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके बाद घोषणा की कि दोनों देश कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद द्वारा उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपने अभूतपूर्व सहयोग को मजबूत करेंगे।

7.खालिस्तान : पीएम मोदी से बातचीत के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खालिस्तान चरमपंथियों का मुद्दा भी सामने आया। भारत हमेशा से ही दूसरे देशों में बैठकर भारत के खिलाफ साजिश की बात कहता रहा है। इसपर ट्रंप ने कहा कि हमें भारत से इस मुद्दे पर अनुरोध मिला है। वो भारत के साथ मिलकर अपराध से लड़ेंगे।

8.अवैध प्रवासी : अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर पीएम मोदी ने कहा कि गैरकानूनी तरीके से जो लोग दूसरे देश में होते हैं, वहां रहने का कानूनी अधिकार नहीं हैं। जो सच्च में भारत का नागरिक होगा और अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से रह रहा होगा उसे वापस लिया जाएगा। ह्यूमन ट्रैफिकिंग के इकोसिस्टम को भारत और अमेरिका को हमला करना चाहिए।

9.अदानी मामला : पीएम नरेंद्र मोदी से एक अमेरिकी पत्रकार ने जब गौतम अडानी के मामले को लेकर सवाल पूछा तो मोदी ने जवाब दिया, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारा संस्कृति और दर्शन है 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरा विश्व मेरा परिवार है, हर भारतीय मेरे परिवार का सदस्य है और जब बात ऐसे निजी मामलों की बाती है, तो दो देशों के नेता निजी मामलों पर कोई बात नहीं करेंगे।

10.बाइडेन ने भारत के साथ ठीक नहीं कियाः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत और बाइडेन प्रशासन के बीच अच्छे रिश्ते थे। उनका मानना है कि बाइडेन प्रशासन ने भारत के साथ सही तरीके से डील नहीं किया। हालांकि उन्होंने अपनी बात को ज्यादा विस्तार में नहीं बताया।

महाराष्ट्र नए कानूनों के अनुरूप एक आदर्श 'डायरेक्टरेट ऑफ प्रॉसिक्यूशन' की व्यवस्था बनाए : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की उपस्थिति में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के महाराष्ट्र में कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र नए आपराधिक कानूनों के अनुरूप एक आदर्श डायरेक्टरेट ऑफ प्रॉसिक्यूशन की व्यवस्था बनाए। उन्होंने कहा कि 7 साल से अधिक सजा के मामलों में 90 प्रतिशत से अधिक दोषसिद्धि हासिल करने के प्रयास किए जाएं और पुलिस, सरकारी वकील एवं न्यायपालिका मिलकर दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने का प्रयास करें। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देशवासियों को त्वरित व पारदर्शी न्याय प्रणाली देने के लिए मोदी सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए अपराधों का दर्ज होना जरूरी है, इसलिए एफआईआर दर्ज करने में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। गृह मंत्री ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया कि संगठित अपराध, आतंकवाद और मॉब लिंचिंग के मामलों की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि इन अपराधों से जुड़ी धाराओं का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा कि जेलों, सरकारी अस्पतालों, बैंक, फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) इत्यादि परिसरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए साक्ष्य दर्ज करने के व्यवस्था होनी चाहिए। शाह ने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए जिसमें अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) के जरिए दो राज्यों के बीच एफआईआर को ट्रांसफर किया जा सके। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को सीसीटीएनएस 2.0 और आईसीजेएस 2.0 को अपनाना चाहिए। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पुलिस को पूछताछ के लिए हिरासत में रखे गए लोगों की जानकारी इलेक्ट्रॉनिक डैशबोर्ड पर प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने पुलिस थानों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि हर पुलिस सब डिवीजन में फॉरेंसिक साइंस मोबाइल वैन्स की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए।

भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वैश्विक मंच पर नया इतिहास रचने को तैयार : गिरिराज सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वैश्विक मंच पर नया इतिहास रचने को तैयार है। यह एक्सपो ट्रेड, इनोवेशन और रोजगार के अपार अवसर लेकर आया है। गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2025 के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही। कपड़ा मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े टेक्सटाइल एक्सपो में से एक भारत टेक्स 2025 की शुरुआत हो गई है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। भारत टेक्स 2025 की थीमः लचीली वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं और कपड़ा स्थिरता है। 14 से 17 फरवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 70 से अधिक सम्मेलन सत्र आयोजित किए जाएंगे। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2025 में संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला का प्रदर्शन किया जाएगा। इस सम्मेलन में भारत के कपड़ा पारिस्थितिकी तंत्र का व्यापक प्रदर्शन किया गया है, जिसमें कच्चे माल और रेशों से लेकर तैयार उत्पाद, तकनीकी वस्त्र, घरेलू साज-सज्जा और उच्च-स्तरीय फैशन तक सब कुछ शामिल है। यह कार्यक्रम 120 देशों के 5,000 से अधिक प्रदर्शकों के साथ वैश्विक कपड़ा स्थिरता और व्यापार पर केंद्रित है। भारत टेक्स 2025 ने वैश्विक कपड़ा दिग्गजों, ब्रांडों और उद्योग निकायों की भागीदारी को आकर्षित किया है। मंत्रालय ने कहा कि 14 से 17 फरवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन 12 टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के संघ द्वारा किया गया है।

Classified

विदेशों की तर्ज पर आधुनिक ट्रैक बना रहा भारतीय रेलवे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने विदेशों की तर्ज पर ट्रैक पर नई तकनीक का उपयोग शुरू कर दिया है, जिससे ट्रेनें बिना किसी रुकावट के एक ट्रैक से दूसरे ट्रैक पर जा सकेंगी और उनकी गति बनी रहेगी। भारत भी अब विदेशों की तर्ज पर अपने रेलवे ट्रैक को आधुनिक बना रहा है। आने वाले समय में सेमी-बुलेट ट्रेन जैसी तेज गति से रेलगाड़ियां दौड़ेंगी और यात्रियों को झटकों का अहसास भी नहीं होगा। इस तकनीक के संपूर्ण उपयोग के बाद ट्रेनों की अधिकतम रफ्तार 160 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी। झांसी मंडल में इस नई तकनीक का परीक्षण शुरू हो चुका है और जल्द ही इसे अन्य रेलवे रूट्स पर भी लागू किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ट्रेनों की गति को बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा को भी मजबूत बनाना है। भारतीय रेलवे ने ट्रैक की सुरक्षा और स्थायित्व को बढ़ाने के लिए थिक वेब स्विच (टीडब्ल्यूएस) प्वाइंट मशीन लगाने का काम तेज कर दिया है। इससे न केवल ट्रेनों की रफ्तार में इजाफा होगा, बल्कि लूप लाइन पर भी उनकी गति 30 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 50 किमी प्रति घंटे तक की जा सकेगी। रेलवे ट्रैक पर पारंपरिक स्विच के स्थान पर अब थिक वेब स्विच का उपयोग किया जा रहा है।

Classified

अधिक जानकारी के लिए आप
आयुष्मान डेंटल क्लिनिक के दिए
गए नंबर पर संपर्क करे :
7061815259, 7906590688

वर्ल्ड फेमस

अमेरिका के फ्लोरिडा के स्टॉर्मवॉटर सीवेज सिस्टम में बड़ी संख्या में वन्यजीव देखे गए हैं। एक अध्ययन में बताया गया है कि अलाचुआ काउंटी के सीवर सिस्टम का इस्तेमाल वन्यजीवों की ओर से किया जा रहा है। इन जानवरों में मगरमच्छ, रैकून और दर्जनों अन्य प्रजातियां शामिल हैं।

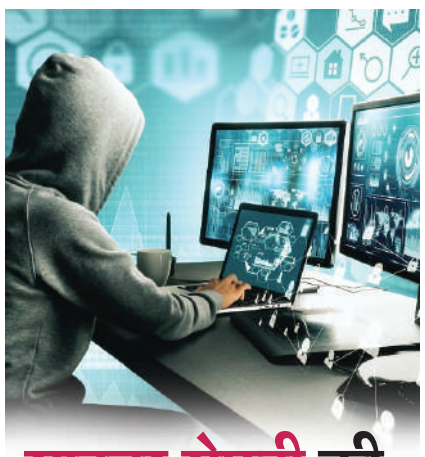

साइबर सेफ्टी की फील्ड में ब्राइट करियर है एथिकल हैकिंग

हैकर शब्द सुनते ही हम थोड़ा डर जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई कंपनीज हैकर्स को हायर करती हैं हैकर्स की मदद से कंपनीज सिस्टम के लूपहोल्स जानने की कोशिश करती हैं ताकि मेलिशियस एलिमेंट्स से डाटा बचाया जा सके। कंपनीज के लिए यह काम करने वाले कहलाते हैं, एथिकल हैकर्स। साइबर सेफ्टी की फील्ड में एथिकल हैकिंग आज एक ब्राइट करियर है।

आज टेक्नोलॉजी जितनी तेजी से बढ़ रही है, इंटरनेट पर साइबर क्राइम भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। इमेल एकाउंट हैक करना, सेंसिटिव डाटा चोरी करना, फर्जी मेल्स के जरिए पर्सनल डीटेल्स जानना, पासवर्ड्स डिटेक्ट करना कुछ ऐसे क्राइम्स हैं, जो हैकर्स आसानी से करते हैं. हालांकि इनके पीछे सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स भी बड़ा कारण हैं। कंपनियां इन्हीं लूपहोल्स को डिटेक्ट करने के लिए हैकर्स की मदद लेती हैं, जिन्हें कहते हैं, एथिकल हैकर्स। आज एथिकल हैंकिंग एक फुल-फ्लेज्ड करियर बन चुका है।

क्या है एथिकल हैकिंग?

एथिकल हैकर कंप्यूटर एक्सपर्ट्स का नेटवर्क होता है, जो आईटी सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स को ढूंढते हैं और उन्हें दूर करते हैं ताकि सिस्टम सेफ रहे और मेलिशियस हैकर्स इसे हैक न कर पाएं। इसे पेनिट्रेशन हैकिंग भी कहा जाता है। इस काम को करने वाले प्रोफेशनल्स टेक्निकली काफी स्किल्ड होते हैं।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट होना या कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री होना जरूरी है। इसके अलावा आपको सी, सी++, पायथन, रूबी जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस की जानकारी होनी चाहिए।आप सर्टिफिकेट कोर्स इन साइबर लॉ, एमएससी इन साइबर फॉरेन्सिक्स एंड इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ, एडवांस डिप्लोमा इन एथिकल हैकिंग, सर्टिफिकेट इन इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी एंड एथिकल हैकिंग, सर्टिफाइड इन्फॉर्मेशन सिस्टम सेक्योरिटी प्रोफेशनल जैसे कोर्सेज कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

एक अच्छा एथिकल हैकर वही बन सकता है, जो कंप्यूटर सेवी और गैजेट फ्रेंडली हो। आपमें एनालिटिकल थिंकिंग और डेडिकेशन जैसी क्वॉलिटीज होनी चाहिए, साथ ही इनिशिएटिव लेने और प्रॉब्लम सॉल्व करने की एबिलिटी भी होनी चाहिए। नए चेंजेस एडैप्ट करना और खुद को अपडेट करते रहना भी जरूरी है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर और सिस्टम को टेस्ट करते समय अचानक आने वाले ट्रबलशूट्स को डील करने की क्वॉलिटी भी आपमें होनी चाहिए।

इवेंट मैनेजमेंट में बनाएं अपना कॅरियर

इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का अर्थ विशेष रूप से कार्यक्रमों, त्योहारों, संगोष्ठियों आदि जैसे कार्यक्रमों के डिजाइन और संचालन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल को लागू करना है। आज आईपीएल, साहित्य उत्सव, ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों सहित सभी प्रमुख आयोजनों का प्रबंधन इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा ही किया जाता है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए उन युवाओं के लिए कई अवसर खोलेगा जो एक्शन, विविधता, चुनौती और बाहरी काम के शौकीन हैं। इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट को कई विश्वविद्यालयों में पेश किए जाने वाले जनसंचार का एक हिस्सा माना जाता है। इसलिए उम्मीदवार यूजी और पीजी स्तर पर इवेंट मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट खुदरा और विपणन क्षेत्र में बढ़ते रुझान के कारण तेजी से एक हॉट कैरियर विकल्प के रूप में पकड़ रहा है, जिसमें शामिल है –

- लक्षित दर्शकों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना
- विजुअलाइज़िंग कॉन्सेप्ट्स
- योजना
- बजट
- निष्पादन की घटनाएं
- फैशन शो, संगीत कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियों, शादियों, थीम वाली पार्टियों, उत्पाद लॉन्च आदि पर काम करना।

इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे शुरू करें?

इवेंट मैनेजमेंट में अपना कॅरियर शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में एक विशेष डिग्री हासिल करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग होती है। उम्मीदवारों को उस पाठ्यक्रम की तलाश करनी चाहिए जिसका वे अध्ययन करना चाहते हैं और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्रता की जांच करें। इवेंट मैनेजमेंट में अधिकांश एंट्री-लेवल जॉब्स इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा करके किया जा सकता है। हालांकि मेगा इवेंट आयोजित करने वाली बड़ी कंपनियों में प्रबंधकीय पदों या नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीए या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए पात्रता मानदंड

उत्कृष्ट जनसंपर्क और नेटवर्किंग कौशल वाले स्नातक इस क्षेत्र का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि एक प्रतिष्ठित फर्म या कंपनी में इवेंट मैनेजर बनने के लिए अच्छे जनसंपर्क कौशल के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। मार्केटिंग में अपने मास्टर के साथ जनसंपर्क में डिग्री होने से इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ होगा।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए स्किल्स और एट्रीब्यूट्स

एक इवेंट मैनेजर के पास अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आश्वस्त होना चाहिए और किसी स्थिति को समझने और ठीक से प्रतिक्रिया करने की क्षमता होनी चाहिए। उसके पास रचनात्मकता और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए। टीम भावना और नेतृत्व कौशल अन्य पूर्वापेक्षाएँ हैं। उन्हें घटना के हर मिनट के विवरण को भी देखना होगा।

जॉब प्रोफाइल

इवेंट मैनेजमेंट प्रबंधन के नवीनतम क्षेत्रों में से एक है और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। हालांकि इस क्षेत्र को अक्सर जनसंपर्क उद्योग की एक शाखा माना जाता है, यह बाजार का विस्तार कर रहा है और बहुत सारे रोजगार पैदा कर रहा है। विज्ञापन, पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद उम्मीदवार इवेंट मैनेजमेंट में भी अपना करियर बना सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में ढेरों नौकरियां उपलब्ध हैं। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, इवेंट मैनेजमेंट उद्योग लगातार तेजी से फल-फूल रहा है। बहुत सारे आयोजन होते हैं – शादियों, जन्मदिन पार्टियों और रियलिटी शो, फैशन और सांस्कृतिक शो पूरे देश में हो रहे हैं, जिससे कार्यक्रम योजनाकारों की मांग पैदा हो रही है। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उपलब्ध जॉब प्रोफाइल इस प्रकार है –

- **वेडिंग प्लानर** – ऐसे जॉब प्रोफाइल में शादी के आयोजन से संबंधित हर मिनट के विवरण पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एक वेडिंग प्लानर अपने ग्राहकों को विभिन्न विवाह समारोहों की योजना बनाने में मदद करता है।
- **स्टेज डेकोरेटर** – स्टेज डेकोरेटर इवेंट के लिए स्टेज लेआउट डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है। स्टेज डेकोरेटर की जिम्मेदारी में मंच पर प्रॉप्स को व्यवस्थित करना और रखना और मंच को आयोजन स्थल के अन्य सजावटी तत्वों के बीच खड़ा करना शामिल है।
- **रसद प्रबंधक** – रसद प्रबंधक घटना के लिए आवश्यक उपकरण, मेहमानों और अन्य चीजों के परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है।
- **प्रदर्शनी आयोजक** – एक प्रदर्शनी आयोजक की नौकरी की रूपरेखा एक कार्यक्रम योजनाकार की तरह होती है। प्राथमिक अंतर यह है कि एक प्रदर्शनी आयोजक योजना बनाता है और साथ ही मेलों और प्रदर्शनियों को निष्पादित करता है।
- **इवेंट प्लानर** – इवेंट प्लानर किसी इवेंट के सभी विवरणों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। घटना एक सम्मेलन, कॉर्पोरेट घटना या शादी हो सकती है। एक इवेंट प्लानर थीम, लॉजिस्टिक्स से लेकर बजट तक इवेंट के लिए एक योजना बनाता है।
- **इवेंट मैनेजर** – इस जॉब प्रोफाइल में प्रत्येक इवेंट के पहलू के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है। एक इवेंट मैनेजर का काम किसी घटना को बिना किसी परेशानी के अवधारणा बनाना, योजना बनाना, व्यवस्थित करना और निष्पादित करना है।

इवेंट मैनेजमेंट में करियर के अवसर

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में पारिश्रमिक उम्मीदवार की नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, संगठन का आकार, ग्राहकों की प्रोफाइल, पेशेवर का अनुभव और फर्म का स्थान जैसे कारक भी उम्मीदवार का वेतन तय करते हैं। हालांकि इवेंट मैनेजमेंट में एक फ्रेशर 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह के बीच मासिक वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता के क्षेत्र के साथ सैलरी बढ़ती है। एक कुशल फ्रीलांसर या एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक के रूप में काम करके काफी पैसा कमाया जा सकता है। एक बार जब कोई इवेंट मैनेजर इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर लेता है तो वह अपने क्लाइंट के आधार पर 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये या उससे अधिक की फीस की उम्मीद कर सकता है।

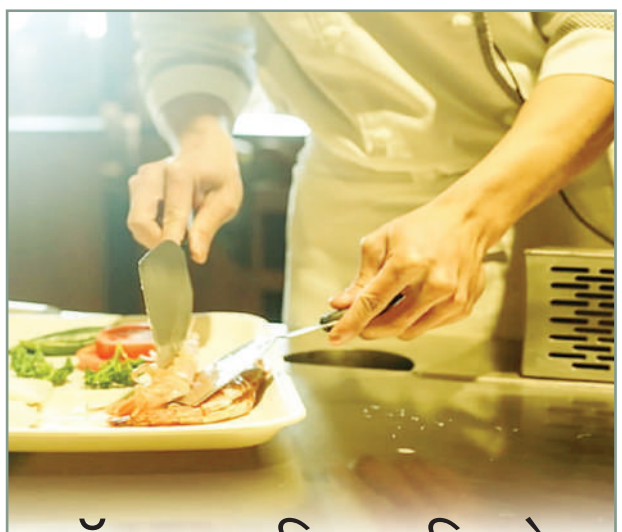

ऑनलाइन किचन बिजनेस की करें शुरूआत होगा मोटा मुनाफा

वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। कहते हैं कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जिस काम से आपका और आपके परिवार का खर्च निकल जाए, तो वह काम सबसे अच्छे होता है। आज के दौर में सबका जॉब पाना सबसे थोड़ा मुश्किल काम है। ऐसे में लोग खुद का स्टार्टअप खड़ा करने की सोच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी कम लागत के साथ अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के समय में एक नहीं कई ऐसे ऑनलाइन बिजनेस हैं। जिनको आप घर बैठे-बैठे आसानी से चला सकते हैं।

आज हम आपके लिए एक ऐसे ही होम बेस्ड बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। आप इस काम को घर बैठे कम से कम लागत के साथ शुरू कर सकते हैं। वहीं महिलाएं इस काम को शुरू करके अच्छा खासा मुनाफा भी कमा सकती हैं। आपको बता दें कि आप घर से ऑनलाइन किचन बि?जनेस की शुरआत कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको अपने किचन में बने खाने को बेचना होगा। किचन खाने को बेचने के लिए आपको उसे पैकर ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप के जरिए लोगों तक पहुंचाना होगा। वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आपका जो मैन्यू होगा उसी के हिसाब से आपके पास ऑर्डर आएगा। तो आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं।

कैसे शुरू करें बिजनेस

सबसे पहले इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अपना किचन तैयार करें। फिर उस किचन रेस्टोरेंट का नाम तय कर लें। अब आपको FSSAI से फूड लाइसेंस लेना होगा। इसके लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, उबर, स्विगी और फूड पांडा आदि से अपने किचन रेस्टोरेंट को रजिस्टर करवा लें। फिर आपके यहां फूड डिलीवरी पार्टनर का एग्जीक्यूटिव विजिट करेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर आपको अप्रूवल मिल जाएगा। जिसके बाद आपको ऑनलाइन ऑर्डर मिलने शुरू हो जाएंगे

ऐसे काम करेगा बिजनेस

बता दें कि जैसे ही आपको मोबाइल पर कोई ऑर्डर आता है, तो आप उस ऑर्डर के फूड को पैक कर दें। फूड पैकिंग के लिए आप किसी ऑनलाइन वेबसाइट से या मार्केट से जरूरी सामान खरीद सकते हैं। खाने का ऑर्डर लेने के लिए आपके पास डिलीवरी बॉय आएगा। डिलीवरी बॉय आपके ऑर्डर लेकर उस कस्टमर को देगा, जिसने खाना ऑर्डर किया था। इसके साथ ही फूड डिलीवरी एप और आपके बीच जो खाने के रेट को लेकर करार हुआ होगा। उसी हिसाब से वीकली आपके अकाउंट में पैसा आएगा।

हर दिन होगी इतनी कमाई

किचन रेस्टोरेंट की शुरूआत में हो सकता है कि आपको कम ऑर्डर मिले। लेकिन अगर आपके किचन से रोजाना 29 ऑर्डर मिले और आप हर ऑर्डर पर 50 रुपए की बचत करते हैं, तो हर दिन 1000 रुपए आपके पक्के होंगे। इस तरह के काम में किसी भी दिन छुट्टी नहीं होती है। ऐसे में आप महीने में कम से कम 30000 रुपए तक कमा सकते हैं। हांलाकि अगर आप चाहें तो शाम का समय भी फूड सर्विस के लिए चुन सकते हैं।

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाएं कॅरियर, मिलेगी जबरदस्त ग्रोथ

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

BTech- Data Science

यह का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

यह भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती आईटी इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो, अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

वर्ल्ड वाइज न्यूज

संक्षिप्त समाचार

रांची में रिंग रोड पर दो बसों की टक्कर, चालक को हल्की चोट

रांची। रांची के मेसरा ओपी क्षेत्र के रिंग रोड स्थित रूदिया आम बगान के पास शुक्रवार दोपहर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में सिर्फ बस चालक को हल्की चोट आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागालैंड नंबर की चार बसों में यात्री तीर्थस्थल गया के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान दो बसों की आपस में टक्कर हो गई, जिससे एक बस के आगे का शीशा टूट गया और चालक घायल हो गया।घटना की सूचना पाकर मेसरा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक का इलाज कराया। अन्य यात्रियों को दूसरी बसों में बैठाकर यात्रा के लिए रवाना किया गया।एएसआई अंजय चंद्रवंशी ने बताया कि चार बसों में यात्री बोधगया जा रहे थे। इस दौरान दो बसें आपस में टकरा गईं, जिससे एक बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घायल चालक का इलाज करवाकर उन्हें भी रवाना कर दिया गया। पुलिस ने बस को सड़क से हटवा दिया है, जिससे यातायात सामान्य हो गया।

बाबूलाल ने पंचायतों के अधिकारों में कमी पर जतायी चिंता

रांची। झारखंड में पंचायतों को अधिकार देने की स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चिंता व्यक्त की है। मरांडी शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा कि ग्राम पंचायतों को स्वायत्त शासन की शक्ति दी जानी चाहिए, लेकिन अधिकारों की कमी के कारण वे शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और बुनियादी ढांचे से जुड़े फैसले स्वतंत्र रूप से नहीं ले पातीं। बाबूलाल ने बताया कि वित्तीय स्वतंत्रता की कमी भी विकास कार्यों में बाधा बन रही है, जिससे स्थानीय शासन प्रणाली कमजोर हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की है कि ग्राम पंचायतों को समुचित संसाधन और वित्तीय स्वायत्तता देकर सशक्त बनाया जाये, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।

झारखंड में उत्तर पश्चिमी हवाओं से फिर लौटी ठंड

रांची। राज्य भर में उत्तर उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलने से ठंड फिर से लौट आई है। इन हवाओं के चलने से जहां रात में कनकनी बढ़ गई है। वहीं दिन में भी ठंड का एहसास हो रहा है। गुरुवार की तुलना में शक्रवार को न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। ठंड कम होने से लोग गर्म कपड़े रखने की तैयारी में थे, लेकिन ठंड बढने से लोगों को गर्म कपड़ों की फिर जरूरत महसूस होने लगी। हालांकि अधिकतम तापमान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उल्लेनखनीय है कि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक तापमान में उतार चढाव होने की बात कही है। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 25.2 और न्यूनतम 5.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जमशेदपुर में 32.2 और 12 डिग्री, डालटेनगंज में 29.6 और 9.3 डिग्री, बोकारो में 31.1 और 10.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 33.4 और न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंची रांची, एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे पर शुक्रवार को रांची पहुंची। रांची एयरपोर्ट पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सहित अन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच वह राजभवन के लिए रवाना हो गयी। वे वहां रात्रि विश्राम करेंगी। इसके बाद 15 फरवरी को बीआईटी मेसरा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी।

उपायुक्त ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 15 फरवरी को बीआईटी मेसरा के बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मेसरा) के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम को लेकर, कार्यक्रम स्थल पर पुलिस पदाधिकारियों एवं जिला के वरीय पदाधिकारियों की शुक्रवार को संयुक्त बैठक करते हुए उन्हें कार्यक्रम को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे–राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे, सभी को सुरक्षा जांच होने के बाद ही ऑडिटोरियम में प्रवेश की अनुमति होगी। उपायुक्त ने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को सभी मानकों का सुनिश्चित रूप से पालन करने के निर्देश दिए । इस बैठक में जिला के सभी वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची के श्री महावीर मंदिर का वार्षिकोत्सव 21 फरवरी से, भव्य आयोजन की तैयारी

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची

बूटी स्थित श्री महावीर मंदिर का तीसरा वार्षिकोत्सव 21 फरवरी से धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष वार्षिकोत्सव भव्य रूप से आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन 21 फरवरी को कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों की संख्या में राम भक्त शामिल होंगे। सुबह आठ बजे कलश यात्रा निकलेगी। दोपहर एक बजे वेदी पूजन के बाद मंडप प्रवेश होगा। संध्या आरती के बाद खीर भोग का वितरण किया जाएगा। 22 फरवरी को मंडप परिक्रमा, मंडप पूजन और संध्या आरती के बाद खिचड़ी वितरण के साथ अखंड कीर्तन शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक किया जाएगा। 23 फरवरी

को मंडप परिक्रमा, देव पूजन, रुद्राभिषेक, हवन, महाआरती, ब्राह्मण विदाई के बाद भव्य भंडारा किया जाएगा। शाम सात बजे से जगराता आयोजित की जायेगी।

मुख्यमंत्री हेमंत, चंपाई समेत अनेक जनों ने पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को किया नमन

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को नमन किया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि 2019 में पुलवामा में कायराना आतंकी हमले में शहीद होने वाले अमर वीर जवानों की शहादत को शत-शत नमन। वहीं दूसरी ओर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सरायकेला विधायक चंपाई सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए भारत माता के वीर सपूतों को शत शत नमन। आपके अदम्य साहस, वीरता और शौर्य का राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा। इसके अलावा लोकसभा सांसद और भाजपा नेता संजय सेठ ने कहा कि पुलवामा के आतंकी हमले में अपना बलिदान देने वाले मां भारती के सभी वीर सपूतों को मेरा कोटि-कोटि नमन। राष्ट्रहित के लिए दिया गया आपका बलिदान, हर देशवासी के लिए प्रेरणा देने वाला है। यह देश आपके बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। आपकी वीरता को मेरा प्रणाम। इसी प्रकार पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पुलवामा में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए मां भारती के वीर सपूतों को नमन। मरांडी ने कहा कि संपूर्ण राष्ट्र वीर जवानों का यह बलिदान कभी नहीं भूलेगा। वहीं दूसरी ओर से स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि 14 फरवरी 2019 पुलवामा में शहीद हुए वीर जवानों को कोटि-कोटि नमन। उनकी शहादत को कभी नहीं भूल सकते। देश की रक्षा के लिए उनका बलिदान हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद। डॉ. इरफान अंसारी ने एक फोटो भी साझा की है, जिसमें लिखा है कि 14 फरवरी 2019 यह वही दिन है जब हमारे वीर जवानों पर कायराना हमला हुआ था, जिसमें 40 से ज्यादा सीआरपीएफ जवान शहीद हो गये। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद इसका जिम्मेदार था।

प्रेमी ने शादी से किया इंकार तो प्रेमिका ने दे दी जान

वर्ल्ड वाइज न्यूज कोडरमा

जिले के डोमचांच थाना अंतर्गत मधुबन पंचायत के ग्राम सिमरिया में प्रेमी के शादी से इंकार करने पर प्रेमिका ने कुएं में कूद कर जान दे दी। बताया जाता है कि युवती के परिजनों ने प्रेमी से ही युवती की शादी भी ठीक कर दी थी। कुछ दिनों में शादी की रस्में होने वाली थी। घटना में मृतका की पहचान रुबी कुमारी (18) के रुप में की गयी है। वह डोमचांच थाना के सिमरिया गांव निवासी प्रेमचंद यादव की पुत्री थी। जानकारी के अनुसार रूबी कुमारी डोमचांच थाना क्षेत्र के सपही निवासी सूरज कुमार यादव से प्यार करती थी। विवाह भी होने वाला था लेकिन प्रेमी सूरज यादव ने अचानक शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद प्रेमिका ने शुक्रवार सुबह कुएं मे कूदकर जान दे दी। उसे कुएं में डूबते देख बच्चों ने

हल्ला किया जिसके बाद ग्रामीण दौड़ कर पहुंचे। तब तक युवती कुएं में छलांग लगा चुकी थी। आनन -फानन में ग्रामीणों ने युवती को बाहर निकाला तब तक युवती की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश अपने दल बल के साथ पहुंच कर शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया।

पेट्रोलिंग ड्यूटी करके लौटे हवलदार की मौत, पुलिस लाइन में दी गयी सलामी

वर्ल्ड वाइज न्यूज पलामू

पलामू पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सरइडीह पिकेट में कार्यरत जैप-8 के हवलदार छोटन राम (55) की मौत हो गयी। हवलदार बीती रात पेट्रोलिंग ड्यूटी करके लौटे थे। सीने में दर्द होने पर उन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृत्यु के पश्चात उनका शव एमआरएमसीएच मेदिनीनगर भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन में सलामी दी गयी। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे थे और अपनी देखरेख में पोस्टमार्टम करवाया था। शुक्रवार दोपहर पुलिस केन्द्र पलामू में सलामी एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस कार्यक्रम में पुलिस निरीक्षक-सार्जेंट मेजर सुरेश राम,

पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष विक्रांत दुबे, सचिव लालू उरांव, उपाध्यक्ष जयप्रकाश पुरी, अंकेक्षक सुनील कुमार, एमटी सार्जेंट विमल कुमार चंद्रवंशी, जीपी सर्जेंट मेरी खलखो, नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी, सब इंस्पेक्टर नागेंद्र चौधरी, जैप-8 के कोषाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, अंकेक्षक सिकंदर कुमार, केंद्रीय सदस्य द्वारिका प्रसाद महतो, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोज शर्मा, ओमप्रकाश, प्रदेश संयोजक जसवंत कुमार पांडे एवं अजीत कुमार शुक्ला, पुलिस एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एसआई रूपेश कुमार सिंह, पुलिस केंद्र के पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। सलामी के बाद हवलदार का पार्थिव शव उनके पैतृक गांव उत्तर प्रदेश के डाला चोपन के लिए सरकारी वाहन से पूरे सम्मान के साथ भेजा गया। हवलदार के निधन पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव, नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी, छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, डगरा पिकेट के एएसआई राजकिशोर महत ने

गहरा दुःख प्रकट किया है। बता दें कि हवलदार छोटन राम ने डगरा पिकेट पर एक अक्टूबर 2024 को अपना योगदान दिया था, जिन्हें वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर 27 जनवरी 2025 को सरईडीह पिकेट पर प्रतिनियुक्त पर भेजा गया था।

आदिवासी गांवों में आंगनबाड़ी केंद्र खोलने का फैसला स्वागतयोग्य : बाबूलाल

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के आदिवासी गांवों में नये आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के फैसले को स्वागतयोग्य बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा कि केंद्र सरकार की पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत झारखंड के आदिवासी गांवों में 1,220 नये आंगनबाड़ी केंद्र खोलने का फैसला स्वागतयोग्य है। इससे आदिवासी समाज के विकास और पोषण में काफी सुधार होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने तारीफ करते हुए कहा कि यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनायेगा और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नये मौके प्रदान करेगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की नियुक्ति से महिलाओं का

सशक्तिकरण भी होगा। केंद्र सरकार का यह निर्णय 'सबका साथ, सबका विकास' के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो झारखंड के आदिवासी समुदाय के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा।

सीमेंट लदा एलपी ट्रक पलटा, चालक और खलासी की मौत

वर्ल्ड वाइज न्यूज रामगढ़

रांची-पटना मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर के चुटूपालु घाटी में शुक्रवार को सड़क हादसे में चालक और खलासी की मौत हो गई। रांची से हजारीबाग की ओर से आ रहे सीमेंट लदा एलपी ट्रक (सीजी 04एमएस 4977) अचानक घाटी में अनियंत्रित हो गई और घाटी के गढ़के मोड़ के पास आकर पलट गई। इस घटना में ट्रक के मलबे में चालक और खलासी बुरी तरह दब गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने क्रेन के माध्यम से किसी तरह निकलवा कर दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिला अंतर्गत अहिवारा, नंदनी नगर निवासी ट्रक मालिक सह चालक अजय कुमार जैन और खलासी

रायपुर जिला अंतर्गत सरधू गांव निवासी प्रकाश वर्मा शामिल हैं। पुलिस ने घटना से संबंधित जानकारी दोनों मृतकों के परिवार वालों को दी। चुटूपालू घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कब तक एनएचएआई के अधिकारी नजर अंदाज करेंगे। डीसी चंदन कुमार ने भी कई बार एनएचएआई के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में घाटी में हो रही दुर्घटनाओं पर सकारात्मक पहल करने का निर्देश देते हैं। लेकिन यह निर्देश सिर्फ बैठक तक ही सीमित रह जाती है। अगर डीसी निर्देश देने के अलावा एनएचएआई के अधिकारियों पर कड़े एक्शन लेते है तो निश्चित ही कुछ पहल हो सकता है। चुटूपालू घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोक थाम को लेकर डीसी हर बार सड़क सुरक्षा की बैठक कर एनएचएआई के अधिकारियों को कई निर्देश देते है। इससे पूर्व 10 फरवरी को डीसी ने चुटूपालु घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घाटी में लगाई गई लाइट को नियमित रूप से कार्य करने को लेकर निर्देश दिए थे। साथ ही दुर्घटनाओं को रोकथाम को लेकर साइन बोर्ड जल्द से जल्द लगाने का भी निर्देश दिए थे। बावजूद इस और एनएचएआई ने सकारात्मक पहल नहीं करने पर दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है।

निगम ने फाइन जमा करने पर खोली दो प्रतिष्ठानों की सील

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची

रांची नगर निगम के राजस्व शाखा की टीम की ओर से निगम क्षेत्र में लगातार होल्डिंग और ट्रेड लाइसेंस की जांच करते हुए विभिन्न भवनों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में 10 फरवरी को निगम के निर्देशों का अवहेलना करने पर रोशपा टावर स्थित दो प्रतिष्ठानों (वन स्टॉकप सर्विस एवं पीओजे फर्निचर) को सील किया गया था। इसके बाद शुक्रवार को पीओजे फर्निचर की ओर से 25,000 रुपए जुर्माना के साथ-साथ नए ट्रेड लाइसेंस के लिए आवेदन दिया गया है। इसके बाद निगम की टीम ने प्रतिष्ठान पर की गई सील को खोल दिया। इस संबंध में नगर निगम के प्रशासक ने रांची के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सभी नागरिक अपने भवन के होल्डिंग टैक्स (घृतिकर) का भुगतान समय पर करें। उन्होंने कहा

है कि यदि रेजिडेंशियल होल्डिंग में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं तो त्वरित री-असेसमेंट करवाते हुए लोग कमर्शियल होल्डिंग लेना सुनिश्चित करें। साथ ही कहा है कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस लेना जरूरी है। यदि अपने भवन परिसर में किसी नई संरचना का निर्माण किया गया है, तो उसके क्षेत्रफल का पुनर्मूल्यांकन करवाना भी जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

उमेश प्रसाद गुप्ता (उमेश भाई) एक नेक दिल इंसान थे : हृदयानंद मिश्र

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची। बाईपास रोड मेदिनीनगर निवासी उमेश प्रसाद गुप्ता उर्फ उमेश भाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, झारखंड आंदोलनकारी एवं हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड सरकार के सदस्य हृदयानंद मिश्र ने कहा कि उमेश भाई के निधन से पलामू वासियों ने एक नेक दिल इंसान और सामाजिक कार्यों में जीवन समर्पित करने वाले व्यक्ति को खो दिया है। श्री मिश्र ने कहा कि उमेश भाई पूर्व पार्षद रौशन कुमार के पिता थे। उमेश भाई से मेरा पारिवारिक संबंध था और चार दशकों तक हमलोग मिलकर स्वयंसेवी संस्था के माध्यम से पलामू प्रमंडल के सुदूरवर्ती इलाकों में समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया है। उमेश गुप्ता अस्सी के दशक से स्वयं सेवी संस्था के सचिव रहे थे और झारखंड प्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार विभाग के सचिव थे। श्री मिश्र ने कहा कि 67 वर्षीय उमेश गुप्ता कुछ महीने से कैंसर से पीड़ित थे। 10 फरवरी की प्रातः 4.30 बजे प्रातः उन्होंने बाईपास रोड, मेदिनीनगर के आवास पर अंतिम सांस ली। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें

पुलवामा के शहीदों को किया याद, ट्रेड फेयर में साइबर जागरुकता कार्यक्रम आज

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची। झारखंड चैंबर की ओर से "साइबर शील्डः सशक्त, शिक्षित और सुरक्षित"नामक साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन 15 फरवरी को किया गया है। कार्यक्रम शाम चार बजे से छह बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में झारखंड पुलिस से साइबर थाना के सीटीओ कुमार विभूति, सब इंस्पेक्टर तनुश्री भट्ट एवं तकनीशियन दलबीर सिंह संधु साइबर सुरक्षा की तकनीक को बतायेंगे एवं गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित डॉ संतोष कुमार एवं साइबर एक्सपर्ट देवनन्दन उरांव साइबर सुरक्षा पर प्रकाश डालेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक झारखंड चैंबर के आइटी सब कमिटी के चेयरमैन मनोज कुमार मिश्रा और अल्मश आलम हैं। वहीं शुक्रवार को पुराने गाने पर कई गायक ने एक से बढ़कर गीतों को प्रस्तुत किया। पुलवामा के शहीदों को याद करते हुए देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये गये। यह जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना के नवनिर्वाचित पदाधिकारी सम्मानित

वर्ल्ड वाइज न्यूज धनबाद। युवा समाजसेवी दिलीप सिंह के आवास गांधी रोड में आयोजित सम्मान समारोह में चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोहराब खान महासचिव पवन सोनी, कोषाध्यक्ष कुणाल कुमार सहित चैंबर पदाधिकारियों को युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के केंद्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह,धनबाद के सुप्रसिद्ध समाजसेवी उदय प्रताप सिंह एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी मुकेश पांडेय ने सम्मानित किया। इस अवसर पर समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि पदाधिकारियों से यही अपेक्षा है कि पुराना बाजार के व्यवसायियों की समस्याओं का हर संभव निदान कराएंगे तथा ग्राहकों के लिए हर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। दिलीप सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सोहराब खान अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए हैं। उनसे यही उम्मीद है कि चेम्बर के सदस्यों का विस्तार करने के साथ-साथ व्यापारियों के समस्याओं के निदान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। सोहराब खान ने उदय प्रताप सिंह, दिलीप सिंह और मुकेश पांडेय का धन्यवाद करते हुए इस सम्मान के लिए सभी क आभार जताया और कहा कि नई कमिटी को जो भी जिम्मेवारी मिली है, उसका पूरी निष्ठा के साथ पालन करेंगे। कार्यक्रम में युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के केंद्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह, धनबाद के सुप्रसिद्ध समाजसेवी उदय प्रताप सिंह एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी मुकेश पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार सुशील भारती, बिशु सिंह, संजय सिंह, सोनी सरदार, चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के नवनिर्वाचित संरक्षक प्रदीप नारनोली, अध्यक्ष सोहराब खान, उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता विजय सैनी, वरीय उपाध्यक्ष संजय पांडेय, उपाध्यक्ष नवनीत रिटोलिया, उपाध्यक्ष इमरान अली व सरदार नारायण सिंह, सचिव दीपक सिंह, फॉरेसिक एकस्पर्ट मुकेश भारती आदि उपस्थित हुए।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हजारीबाग के बच्चों ने रांची में लिया प्रशिक्षण

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन शिक्षण एवं पाइथन संबंधी विभिन्न एप्लीकेशन के प्रायोगिक प्रशिक्षण की ली जानकारी
- कक्षा आठवीं के 45 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप प्रशिक्षण के लिए ले जाया गया राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT), रांची

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची/हजारीबाग। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हजारीबाग के कक्षा आठवीं के 45 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप प्रशिक्षण के लिए 14 फरवरी को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT), रांची ले जाया गया। विद्यार्थियों के आवागमन के लिए बस की सुविधा सीमा सुरक्षा बल मेरु कैंप, हजारीबाग की ओर से उपलब्ध करवाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्या अंकिता शर्मा ने बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ अनुशासन में रहकर संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने की सलाह एवं शुभकामना सहित विद्यालय से रवाना किया। विद्यार्थियों ने संस्थान पहुंचकर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के सचिन कुमार धर द्विवेदी, वरिष्ठ तकनीकी पदाधिकारी, भीम कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक एवं प्रशिक्षक वी.अविनाश के मार्गदर्शन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन शिक्षण एवं पाइथन संबंधी विभिन्न एप्लीकेशन का प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के सहयोग से पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हजारीबाग में यह प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया गया । प्रथम चरण में पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन केंद्रीय विद्यालय हजारीबाग में तीन से सात फरवरी तक आयोजित हुआ। इसमें कक्षा आठवीं के 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा दूसरे चरण में उनमें से बेहतर प्रदर्शन करने वाले 42 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची ले जाया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन पीएम श्री योजना के तहत किया गया। इस प्रशिक्षण के आयोजन में सहयोग करने के लिए विद्यालय की ओर से प्रकाश कुमार मेहता, टीजीटी, हिंदी की ओर से राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के प्रशिक्षण समन्वयक सचिन कुमार धर द्विवेदी सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया गया। इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों के अनुरक्षण का कार्य राजा रावल, प्रकाश कुमार मेहता, सरोज एवं महादेव गुरुंग की ओर से किया गया। प्रशिक्षण में शामिल बच्चों को विद्यालय की ओर से जलपान एवं भोजन उपलब्ध करवाया गया। इस प्रशिक्षण एवं यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने अनुरक्षकों की देखरेख में भरपूर मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्या अंकिता शर्मा , राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों, सीमा सुरक्षा बल, मेरु कैंप हजारीबाग, विद्यालय के पीएम श्री प्रभारी जय किशोर प्रसाद, प्रकाश कुमार मेहता, राजा रावल, महादेव गुरुंग, चंद्रमणि रंजन, पुष्प गौरव, राज कुमार, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों सहित संपूर्ण विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

हजारीबाग चैंबर ने कैप्टन करमजीत सिंह के निधन पर जताया गहरा शोक

चैंबर ने भारत सरकार को पत्र प्रेषित कर की आतंकवादियों को जड़ से खात्मे की मांग

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग के भारतीय सेना के जांबाज सिपाही कैप्टन करमजीत सिंह के जम्मू स्थित अखनूर में पेट्रोलिंग के दौरान पाक आतंकवादियों द्वारा बिछाए गए बारूदी सुरंग के ब्लास्ट में शहीद हो जाने पर हजारीबाग चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। इसे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजकुमार जैन टोंग्या, संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र लाल एवं सचिव विजय केसरी ने संयुक्त रूप से एक पत्र देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को प्रेषित कर मांग की है कि देश की आजादी के बाद से अब तक हजारों भारतीय सेना के जवान जम्मू कश्मीर की सुरक्षा में अपनी जान कुर्बान कर चुके हैं । फलस्वरुप देश की कई मांओं ने अपने बेटे, बहनों ने अपने भाइयों, अर्धांगनियों ने अपने पतियों और बच्चों ने अपने पिताओं को खोया है। यह सिलसिला अब बंद होना चाहिए। आतंकवादियों के जड़ से खात्मा के लिए भारत सरकार को भी उठ खड़े होने की जरूरत है। आगे पत्र में दर्ज किया गया है कि भारतीय सेना के जांबाजों की इन कुर्बानियों के पीछे पाक आतंकवादियों के हाथ हैं। भारत सरकार को पाक आतंकवादियों के खिलाफ एक सुविचारित बड़ी कार्रवाई करने जरूरत है ताकि पाक आतंकवादियों का जड़ से खात्मा हो सके। पाकिस्तान देश की आजादी के बाद से अब तक लगातार आतंकवादी कार्रवाई करता चला आ रहा है । पाकिस्तान, देश की एकता और अखंडता को भी प्रभावित करता रह रहा है। देशवासियों की सब्र की सीमा खत्म हो गई है। संपूर्ण देश पाकिस्तानी आतंकवादी कार्रवाई से आक्रोशित और क्षुब्ध है। आगे चैंबर ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि अब सरकार को चुप रहने की जरूरत नहीं है। संपूर्ण विश्व पाकिस्तान द्वारा पीठ के पीछे छुरा घोपने की कार्रवाई को जान चुका है। विश्व जनमत भी पाकिस्तान के पक्ष में है। इसलिए पाकिस्तान के खिलाफ शीघ्र अतिशीघ्र बड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। भारत सरकार पाकिस्तानी आतंकवादियों के सफाए में जितना विलंब करेगी, हमारे जवान शहीद होते रहेंगे। भारत की एक-एक जनता पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत सरकार की कड़ी कार्रवाई का इंतजार कर रही है।

गर्व और गौरव के पल : जेईई मेंस में की टॉपर साक्षी सगुन सम्मानित

- डीएवी सीनियर विंग के प्राचार्य ने जेईई मेन्स 2025 की परीक्षा में बालिकाओं की श्रेणी में पूरे झारखंड में प्रथम और ओवरऑल पांचवा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा का बढ़ाया हौसला
- अभी पूरा फोकस जेईई एडवांस पर है और सपना आईआईटी दिल्ली में प्रवेश प्राप्त करना : साक्षी

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। स्थानीय डीएवी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग कैनरी हिल हजारीबाग के प्राचार्य डॉ रजनीश कुमार ने प्रतिष्ठित जेईई मेन्स एग्जाम 2025 में पूरे झारखंड में बालिकाओं की श्रेणी में प्रथम साथ ही ओवरऑल पांचवा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा साक्षी सगुन को विद्यालय में सम्मानित किया। साक्षी सगुन के साथ उसकी मां भी उपस्थित थी। प्राचार्य ने दोनों को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। तत्पश्चात मोमेंटो देकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर छात्रा का उत्साह वर्धन किया। बतौर साक्षी ने यह कहा कि अभी उसका पूरा फोकस जेईई एडवांस पर है और उनका सपना आईआईटी दिल्ली में प्रवेश प्राप्त करना है। साक्षी सगुन शुरू से ही काफी मेहनती और कुशाग्रबुद्धि की छात्रा रही है और हमेशा ही अपने क्लास में अव्वल रही है। साक्षी की मां ने डीएवी के शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डीएवी के शिक्षकों का आशीर्वाद हमेशा से बच्ची के साथ रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के अन्य वरिष्ठ शिक्षक भी उपस्थित थे।

उल्लास से मना वाइट फिल्ड पब्लिक स्कूल पेलावल का वार्षिकोत्सव

- रंगारंग इंद्रधनुषी सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों ने बिखेरी सतरंगी छटा
- डेढ़ दशक में विद्यार्थियों को हर विधा में किया गया पारंगत
- झारखंड आंदोलनकारी फहिम उद्दीन और थाना प्रभारी समेत कई गणमान्य लोग हुए शामिल
- ग्रामीण बाल प्रतिभाओं ने दिखाया दम, पुरस्कार पा हर्ष से बढ़ाया कदम

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। वाइट फिल्ड पब्लिक स्कूल पेलावल का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास संपन्न हुआ। बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी सह शांति समिति सदस्य स झारखंड आंदोलनकारी फहिम उद्दिन अहमद उर्फ संजर मलिक एवं थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे के साथ प्राइवेट स्कूल सचिव प्रभु दयाल की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित के साथ हुई। यह है। स्कूल पिछले 15 वर्षों से चल रहा एक छोटे से कमरे से स्कूल का आगाज हुआ था। आज इस विद्यालय ने एक वट वृक्ष का रूप ले लिया है। स्कूल की प्रिंसिपल एस निशा की मेहनत और उनके अभिभावक सह निदेशक मुख्तार अहमद का साथ हमेशा बेटी के सर पेर रहा। इसका परिणाम है कि आज स्कूल इस गांव में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौके पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़ कर एक देश भक्ति गीत, नाटक, सांस्कृतिक नृत्य, रंगारंग स्टेज प्रस्तुति कर अपने माता-पिता, अभिभावकों, अतिथियों पास के निवासियों तथा समारोह में शामिल हुए लोगों की खुशी इस बात से देखी जा सकती थी कि खड़े हो कर उत्साह से लबरेज तालियां बजाते थके नहीं। कार्यक्रम के समापन से पहले उन बच्चों को पहला, दूजा और तीसरा पुरस्कार दिया गया। वहीं मौजूद सभी अतिथियों को शॉल भेंट कर स्कूल प्रबंधन की ओर से सम्मानित किया गया। मंच संचालन सालेहा प्रवीन वाइस प्रिंसिपल ने किया। खुशबू प्रवीन, सुफैदा प्रवीन, शकीना, शादियाम, शानियां, अलिशा, शबाना, शहजादी, एवं अन्य शिक्षिकाओं ने छात्रों को शिक्षा के साथ अनुशासन, खेल कूद, संगीत आदि पर भी विशेष ध्यान देती हैं। इस मौके पर कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति पर पुरस्कृत किये गए बच्चों में माही प्रवीन, शिफा, जोया खान, साईबा पीरो, आफरीन, जिया, अलिशा नाज, नाजिया,यासमीन, बिलकिस, सुफयान, शानियां, दिलनिशी, साहिल, फरहान, अनस आलम, सरफुद्दिन, अकरम आदि थे। वहीं मौके पर विशिष्ट अतिथियों विनोद भगत, सुहैल अहमद, मधु मोहन, अलताफ हुसौन, छोटे लाल साव, राशिद, अविरल, प्रवेज़, राम कुमार मेहता, आरिज हुसौन, मिंहाज समेत संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही।

स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व विधायक विश्वनाथ मोदी की मनी पुण्यतिथि

अरुण सूद, वर्ल्ड वाइज न्यूज

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व विधायक स्वर्गीय विश्वनाथ मोदी की 14वीं पुण्यतिथि ओवर ब्रिज के नीचे विश्वनाथ मोदी प्रतिमा स्थल के पास मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश राम तथा संचालन डॉ वीएनपी वर्णवाल ने किया। मुख्य अतिथि बरकट्ठा के विधायक अमित कुमार यादव भी उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रकाश राम और विधायक अमित कुमार यादव ने विश्वनाथ मोदी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। संयोजक देवनारायण मोदी ने कहा कि मुझे गर्व है कि इस पुण्यतिथि को मनाने में स्वर्गीय विश्वनाथ मोदी जी का जीवनी बोलने में मुझे असीम खुशी होती है और भविष्य में भी इस पुण्यतिथि को भविष्य भव्य से भव्यतम मनाएंगे। विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि मुझे स्वर्गीय विश्वनाथ मोदी की पुण्यतिथि में शामिल होने से असीम खुशी होती है क्योंकि इनका जन्म स्थल एवं मेरा कर्म स्थल इसी पर विधानसभा से आता है। मैं भविष्य में भी उनके पुण्यतिथि में आता रहूंगा। इनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने क्षेत्र में विकास की गाथा लिखूंगा। प्रकाश राम ने कहा कि विश्वनाथ मोदी के मूर्ति अनावरण से लेकर आज तक चिंतन में हूं और भविष्य में भी प्रतिमा स्थल को विकसित करने के लिए तथा प्रतिमा स्थल के पास सौंदर्य करण के लिए मुझे मौका मिला तो पूरा प्रयास करूंगा।कार्यक्रम को वीरेन्द्र सिंह, भदानी मोदी, नारायण सिंह, मनोज सहाय, बलदेव मोदी, सुरेन्द्र मोदी, बलदेव मोदी आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में चन्द्रशेखर जोशी, सुधीर सिंह, राजकिशोर प्रसाद, डॉ विकास चन्द्रा, डॉ मनोज कुमार, अजय वर्णवाल, सूर्यदेव बर्णवाल, विनोद सिन्हा, बिनोद भदानी, विजय राम, अजय झा, राजेश सिन्हा, पियूष सहल, अंकित गुप्ता, अमर सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, अजय झा, ईश्वर बर्णवाल, अनिल मोदी, नन्दलाल मोदी, शिवशंकर मोदी, विशाल मोदी, बिनोद मोदी, सुभाष मोदी, अर्जुन राणा, प्रदीप मोदी, श्याम बिहारी मोदी, अनिल सिंह, विशाल भदानी, सुनिती सेठ, रीता लोहानी, रेखा भदानी, अंजू जैन, मनीषा मोदी, चन्द्रलता बर्णवाल, वर्षा रानी, शंकुतला देवी, किशोर भाटिया, पप्पू मोदी, तेजो यादव, ललन सिन्हा, शंकर मोदी आदि शामिल हुए।

पुलवामा में हुए अमर शहीदों को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कमिटी हजारीबाग की ओर से परिसदन स्थित शहीद स्थल पर महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत के नेतृत्व में पुलवामा में हुए 40 अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने कहा कि आज के ही दिन जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय सुरक्षा कर्मियों को ले जाने सीआरपीएफ के वाहनों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों नें अपनी शहादत दी थी। उन्होंने कहा कि देश के लिए जो जवान शहीद होते हैं कभी मरते नहीं बल्कि सदा के लिए अमर हो जाते हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान,सेवा दल के अध्यक्ष गुड्डू सिंह, सहकारिता के जिला अध्यक्ष कृष्णा किशोर प्रसाद,परवेज अहमद, ओबीसी के प्रदेश सचिव रेणु कुमारी, रघु जायसवाल, महासचिव दिलीप रवि, मो मुस्ताक, महिला जिला अध्यक्ष बेबी देवी, राजेश कुमार,सलीम रजा, अनिल भुइया, अशरफ अली, सदरुल होदा आदि काग्रेसजन उपस्थित थे।

रक्तदान पुनीत कार्य, अधिक से अधिक लोग लें भाग : मनीष जायसवाल

- हजारीबाग यूथ विंग का मेगा रक्तदान शिविर तीन मार्च को, सांसद को दिया गया आमंत्रण पत्र
- हर वर्ष अधिक रक्त संग्रह का प्रयास, समाज की सेवा ही हमारा लक्ष्य : चंद्र प्रकाश जैन
- इस वर्ष 200 यूनिट रक्त संग्रह का संकल्प, युवाओं से अपील रक्तदान करें, जीवन बचाएं : करण जायसवाल

हजारीबाग। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हजारीबाग यूथ विंग की ओर से तीन मार्च को लक्ष्मी सिनेमा हॉल के सभागार में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और समाजसेवियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल को इस शिविर के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रण पत्र सौंपा। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने रक्तदान के महत्व और इस शिविर को सफल बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। संस्था का लक्ष्य इस वर्ष 175 से 200 यूनिट रक्त संग्रह करना है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। पिछले वर्ष 2024 में संस्था ने रक्तदान शिविर के माध्यम से 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया था,जिसे इस वर्ष और अधिक बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग यूथ विंग की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे अनगिनत लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों से अपील की वे इस सामाजिक एवं मानवीय कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करें। इस कार्यक्रम में सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास को भी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। संस्था ने उम्मीद जताई कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग इस पहल में सहभागी बनेंगे और इसे सफल बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि रक्तदान एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे किसी भी स्वस्थ व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि यह शरीर में रक्त संचार को और अधिक सक्रिय करता है। उन्होंने कहा की हम सभी को यह समझना चाहिए कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। इसलिए हमें इस महादान में नियमित रूप से भाग लेना चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। रक्तदान न केवल एक परोपकारी कार्य है बल्कि यह एक सशक्त समाज के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होता है। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने रक्तदान शिविर को लेकर कहा कि रक्तदान एक ऐसा महान कार्य है, जिससे हम किसी जरूरतमंद की जान बचा सकते हैं। हजारीबाग यूथ विंग का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक साबित होगा, हम हर वर्ष इस शिविर को और अधिक सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं सभी युवाओं और नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे इस महादान में भाग लें और अधिक से अधिक रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद करें। अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा की कहा कि पिछले वर्ष हमारे रक्तदान शिविर में 130 यूनिट रक्त एकत्र किया गया था और इस बार हमने इसे बढ़ाकर 175-200 यूनिट तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। यह तभी संभव होगा जब समाज के सभी वर्ग विशेषकर युवा इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे 3 मार्च को आयोजित इस शिविर में आएं और रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दें,साथ ही आम जनता से आग्रह किया की वे 3 मार्च 2025 को अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में भाग लें और रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करें। इस मौके पर उपाध्यक्ष विकास केसरी, कोषाध्यक्ष रितेश खंडेलवाल एवं कार्यकारणी सदस्य गुंजन मद्धेशिया मौजूद थे।

जैन मुनि 108 प्रांजल सागर 14 साल बाद पहुंचे जन्मभूमि झुमरीतिलैया, हुआ स्वागत

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कोडरमा। रमता जोगी बहता पानी के कहावत के अनुसार झुमरीतिलैया में जन्मे अखिलेश भैया 14 वर्षों बाद जैन मुनि 108 प्रांजल सागर जी महाराज बनकर अपने दीक्षा गुरु आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी महामुनिराज के साथ संघ सहित झुमरीतिलैया की धर्म नगरी में मंगल आगमन हुआ। भक्त जनों में कोडरमा के गौरव जो 14 वर्षों के बाद जन्म नगरी में आने की खुशी से मन हर्ष से पुलकित हुआ। जैन समाज के सैकड़ो पुरुष, बच्चे, महिलाएं के साथ युवा श्वेत ओर केशरिया पारंपरिक परिधान में गुरुदेव की अगवानी के लिए पहुंचे। विभिन्न चौराहे पर मोदी समाज, बंगाली समाज, माहुरी समाज, पंजाबी समाज, अग्रवाल समाज ने गुरुदेव के चरण पखारे ओर आरती की। इस शोभायात्रा में गुरुदेव के साथ सैकड़ों भक्त, ताशा पार्टी, बैंड बाजा, जैन स्कूल बच्चों का बैंड, महिलाओं की कलश यात्रा, जैन धर्म का ध्वज और जैन धर्म के जयकारों के साथ पूरे शहर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बन गया। सभी एक ही जयकारा लगा रहे थे कि हर मां का लाल कैसा हो प्रांजल सागर जैसा हो आदि नारा लगा कर शहर को गुंजायमान कर दिया। साथ ही छोटे ग्रुप बनाकर महिलाएं तरह तरह के स्लोगन ले कर स्वागत किया। साथ ही महिला बालिकाएं डांडिया नृत्य के साथ हाथ में गैस के गुब्बारे के साथ महिलाएं हाथ में जैन धर्म का झंडा लेकर अपनी भक्ति को प्रदर्शित कर रहे थे। गुरुदेव नगर भर्मण कर बड़ा मंदिर स्टेशन रोड पहुंचे जहां पर सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने गुरुदेव के चरणों को धोया और अपने माथे पर लगाया। मुनि श्री ने मूलनायक 1008 श्री पारस नाथ भगवान के दर्शन कर धर्मसभा को संबोधित किया। अमृतमय प्रवचन मे गुरुदेव ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यवहार को बदलना होगा। व्यक्ति अच्छाइयों का खजाना होता है लेकिन अपने दिमाग को खराब कार्यों में ज्यादा लगता है। इस कारण उसकी अच्छाई और योग्यता नजर नहीं आती है। वृक्ष यदि सूख रहा है तो पत्तों को नहीं जड़ों को देखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज, महिला समाज, जैन युवक समिति के साथ सभी भक्तों ने अपना योगदान दिया। यह जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी जैन राजकुमार अजमेरा और नवीन जैन ने दी।

आचार्य श्री 108 सच्चिदानंद सागर जी महाराज का रांची में मंगल प्रवेश

गाजे-बाजे के साथ किया गया स्वागत, आज पारसनाथ होंगे रवाना

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। परम पूज्य आचार्य श्री 108 सच्चिदानंद सागर जी महाराज ससघं 5 पीछी का विहार कर्नाटक से शिखर जी के लिए चल रहा है। महाराज श्री का कल रात्रि विश्राम कटहल मोड़ के आगे ओम मार्बल में हुआ। 14 फरवरी को प्रातः 6.30 बजे महाराज श्री वहां से विहार करके इटकी रोड, रातू रोड, वासुपूज्य जिनालय होते हुए 8.30 बजे अपर बाजार जैन मंदिर में गाजे बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनि श्री संसंघ का जगह-जगह लोगों ने आरती व पद प्रक्षालन किया एवं मंगल प्रवेश में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुनेश्वरी अप्पर बाजार दिगंबर जैन मंदिर का दर्शन कर लोगों को अपना मंगल आशीर्वाद दिया। कल मुनि श्री यहां से सम्मेद शिखर पारसनाथ के लिए विहार कर जाएंगे।

हजारीबाग यूथ विंग ने पुलवामा के वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

वर्ल्ड वाइज न्यूज

- सदस्यों ने शहीदों की शौर्यगाथा को किया नमन
- पुलवामा के वीर सपूतों का बलिदान हमें सदा राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा : चंद्र प्रकाश जैन
- हम शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए सदैव समर्पित रहेंगे और उनकी कुर्बानी को व्यर्थ नहीं जाने देंगे : गुंजन मद्धेशिया

हजारीबाग। पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को हजारीबाग यूथ विंग की ओर से श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया। यह आयोजन शहीद स्मारक स्थल पर किया गया, जहां हजारीबाग यूथ विंग के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने एकत्र होकर शहीदों को नमन किया। श्रद्धांजलि के दौरान उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की एवं दीप प्रज्वलन कर शहीदों के अमर बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने अपने संबोधन में पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों की वीरता, साहस और देशप्रेम को याद किया। उन्होंने कहा कि यह हमला भारत के लिए एक दुखद घटना थी, लेकिन हमारे वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, उसे कोई भी सच्चा भारतीय कभी नहीं भूल सकता। कार्यक्रम में उपस्थित हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों ने शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा और राष्ट्र सेवा व देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। सदस्य गुंजन मद्धेशिया ने कहा कि हमें अपने वीर जवानों के बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। सभी ने एक स्वर में देश की सुरक्षा और शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए अपने प्रयास जारी रखने की प्रतिज्ञा ली। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने शहीद जवान अमर रहें के नारों के साथ वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर उपाध्यक्ष विकास केसरी, कोषाध्यक्ष रितेश खंडेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद खंडेलवाल, रोहित बजाज, गुंजन मद्धेशिया, मोहम्मद ताजुद्दीन, अभिषेक पांडे, प्रवेक जैन एवं रामनिवास शर्मा मौजूद थे।

नेशनल स्कूल के बच्चों ने किया शहादत को सलाम

वीर सपूत शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी व पुलवामा में शहीद हुए जवानों को दी श्रद्धांजलि

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। नेशनल स्कूल में शुक्रवार को एक भावनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी और पुलवामा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन ने शहीद के बलिदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह कार्यक्रम देश के वीर सैनिकों की शहादत और उनके अद्वितीय साहस को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था। कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी भारतीय सेना के एक वीर सपूत थे। उनका अदम्य साहस और देश के प्रति उनका समर्पण हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने शहीद के जीवन और उनके योगदान पर एक संक्षिप्त परिचय दिया। इस दौरान बच्चों ने उनके साहसिक कार्यों को अपने शब्दों में व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शहीद कैप्टन बक्शी और शहीद जवानों के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। छात्र - छात्राओं ने कहा, "कैप्टन बक्शी का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमें उनके साहस और देशभक्ति से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।" इसके बाद, विद्यालय के छात्रों ने शहीद के सम्मान 2 मिनट का मौन रख कर बाद में गीत और कविता प्रस्तुत किया, जिसमें उनकी वीरता और शहादत को श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य धीरेन्द्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा, "शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी और पुलवामा हमले में शहीद जवान का बलिदान हमारे देश की रक्षा के लिए था। हमें उनकी वीरता और बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम उनके साहस को सलाम करते हैं।" उन्होंने बच्चों को यह भी बताया कि ऐसे वीर सैनिकों के कारण ही हम आज सुरक्षित और स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं। मौके पर स्कूल के तमाम शिक्षक मौजूद थे। इसके अलावा कार्यक्रम में स्कूल के तमाम शिक्षक सदस्य भी उपस्थित थे, जिन्होंने विद्यालय को धन्यवाद दिया और छात्रों को देशभक्ति की भावना को समझने की आवश्यकता बताई। समापन पर छात्रों ने शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम ने बच्चों को यह समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया कि वास्तविक नायक वे होते हैं जो अपने देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम ने सभी उपस्थित लोगों को शहीदों के बलिदान की याद दिलाई और उन्हें नमन करने का एक अवसर प्रदान किया। साथ ही यह कार्यक्रम बच्चों में देशभक्ति की भावना को जागरूक करने और वीर सैनिकों के योगदान को सम्मानित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

कोलकाता में प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह झारखंड जैव विविधता परिषद के सदस्य सचिव संजीव कुमार की पुस्तक की सराहना

- पुस्तक में भारत आधारित पारंपरिक ज्ञान का विस्तार से जिक्र
- संगोष्ठी में वनस्पति और जैव विविधता संरक्षण पर चर्चा
- कोलकाता में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के 136वें स्थापना दिवस समारोह और तृतीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
- कई राज्यों से वनस्पति के विशेषज्ञ, पर्यावरणविद् के अलावा स्पेन, डेनमार्क, बेल्जियम आदि देश से लगभग एक हजार से अधिक वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञ हुए शामिल

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कोलकाता/रांची। कोलकाता में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के 136वें स्थापना दिवस समारोह और तृतीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम गुरुवार से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें पादप वर्गिकी, लोक वनस्पति विज्ञान, वनस्पति उद्यान और जैव विविधता संरक्षण पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह झारखंड जैव विविधता परिषद के सदस्य सचिव संजीव कुमार ने भारत आधारित पारंपरिक ज्ञान पर अपनी पुस्तक प्रस्तुत की। पुस्तक में पारंपरिक ज्ञान और औषधीय पौधों के संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी गई है, जिसे उपस्थित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने सराहा। संजीव कुमार ने जैव विविधता के पैनल डिस्कशन में झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में जैव विविधता अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और संरक्षण के लिए चलाए जा रहे जागरुकता अभियानों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई के सदस्य सचिव श्री बालाजी भी उपस्थित थे। उन्होंने संजीव कुमार द्वारा झारखंड में जैव विविधता संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे अभियानों की सराहना की। मौके पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के निदेशक एए माओ ने मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। संगोष्ठी में भारतीय जंतु सर्वेक्षण के निदेशक बाला जी, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकार के सदस्य सचिव, कई राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक व सदस्य सचिव जैव विविधता परिषद, कई राज्यों से वनस्पति के विशेषज्ञ, पर्यावरण् विद्, के अलावा स्पेन, डेनमार्क, बेल्जियम आदि देश से लगभग एक हजार से अधिक वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञ शामिल हुए।

कांग्रेस के प्रति बढ़ रहा लोगों का रूझान : कमलेश

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची

अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद युवा, किसान और महिलाओं, का विश्वास कांग्रेस के प्रति और गहरा हुआ। यही कारण है कि लोगों का रूझान कांग्रेस में बढ़ रहा है और लोग कांग्रेस की सदस्यता लेने के लिए उत्सुक दिख रहे हैं। एक मार्च को आहुत कोल्हान प्रमंडल कांग्रेस समागम इसी का उदाहरण है। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव सह झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, सचिव सह सांसद सत्पगिरी शंकर उलका, सचिव डॉ सिरिबेला प्रसाद , मंत्री और विधायक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि यह मेरा निर्वाचन क्षेत्र रहा है और आप लोगों का जो प्यार हमें मिला उस प्यार का कोई मूल्य नहीं है। कांग्रेस समागम यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस के प्रति लोगों का विश्वास है। बैठक में जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर दास, धमेन्द्र सोनकार, देबू चटर्जी, संजीव श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, छोटे राय किस्कू, राणा सिंह, एलबी सिंह, शिवकुमार गोराई, राजीव चौधरी, उपेन्द्र गिरि, परमिन्दर मिश्रा, दुर्याधन गोप, त्रिशानु राय सहित अन्य शामिल हुए।

कर्ज में डूबे युवक ने फंदे से लटक कर दी जान

रामगढ़। रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में कर्ज में डूबे एक युवक ने अपने घर में पंखे की कुंडी से फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। जब घर वालों को इसका पता चला तो उन लोगों के होश उड़ गए। कुजू नया बाजारटांड़ निवासी कुणाल सिंह उर्फ छोटू (31) ने गुरुवार की रात इतना बड़ा कदम उठाया। जानकारी के अनुसार कुणाल सिंह पिछले कई दिनों से काफी तनाव में रह रहा था। उसका पैसा मार्केट में और संबंधियों के बीच फंसा हुआ था। लेनदेन के कारण वह इतना कर्ज में डूब गया था, जिसकी वजह से उसकी मानसिक स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। कुणाल की मां जब खाना लेकर उसके कमरे में गई तो कमरा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं दिया, तो उन्होंने कुणाल के पिता रामकुमार सिंह को इसकी जानकारी दी। पिता और पड़ोसियों ने मिलकर जब दरवाजा तोड़ा तो कुणाल की लाश पंखे से लटकती हुई मिली। जब यह घटना घटी थी तो कुणाल की पत्नी अपनी तीन माह की बेटी के साथ अपने मायके रांची में थी। तत्काल परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम

श्रद्धांजलि : देशवासियों को सदा गौरवान्वित करता रहेगा कैप्टन करमजीत सिंह की शहादत

विजय केसरी अतिथि संपादक, वर्ल्ड वाइज न्यूज

कैप्टन करमजीत सिंह की शहादत सदा देशवासियों को गौरवान्वित करता रहेगा। उनकी शहादत पर संपूर्ण देश स्तब्ध है। वे बचपन से ही सेना में भर्ती होने की कामना लिए पढ़ाई पूरी करने के बाद अंततः भारतीय सेना के कप्तान बन पाए थे। करमजीत सिंह का जन्म भारतीय सेना को अपनी सेवा और कुर्बानी देने के लिए ही हुआ था । किसी ने कल्पना तक न की थी कि करमजीत सिंह इतनी जल्दी इस तरह अपनी शहादत देकर दुनिया से विदा हो जाएगा। वह अपने माता-पिता का इकलौता संतान था । वह बचपन से ही सेना में जाने की बात अपने माता-पिता और बहन से किया करता था। इसके साथ उसके आव-भाव, रहन-सहन सेना की तरह ही रहे थे। जब उसे भारतीय सेना के लिए सिलेक्ट कर लिया गया, तब वह बहुत खुश था। उसकी यह खुशी उसके चेहरे पर साफ झलकती थी। करमजीत के माता-पिता भी बेटे का भारतीय सेना में कैप्टन बनने से बहुत कुछ थे। लेकिन यह खुशी ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाई। हजारीबाग में जन्मे भारतीय सेना के जांबाज सिपाही कैप्टन करमजीत सिंह के जम्मू स्थित अखनूर में पेट्रोलिंग के दौरान पाक आतंकवादियों द्वारा बिछाए गए बारूदी सुरंग के ब्लास्ट में घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। इस दौरान उनके एक सहकर्मी की भी मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। वहीं दूसरी ओर घायल एक जवान जीवन और मौत से संघर्ष कर रहा है। इन दोनों जांबाज सेना के जवानों की शहादत पर संपूर्ण देश ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। दोनों जांबाज सिपाहियों को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री सहित कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने इस घटना पर अपनी-अपनी संवेदनाएं प्रकट की है। वहीं देश

ने दो जवानों की शहादत को देश के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। इस घटना में गंभीर रूप से घायल एक सेनानी के लिए देशभर में दुआएं की जा रही है इस वीभत्स आतंकवादी कार्रवाई पर संपूर्ण देश आक्रोशित है । सेना के दोनों जवानों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभाएं आयोजित की जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर देश के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री को पत्र प्रेषित कर मांग किया है कि देश की आजादी के बाद से अब तक हजारों भारतीय सेना के जवान जम्मू कश्मीर की सुरक्षा में अपनी जान कुर्बान कर चुके हैं । फलस्वरुप देश की कई मांओं ने अपने बेटे, बहनों ने अपने भाइयों, अर्धांगनियों ने अपने पतियों और बच्चों ने अपने पिताओं को खोया है। यह सिलसिला अब बंद होना ही चाहिए। देश वासी चाहते हैं कि आतंकवादियों के जड़ से खात्मा के लिए भारत सरकार को भी उठ खड़े होने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं पर सिर्फ संवेदना प्रकट करने से भारत सरकार अपने दायित्व बोध से वंचित नहीं हो सकती है । देश के जिन जिन घरों से ऐसे लाल सदा सदा के लिए सबों को छोड़कर चले जाते हैं। उन सभी परिवारों की पीड़ा को भी महसूस करने की जरूरत है। भारत सरकार ऐसे परिवारों को लाखों रुपए जरूर प्रदान देती है। भारत सरकार ऐसे जवानों को शहीदी का भी दर्ज सरकार प्रदान कर देती है। लेकिन जिन परिवारों की खुशियां सदा सदा के लिए चली गई हो, क्या वह खुशी कभी लौटाई जा सकती है ? ध्यातव्य है कि भारतीय सेना के जांबाजों की इन कुर्बानियों के पीछे पाक आतंकवादियों के हाथ हैं। भारत सरकार को पाक आतंकवादियों के खिलाफ एक सुविचारित बड़ी कार्रवाई करने जरूरत है। ताकि पाक आतंकवादियों का जड़ से खात्मा हो सके। पाकिस्तान देश की आजादी के बाद से अब तक लगातार आतंकवादी कार्रवाई करता चला आ रहा है । पाकिस्तान, देश की एकता और अखंडता को भी प्रभावित करता रह रहा है। देशवासियों की सब्र की सीमा खत्म हो गई है। अब सरकार को चुप रहने की जरूरत नहीं है। एक के बाद एक पाकिस्तानी आतंकवादी, आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता चला रहा है। तब भारत को हाथ पर हाथ धरे रखना किसी भी दृष्टि में उचित नहीं है। भारत सरकार को इन जवानों की मौत को हल्के से नहीं लेना चाहिए बल्कि पाकिस्तान की आवाज में ही इसका मुंहतोड़ जवाब देना होगा। यही देशवासी चाह भी रहे हैं । भारत सरकार यह भलीभांति जानती है कि संपूर्ण विश्व पाकिस्तान द्वारा पीठ के पीछे भारत को छूरा घोपने की कार्रवाई को । भारत सरकार एक कूटनीतिक के तहत पाकिस्तान एक आतंकवादी मुल्क है, इस बात को विश्व जनमानस के बीच रखने में सफल रहा है। विश्व जनमत भी पाकिस्तानी आंतकवादी घटनाओं के विरुद्ध होता चला जा रहा है। इसलिए पाकिस्तान के खिलाफ शीघ्र अतिशीघ्र बड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। भारत सरकार पाकिस्तानी आतंकवादियों के सफाए में जितना विलंब करेगी, हमारे जवान शहीद होते रहेंगे। भारत की एक-एक जनता पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत सरकार की कड़ी कार्रवाई का इंतजार कर रही हैं। हजारीबाग के इतिहास में कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी की शव यात्रा जिस प्रकार निकली, पहली थी। शव यात्रा के समय हजारीबाग नगर की सभी दुकानें स्वस्फूर्त बंद हो गई थी। भारत माता की जय। वंदे मातरम। कैप्टेन करमरजीत अमर रहे । कैप्टेन करमजीत सिंह अमर रहे के नारो से पूरा नगर गूंजीत हो उठा था। शहीद कैप्टन करमजीत सिंह को मुखाग्नि अर्पित करने से पूर्व उसकी शादी के लिए लाए गए शेरवानी को उसके पर रख दिया गया था। उसकी शादी के अन्य परिधान भी उसके शव पर रखने के बाद ही मुखाग्नि दी गई थी। यह दृश्य कितना दारुण था। जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। अंत्येष्टि में शामिल सभी लोगों की आंखें नम हो गई थी। माता-पिता एवं अन्य रिश्तेदारों का रो-रो कर बुरा हाल था। वहीं दूसरी ओर अंत्येष्टि में शामिल सभी लोग इस बात को लेकर आक्रोशित हो रहे थे कि एक के बाद एक पाक आतंकवादी घटनाओं में देश के जवान शहीद होते चले जा रहे हैं। क्या भारतीय जवानों का जन्म शहीद होने के लिए हुआ है ? यह सवाल हर लोगों की जुबान पर था। आखिर भारत सरकार पाकिस्तानी आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ कब बड़ी कार्रवाई करेगी। ध्यातव्य है कि है पाकिस्तान पड़ोसी मुल्क होकर भी कभी भी भारत के साथ भाईचारे का रिश्ता नहीं निभाया । जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली थी । उससे एक दिन पूर्व 14 अगस्त 1947 को पाकिस्तान एक आजाद देश के रूप में अस्तित्व में आया था। जबकि भारत और पाकिस्तान के लोगों ने मिलकर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ स्वाधीनता संग्राम का संघर्ष मिलजुल कर किया था। बंटवारे के समय पाकिस्तान से वापस आने वाले ट्रेन हिंदुओं की लाशों से भरा हुआ रहता था । इस बंटवारे में 10 लाख से अधिक जानें गई थीं। इसके बावजूद भी पाकिस्तान चुप नहीं बैठा था बल्कि आजादी के तुरंत बाद जम्मू कश्मीर को हथियाने के लिए आफ़गानियों को लेकर एक युद्ध छोड़ दिया था । देश के प्रथम गृह मंत्री लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदेश पर भारतीय सेना जम्मू कश्मीर के लिए कूच कर गई थी । तब भारतीय सेना के जाबाजों ने पाकिस्तानी सेना और आफ़गानियों को खदेड़कर भगा दिया था। तब से पाकिस्तान लगातार हर दिन जम्मू कश्मीर सीमा पर कुछ न कुछ आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देता चला रहा है। जबकि भारत सरकार पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए कई बड़ी सैन्य कार्रवाइयों को अंजाम दे चुका है । इसके बावजूद पाकिस्तान चुप नहीं बैठ रहा है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी हो गया है कि आगे कैप्टन करमजीत सिंह जैसे वीर जांबाज को कुर्बानी न देना पड़े। इसलिए पाक आतंकवादियों को जड़ से समाप्त करने के लिए भारत सरकार एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करने की जरूरत है।

विजय केसरी
(कथाकार/ स्तंभकार)
पंच मंदिर चौक,
हजारीबाग - 825 301,
(झारखंड)
मोबाइल नंबर : 92347 99550.

तारापुर गोली कांड : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अविस्मरणीय बलिदान गाथा '

(कुमार कृष्णन-विनायक फीचर्स)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 15 फरवरी का दिन अविस्मरणीय है। अब यह दिन तारापुर दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज ही के दिन वर्ष 1931में मुंगेर जिले के तारापुर थाना में तिरंगा फहराते हुए स्वतंत्रता की राह में 60 क्रांतिकारी शहीद हुए थे। मुंगेर का तारापुर आजादी की लड़ाई के लिए काफी पहले से उत्साहित था। वतन परस्ती का जज्बा हर किसी दिल में धड़क रहा था। रामप्रसाद बिस्मिल के शब्दों में— 'अजल से वे डरें जीने को जो अच्छा समझते हैं। मियाँ! हम चार दिन की जिन्दगी को क्या समझते हैं?' जब हर किसी के दिल में यही जज्बा था,तो ब्रिटिश हुकूमत की नींद हराम होनी ही थी। इसकी मुख्य वजह थी कि आजादी के लिए जब भी कोई बड़ी लड़ाई हुई,उसमें यहां के लोग जी-जान से कूद पड़े। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दमन के लिए नौकरशाही को काफी जोर जुल्म का रास्ता अख्तियार करना पड़ता था। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी देने बाद पूरे देश में जनाक्रोश उभरा। यहां के जुलूस पर भी भीषण लाठी चार्ज हुआ।1931 के गांधी इर्विन समझौते को रद्द किए जाने के विरोध में कांग्रेस द्वारा सरकारी भवन से यूनियन जैक उतारकर तिरंगा फहराने के लिए पहल की गई थी।कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शार्दुल सिंह कविष्कर ने 15 फरवरी, 1932 को सभी सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया । 13 फरवरी, 1932 को सुपौर के जमुआ गाँव में इस आशय का निर्णय लिया गया और मदन गोपाल सिंह के नेतृत्व में 5 स्वयंसेवकों का धावा दल गठित किया गया।

15 फ़रवरी 1932 की दोपहर सैकड़ों आजादी के दीवाने मुंगेर जिले के तारापुर थाने पर तिरंगा लहराने निकल पड़े।उन अमर सेनानियों ने हाथों में राष्ट्रीय झंडा और होठों पर वंदे मातरम, भारत माता की जय नारों की गूंज लिए हँसते-हँसते गोलियाँ खाई थी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े गोलीकांड में देशभक्त पहले से लाठी-गोली खाने को तैयार हो कर घर से निकले थे। 50 से अधिक सपूतों की शहादत के बाद स्थानीय थाना भवन पर तिरंगा लहराया । आजादी मिलने के बाद से हर साल 15 फ़रवरी को स्थानीय जागरूक नागरिकों द्वारा तारापुर दिवस मनाया जाता है। जालियांवाला बाग से भी बड़ी घटना थी तारापुर गोलीकांड। सैकड़ों लोगों ने धावक दल को अंग्रेजों के थाने पर झंडा फहराने का जिम्मा दिया था। और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए जनता खड़ी होकर भारतमाता की जय, वंदे मातरम् आदि का जयघोष कर रही थी। भारत माँ के वीर बेटों के ऊपर अंग्रेजों के कलेक्टर ई ओली एवं एसपी डब्ल्यू फ्लैग के नेतृत्व में गोलियां दागी गयी थी। गोली चल रही थी लेकिन कोई भाग नहीं रहा था। लोग डटे हुए थे। घटना के बाद अंग्रेजों ने शहीदों के शव वाहनों में लाद कर सुलतानगंज की गंगा नदी में बहा दिये थे। शहीद सपूतों में से केवल 13 की ही पहचान हो पाई थी। ज्ञात शहीदों में चंडी महतो (चोरगांव), शीतल चमार (जलालाबाद,असरगंज), शुक्कल सोनार (तारापुर),संत पासी (तारापुर), झोंटी झा (सतखरिया),विश्वनाथ सिंह (छतहरा) सिंहेश्वर राजहंस (बिहमा),बदरी मंडल (धनपुरा), वसंत धानुक (लौढ़िया), रामेश्वर मंडल (पड़भाड़ा), गैबी सिंह (महेशपुर), अशर्फी मंडल (कष्टीकरी) तथा महिपाल सिंह (रामचुआ) थे। 31 अज्ञात शव भी मिले थे, जिनकी पहचान नहीं हो पायी थी। और कुछ शव तो गंगा की गोद में समा गए थे। इस घटना पर तत्कालीन बिहार,उड़ीसा विधान परिषद में 18 फरवरी 1932 को सच्चिदानंद सिन्हा ने अल्प सूचित प्रश्न पूछा था। मुख्य सचिव ने घटना को स्वीकार किया था। ब्रिटिश पार्लियामेंट में भारत के सचिव सर सैमुअल होर ने भी इस घटना की जानकारी दी थी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा के पृष्ठ संख्या 366 पर इस घटना का उल्लेख किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी 1942 में तारापुर की एक यात्रा में 34 शहीदों के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा था " द फेसेस आफ द डेड फ्रीडम फाइटर वेयर ब्लैकेंड इन फ्रंट आफ द रेसिडेंट आफ तारापुर।" यानी तारापुर निवासियों के सामने मृत स्वतंत्रता सेनानियों के चेहरों पर कालिख पोत दी गई। प्रख्यात लेखक मन्मथनाथ गुप्त, डीसी डिंकर, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, रामवृक्ष बेनीपुरी, रणवीर सिंह वीर, चतर्भुज सिंह भ्रमर, डॉ. देवेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक जयमंगल सिंह शास्त्री, काली किंकर दत्ता ने भी इस घटना को अपनी लेखनी में पिरोया है। चार अप्रैल 1932 को दिल्ली के अखिल भारतीय कांग्रेस महाधिवेशन में तारापुर के अमर शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई थी। 15 फरवरी को संपूर्ण देश में तारापुर दिवस प्रतिवर्ष मनाने का निर्णय लिया गया। तारापुर शहीद दिवस मनाने का सिलसिला 1947 तक जारी रहा। लेकिन आजादी के बाद इसे भुला दिया गया। इतिहासकार डी सी डीन्कर ने अपनी किताब " स्वतंत्रता संग्राम में अछूतों का योगदान " में भी तारापुर की इस घटना का जिक्र करते हुए विशेष रूप से संता पासी के योगदान का उल्लेख किया है। तारापुर गोलीकांड में 75 राउंड गोलियां चलाई गई थी। शहीदों के नाम से यह स्पष्ट है कि सभी जाति-वर्ग के लोगों ने मिलकर अपने खून से आजादी लिखी है। खौजरी पहाड़ में तारापुर थाना पर झंडा फहराने की योजना बनी थी। खौजरी पहाड़, मंदार, बाराहाट और ढोलपहाड़ी तो जैसे क्रांतिकारियों की सुरक्षा के लिए ही बने थे। प्रसिद्ध क्रान्तिकारी सियाराम-ब्रह्मचारी दल भी इन्हीं पहाड़ों में बैठकर आजादी के सपने देखा करते थे। थाना बिहपुर से लेकर गंगा के इस पार बांका-देवघर के जंगलों-पहाड़ों तक क्रांतिकारियों का असर बहुत अधिक हुआ करता था। मातृभूमि की रक्षा के लिए जान लेने वाले और जान देने वाले दोनों तरह के सेनानियों ने अंग्रेज सरकार की नाक में दम कर रखा था। तारापुर के सक्रिय समाजसेवी चंदर सिंह राकेश के अनुसार—' अमर शहीदों की स्मृति में तारापुर थाने के सामने शहीद स्मारक भवन का निर्माण 1984 में पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर सिंह ने करवाया था। तारापुर के प्रथम विधायक बासुकीनाथ राय, नंदकुमार सिंह ,जयमंगल सिंह,हित्लाल राजहंस आदि के प्रयास से शहीद स्मारक के नाम पर एक छोटा सा मकान खड़ा हो गया।'मुंगेर के तत्कालीन आरक्षी अधीक्षक ध्रुव नारायण गुप्ता की पहल पर 15 फरवरी 1932 को शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों की याद में मुख्य तिराहे पर उनकी प्रतिमा स्थापित कराने का निर्णय लिया गया था। मामला इतना लोकप्रिय हुआ कि बिहार सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, स्वास्थ्य मंत्री सह स्थानीय विधायक शकुनी चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री शिवानंद तिवारी द्वारा प्रतिमा स्थापना की घोषणा सरकारी पैसे से की गयी और विधिवत शिलान्यास भी कराया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 जनवरी 2021 को मन की बात कार्यक्रम में इन आजादी के नायकों की चर्चा की। "15 फरवरी 1932 को, देशभक्तों की एक टोली के कई वीर नौजवानों की अंग्रेजों ने बड़ी ही निर्ममता से हत्या कर दी थी। उनका एकमात्र अपराध यह था कि वे 'वंदे मातरम' और 'भारत मां की जय' के नारे लगा रहे थे। मैं उन शहीदों को नमन करता हूं और उनके साहस का श्रद्धापूर्वक स्मरण करता हूं।" 15 फरवरी, 2022 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शहीद स्मारक तारापुर, मुंगेर में शहीदों की मूर्ति का अनावरण किया तथा शहीद पार्क एवं पुराने थाना परिसर में पार्क विकास कार्य का भी लोकार्पण किया। देश की स्वतंत्रता के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले इन वीरों के लिए अब तो बस यही कहा जा सकता है कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा।(विनायक फीचर्स)

नाग वासुकी जिनके दर्शन के बिना अधूरी होती है प्रयागराज की यात्रा

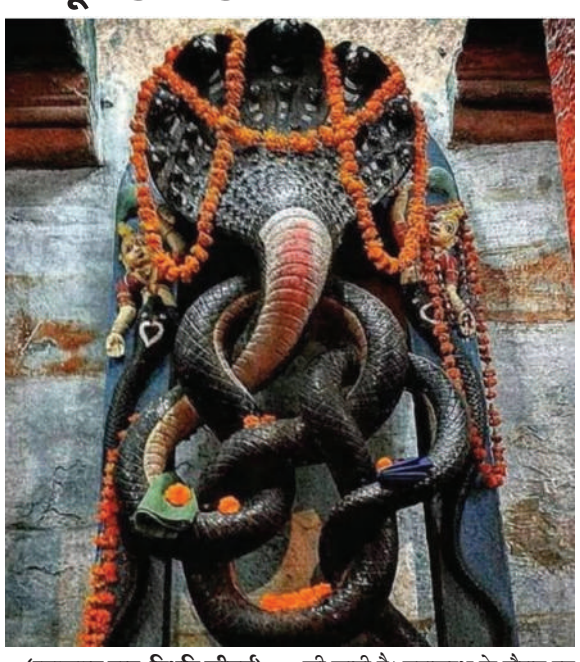

(रमाकान्त पन्त-विभूति फीचर्स)

महातीर्थ प्रयागराज में स्थित नागवासुकी देवता का मन्दिर श्रद्धा का परम केन्द्र है। प्रतिवर्ष लाखों भक्तजन यहाँ पहुंचकर नाग देवता का पूजन करते है। प्रयागराज की धरती पर माँ गंगा के आंचल में स्थित यह मन्दिर प्रयागराज के संगम तट से उत्तर दिशा में दारागंज के उत्तरी छोर पर स्थित है। पौराणिक गाथाओं को अपने आप में समेटे इस मन्दिर की भव्यता बेहद मनमोहक है। माना जाता है कि यहाँ नागवासुकी देवता साक्षात् विराजमान है और प्रयागराज यात्रा का फल इनके दर्शन के बाद ही पूर्ण माना जाता है। नागदेवता के इस मन्दिर के बारे में अनेक कथायें वर्णित है। दंत कथाओं में भी इनका वर्णन भक्तजन बड़े श्रद्धा भाव से करते है। मान्यता है कि इस स्थान पर नागों के राजा वासुकी विश्राम करते है । समुद्र मंथन के समय समुद्र का मंथन सुमेरु पर्वत पर इन्हें लपेटकर किया गया था। देवताओं व दैत्यों ने इन्हें अलग- अलग हिस्से से पकड़कर समुद्र को मथा था, जिसके फलस्वरूप समुद्र से अनेक रत्नों सहित अमृत की प्राप्ति हुई थी। इस मंथन में मंथन की गति से घायल नागराज ने माँ गंगा में डुबकी लगाकर अपनी पीड़ा से शान्ति पायी और प्रयागराज की इस नगरी को भगवान विष्णु के कहने पर अपना बसेरा बनाया। कहा जाता है कि जब मुगल बादशाह औरंगजेब भारत में मंदिरों को तोड़ रहा था, तो वह अति चर्चित नागवासुकी मंदिर को खुद तोड़ने पहुंचा था। जैसे ही उसने मूर्ति पर भाला चलाया, तो अचानक दूध की धार निकली और उसके चेहरे के ऊपर पड़ने लगी। इस दुग्ध धारा का वेग इतना प्रबल था कि औरंगज़ेब वहीं बेहोश हो गया। नागपंचमी, श्रावण मास व शिवरात्रि सहित तमाम पर्वो पर यहाँ विशेष रौनक छायी रहती है। इनके दर्शन का फल बड़ा अभीष्ट माना गया है । कालसर्प दोष का निवारण यहाँ के दर्शन मात्र से हो जाता है। संकट निवारण व भयानक बाधाओं से मुक्ति के लिए भी इनकी पूजा की जाती है। महाकुम्भ के दौरान इन दिनों लाखों करोड़ों भक्तजन यहाँ दर्शनों को पहुंच रहे है। सनातन धर्म में वासुकी नाग को भगवान शिव के गले का हार भी माना जाता है । शेषनाग के भाई के रूप में भी इन्हें पूजा जाता है। ये अलौकिक सिद्धियों के स्वामी कहे जाते है। कहा जाता है कि जब भगवान श्री कृष्ण को वासुदेव डलिया में रखकर यमुना पार कर रहे थे तो वासुकी ने ही यमुना के प्रचंड जलावेग से उनकी रक्षा की। भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार की महिमा में भी वासुकीनाग की गाथाएं कही जाती हैं। वासुकी नाग देवता के बारे में यह भी वर्णन मिलता है ये महर्षि कश्यप के पुत्र थे। इनका जन्म माता कद्रु के गर्भ से हुआ था। इनकी पत्नी का नाम शतशीर्षा है। इनके पुत्र आस्तीक भी परम प्रतापी नाग देवताओं में एक है जिन्होंने जनमेजय के नागयज्ञ के समय नागों की रक्षा की थी। पाँच फन वाले वासुकी देवता के भारत भूमि में अनेक मन्दिर है जिनमें प्रयागराज के मन्दिर का विशेष महत्व है। इनके मन्त्र का जाप सुरक्षा एवं शक्ति का प्रतीक माना गया है जो इस प्रकार है - ' तन्नो वासुक प्रचोदयात ओ सर्प राजय विद्यहे, पद्म हस्तय धीमहि तन्नो वासुकी प्रचोदयात नौ नागों के स्मरण में भी इनकी स्तुति की जाती है। अनंत नाग, वासुकि नाग, शेषनाग, पद्मनाभ नाग, कंबल नाग, शंखपाल नाग, धार्तराष्ट्र नाग, तक्षक नाग और कालिया नाग इन नौ नागों के नामों में भी इनकी वंदना है। प्रयागराज में स्थित वासुकी नाग देवता का भवन बड़ा ही भव्य है। मन्दिर की बनावट प्राचीन शैली का शानदार रूप है। गर्भगृह में विराजमान इनकी मूर्ति के दर्शन महापातकों के नाश करते है। गर्भगृह में भगवान वासुकी की काले पत्थर की मूर्ति है,जिनके पाँच फन और चार कुंडल हैं। मंदिर में भगवान शिव, भगवान गणेश, माता पार्वती और गंगा पुत्र भीष्म पितामह सहित अनेक देवी देवताओं के विग्रह सुशोभित हैं। (विभूति फीचर्स)

मुस्लिम मत भाजपा की ओर

अवधेश कुमार

भाजपा जब भी कोई चुनाव जीती है मुस्लिम मतों को लेकर विश्लेषण सामने आते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के साथ टीवी चैनलों से लेकर समाचार पत्रों, वेबसाइटों, यूट्यूब चैनलों पर ऐसी ध्वनियां निकल रही है कि मुसलमानों के एक बड़े वर्ग ने उसके पक्ष में मतदान किया। क्या वाकई ऐसा हुआ है? इमामों का एक संगठन चलाने वाले मौलाना ने मतदान के बाद वीडियो जारी करते हुए कहा कि मैंने भाजपा को मत दिया है। वे टीवी चैनलों पर दिखते हैं इसलिए उनका चेहरा मोटा-मोटी पहचाना है और भाजपा एवं संघ के विरुद्ध उनकी कट्टरता भी सब सामने है। उन्होंने कहा कि मैंने वोट इसलिए दिया क्योंकि कहा जाता है कि मुसलमान एकजुट होकर भाजपा के विरु द्ध मतदान करते हैं। इस धारणा को तोडने के लिए मैंने वोट दिया। उन्होंने दूसरा कारण आप के द्वारा मुसलमानों के खिलाफ आचरण को बताया। दरअसल, दिल्ली में केजरीवाल द्वारा घोषित इमामों का वेतन चुनाव तक 18 महीना से नहीं मिला था। इनका संगठन उसके लिए धरना प्रदर्शन कर रहा था, जिसका संज्ञान तक केजरीवाल और उनके साथियों ने नहीं लिया। क्या उनके अलावा किसी अन्य बड़े मुस्लिम चेहरे ने सामने आकर परिणाम के पहले घोषित किया कि उन्होंने भाजपा को मत दिया है? भाजपा की जीत के बाद लोग टीवी कैमरों के सामने आए और कह दिया कि हम नरेन्द्र मोदी जी और योगी जी अच्छा शासन चला रहे हैं, इसलिए समर्थन दिया है। दरअसल, मुस्लिम प्रभाव वाले मुस्तफाबाद और जंगपुरा सीट पर भाजपा की विजय के बाद से यह ध्वनि ज्यादा गुंजित हुई है। ये दोनों क्षेत्र मुस्लिम प्रभाव वाले हैं। अभी तक धारणा थी कि बगैर उनके समर्थन के कोई उम्मीदवार चुनाव जीत नहीं सकता। दिल्ली में 11-12 ऐसे क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता निर्णायक माने जाते हैं। इसके अलावा भी 7-8 क्षेत्रों में मुसलमानों का प्रभाव है। इनमें चार सीटें भाजपा ने जीती हैं। किंतु इसके अलावा ये सारी सीटें एकपक्षीय आप को गई है। पहले मुस्तफाबाद को देखें। मुस्तफाबाद में भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट ने आप के आदिल अहमद खान को 17 हजार 578 वोटों से हराया। यहां एआईएमआईएम के उम्मीदवार और 2020 दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को 33 हजार 474 वोट मिला और कांग्रेस के अली मेहंदी को केवल 11 हजार 763। ताहिर हुसैन ने जब कहा कि आपकी लड़ाई हमने लड़ी और आपके कारण जेल में हैं तो मुसलमानों के एक बड़े वर्ग की सहानुभूति मिली। ताहिर हुसैन को इतना वोट नहीं मिलता तो बिष्ट नहीं जीत पाते। आप सोचिए, कांग्रेस के उम्मीदवार को इतना कम मत मिला। जंगपुरा में तरविंदर सिंह मारवाह किसी तरह 675 मतों से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को हरा पाए। मुस्लिम मतदाताओं ने तरविंदर के पक्ष में मतदान किया होता तो जीत का अंतर ज्यादा होता। उनकी और पारिवार कि पृष्ठभूमि कांग्रेस की है। इस कारण मुस्लिम वोट उनको मिलता रहा है। इस बार आंकड़े ऐसा नहीं बताते। कांग्रेस के मुस्लिम मत काटने का उनको लाभ मिला। ईमानदारी से विश्लेषण किया जाए तो साफ दिखाई देगा कि 2020 के दंगों में मुस्लिम नेताओं की भूमिका देखने के बाद गैर मुसलमानों के बीच

थोड़ी एकजुटता हुई। दूसरे, पिछले लोक सभा चुनाव एवं महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनाव में राजनीतिक, मजहबी मुस्लिम नेताओं, शीर्ष मुस्लिम व्यक्तियों के द्वारा वोट को इस्लाम और दीन का विषय बनाने तथा भाजपा के विरुद्ध मतदान करने के फतवे आदि के कारण एकजुटता का सुदृढ़ीकरण हुआ है। केजरीवाल इसे भांपते हुए ही हिन्दुत्व पर मुखर हुए तथा पुजारियों और ग्रंथियों तक को 18 हजार रुपये वेतन देने की घोषणा की। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाया तथा भाजपा की ही तरह भारत को विश्व गुरु एवं महाशक्ति बनाने के लिए भाजपा को हराने का हवन कर दिया। इस कारण हिन्दुत्व के मुद्दे पर वैसी क्षति नहीं हुई जैसी इंडिया गठबंधन के अन्य दलों को हो रही है। दिल्ली में सबसे बड़ी दो जीत आप को मिली और वह मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्र में ही। आप प्रत्याशी आले मुहम्मद इकबाल को मटियामहल से 42 हजार 724 वोट के अंतर से सबसे बड़ी जीत हासिल हुई। सीलमपुर से आप के चौधरी जुबैर अहमद 42 हजार 477 मतों से जीते जो दूसरी बड़ी जीत है। इससे पता चलता है कि मुस्लिम वोटो का रु ख क्या रहा? मटियामहल से आले मुहम्मद ने भाजपा की दीप्ति इंदौर को हराया। आले को 58 हजार 120 और दिप्ती को केवल 15 हजार 396 मत मिला। यहां कांग्रेस के असीम अहमद को केवल 10 हजार 295 मत मिला। सीलमपुर में चौधरी जुबैर को 79 हजार 09 और भाजपा के अनिल शर्मा को 36 हजार 532 मत मिले और कांग्रेस के अब्दुल रहमान 16 हजार 551 तक सिमट गए। चांदनी चौक के 10 विधानसभा सीटों में चार मुस्लिम बहुल हैं। चारों में एक भी भाजपा नहीं जीत सकी। बल्लीमारान में भाजपा के पाषर्द कमल बागड़ी को केवल 27 हजार 181 और दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख मुस्लिम चेहरे और जाने-माने नेता हारून यूसुफ भी 13 हजार 569 मत पा सके जबकि आप के इमरान हुसैन को 57 हजार 04 मत मिला। सदर बाजार में आप के सोमदत्त को 56 हजार 177 वोट मिला और उन्होंने भाजपा के मनोज कुमार जिंदल को 6307 वोट से हराया। यह भी मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्र है, लेकिन यहां हिन्दुओं और गैर मुसलमानों की भी बड़ी आबादी है। इस कारण मनोज जिंदल ने 49 हजार 870 मत पाया और कांग्रेस के अनिल भारद्वाज को 10 हजार 057 ही मिला। इस तरह मतों के आंकड़ों का विश्लेषण करेंगे तो कहीं नहीं दिखेगा कि मुस्लिम मत भाजपा की ओर गया। भाजपा के सदस्य तथा एक दो प्रतिशत कहीं मतदान कर दें तो अलग बात है, अन्यथा मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति भाजपा को हराने की ही रही। दरअसल, अलग-अलग मुस्लिम संगठनों, इमामों , मौलवियों, मुल्लाओं, मुस्लिम बुद्धिजीवियों, एक्टिविस्टों आदि प्रमुख चेहरों ने हिन्दुत्व विचारधारा के साथ भाजपा की इस्लाम विरोधी, दीन विरोधी छवि बना दिया है। इस कारण उनका वोट मिलना तत्काल मुश्किल है। भविष्य के बारे में फिलहाल कुछ कहना कठिन है।

फाल्गुन माह के दौरान कितने, कहां और कौन से दीये जलाने चाहिए?

माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को पड़ रही है और इसी के साथ माघ माह का समापन हो जाएगा। वहीं, 13 फरवरी, दिन गुरुवार से फाल्गुन माह का आरंभ होगा। फाल्गुन माह में महाशिवरात्रि और होली जैसे बड़े पर्व आते हैं। इसके अलावा, इस माह में विजय दिलाने वाली विजया एकादशी भी आती है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि इस माह में रोजाना भगवान शिव, भगवान विष्णु, श्री राधा-कृष्ण की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, रोजाना दीये जलाने चाहिए क्योंकि इससे कई लाभ मिलते हैं। आइये जानते हैं कि फाल्गुन माह के दौरान कितने, कहां और कौन से दीये जलाने चाहिए।

फाल्गुन माह में कितने दीये जलाने चाहिए?

फाल्गुन माह में रोजाना 5 दीये जलाने चाहिए। एक दीया भगवान शिव शंभू के नाम का, दूसरा दीया भगवान विष्णु के नाम का, तीसरा दीया राधा रानी और श्री कृष्ण के नाम का, चौथा दीया दिशाओं के नाम का और पांचवा दीया ग्रहों के नाम का। अगर आप 5 दीये रोजाना नहीं जला सकते हैं तो 1 दीपक भी जला सकते हैं लेकिन आटे का। बस इस एक दीये को जलाते समय सभी का ध्यान कर लें।

फाल्गुन माह में कहां दीये जलाने चाहिए?

फाल्गुन माह के दौरान अगर आप 5 दीये जला रहे हैं तो 5 अलग-अलग दिशाओं या स्थानों पर जलाएं। वहीं, अगर आप एक दीया जला रहे हैं तो एक ही दिशा सक्षम है। 5 दीयों के लिए 5 दिशाएं हैं- घर का मुख्य द्वार, घर की पूर्व दिशा, घर की रसोई, घर की छत, घर में रखे तुलसी के पौधे के पास आदि। एक दीया जला रहे हैं तो मात्र पूर्व दिशा में ही दीपक प्रज्वलित करें और शुभता पाएं।

फाल्गुन माह में कौन से दीये जलाने चाहिए?

फाल्गुन माह के दौरान मिट्टी के दीये जलाएं क्योंकि मिट्टी के दीये जलाने से घर में भू तत्व का संचार होता है और प्रकृति की शुभता भी प्राप्त होती है। अगर मिटटी के दीये नहीं हैं तो 5 पीतल के दीये भी जला सकते हैं। यहां तक कि आप उन दीयों का इस्तेमाल दुबारा से भी कर सकते हैं, लेकिन मिट्टी के दीयों में अगले दिन दोबारा से दीये न जलाएं। इससे दोष उत्पन्न होगा और ग्रह शांत होंगे।

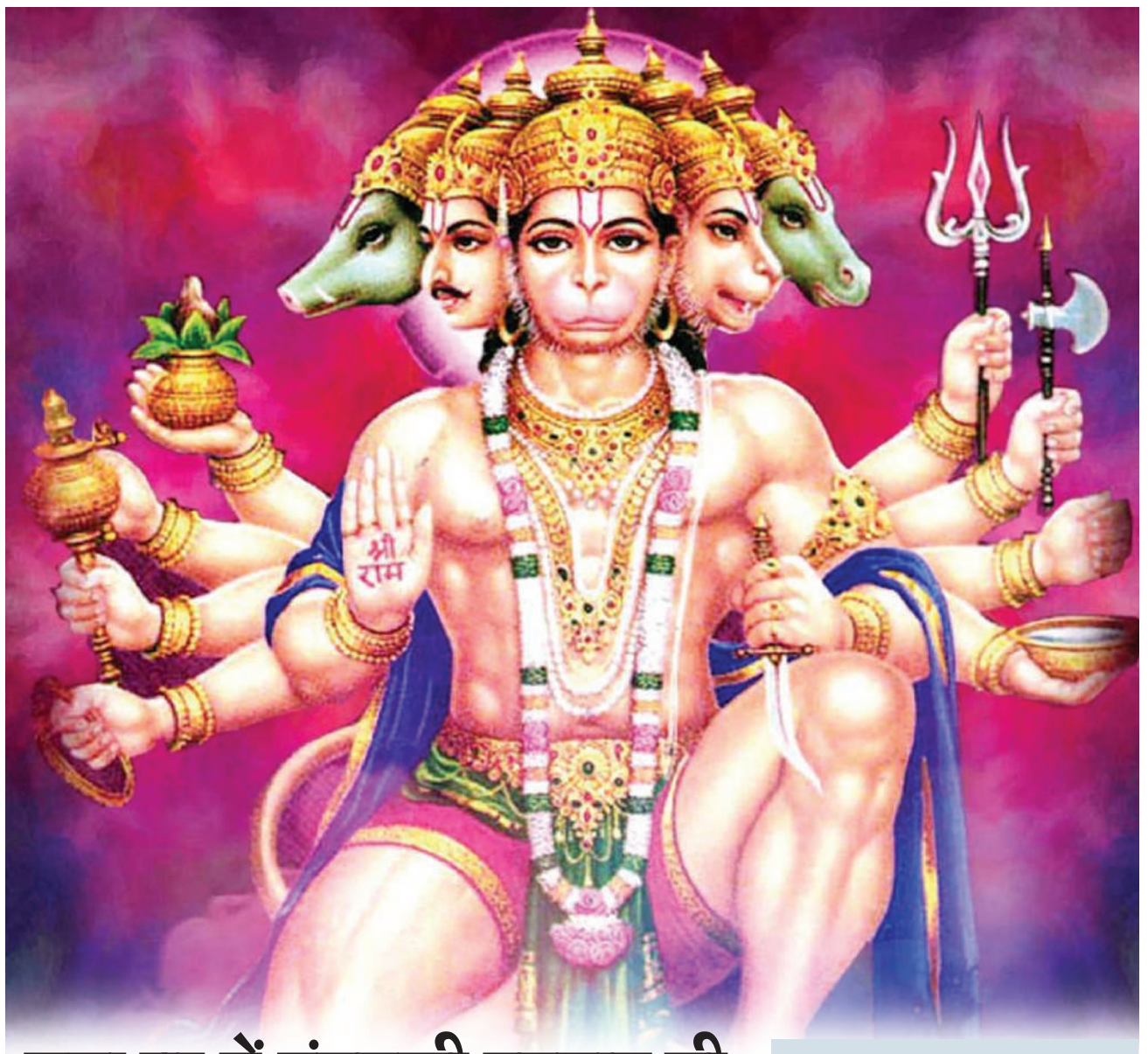

क्या घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखना ठीक है? जानें ज्योतिष के नियम

पंचमुखी हनुमान जी को हिंदू धर्म में शक्ति, साहस और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा का प्रतीक माना जाता हैं। उनकी पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय मानी जाती है। पंचमुखी हनुमान जी से पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं, लेकिन क्या इसे घर में रखना उचित है? यह सवाल कई लोगों के मन में जरूर उठता है क्योंकि इनके पांच स्वरुप उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान जी हैं। ऐसे में ये सभी देवता अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधि करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस मूर्ति का उचित तरीके से पूजन व सम्मान न कर सकें तो आपको इसके भूलकर भी पाने घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है, जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं है। हनुमान जी का यह स्वरूप आमतौर पर पूजा स्थलों और मंदिरों के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसकी उग्र ऊर्जा को संभालने के लिए विशेष पूजा-अर्चना और नियमों का पालन करना आवश्यक होता है।

पंचमुखी हनुमान जी का महत्व

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग दिशाओं और तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मूर्ति में पूर्व दिशा की तरफ हनुमान ही का मूल स्वरुप दिखाई देता है। जो भक्तों को आत्म-शक्ति और साहस प्रदान करता है। मूर्ति का दक्षिण मुख जो नरसिंह स्वरुप है यह मुख भय और शत्रु विनाश का प्रतीक होता है। पश्चिम मुख जो गरुड़ देव को दिखाता है सभी प्रकार के नाग दोष और विष से हमारी रक्षा करता है। उत्तर दिशा की तरफ का मुख वराह रूप होता है जो धन और समृद्धि का प्रतीक होता है। ऊपर का मुख हयग्रीव रूप होता है जो ज्ञान और विजय का प्रतीक होता है। इन सभी स्वरूपों को एक मूर्ति में ढालकर पंचमुखी हनुमान जी बनते हैं जो अत्यंत शक्तिशाली माने जाते हैं।

घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर क्यों नहीं रखनी चाहिए?

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक उग्र और शक्तिशाली है। उनकी ऊर्जा इतनी प्रबल होती है कि इसे नियंत्रित करना आसान नहीं होता है। इस मूर्ति को घर में गलत स्थान पर रखने से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से उस स्थान की ऊर्जा बहुत ज्यादा सक्रिय हो सकती है जो ऊर्जा के असंतुलन का कारण बन सकती है। यह ऊर्जा कभी-कभी घर के सदस्यों के लिए असुविधाजनक और तनावपूर्ण हो सकती है। इस ऊर्जा के सकारात्मक की जगह कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जिससे लोगों के बीच आपसी झगड़े बढ़ सकते हैं और अशांति का वातावरण पैदा हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर उग्रता का प्रतीक

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से वहां का माहौल उग्र और अशांत हो सकता है, खासकर यदि उनकी पूजा विधिवत न की जाए। दरअसल इस मूर्ति की पूजा करना आसान नहीं होता है, बल्कि इसके कुछ विशेष नियम होते हैं और उनका पालन सब लोग नहीं कर पाते हैं। यदि उनकी पूजा में कोई त्रुटि होती है तो उसके जीवन में नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान होना जरूरी

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने से पहले उचित स्थान और दिशा का चयन करना अनिवार्य है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, गलत दिशा या स्थान पर इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा की बजाय वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। अक्सर देखा गया है कि लोग इसे बिना सोचे-समझे घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। हालांकि, यह स्थान पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता, क्योंकि ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही उपयोग नहीं हो पाता और अनजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है। इस स्वरूप को घर में रखने का उद्देश्य बुरी शक्तियों से बचाव और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है, लेकिन यदि इसे नियमों के अनुसार न रखा जाए तो इसके विपरीत परिणाम हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति कहां रखनी चाहिए

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मुख्य रूप से मंदिरों में की जाती है, जहां उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है। अत: यह मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा विकल्प होता है, जिससे उनकी पूजा नियम से की जा सके। व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है और यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करती है।

फाल्गुन माह में करें गीता के इस एक श्लोक का जाप, मिल सकते हैं ये लाभ

फाल्गुन माह आरंभ हो चुका है और इस माह में भगवान शिव, भगवान विष्णु और राधा-कृष्ण की पूजा का विशेष विधान है। मान्यता है कि फाल्गुन माह में कोई भी किया गया धार्मिक कार्य 100 गुना होकर वापस मिलता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि फाल्गुन माह में भगवद गीता के एक श्लोक का निरंतर रोजाना जाप करने से कई लाभ प्राप्त होते हैं। फाल्गुन माह में करें भगवद गीता के इस श्लोक का जाप भगवद गीता में एक श्लोक वर्णित है- अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाह परयुपासते। इस श्लोक का अर्थ है- जो लोग मुझे केवल अपने हृदय में सोचते हैं और मेरी पूजा करते हैं, मैं उन्हें सभी परेशानियों से मुक्त करता हूं।

इस श्लोक में भक्ति योग का अद्भुत संदेश है। इसमें भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि जो भक्त बिना किसी भेदभाव के केवल उनका ध्यान करते हैं, भगवान उन्हें अपनी कृपा से हर मुश्किल से उबार ही लाते हैं।

फाल्गुन माह में रोजाना इस श्लोक का जाप करने से भगवान श्री कृष्ण की विशेष कृपा होती है। इस श्लोक के जाप से व्यक्ति में भक्ति का संचार होता है और वह आध्यात्म की ओर बढ़ता है। इस श्लोक के फाल्गु माह में रोजाना जाप से आत्मा की शुद्धि होती है और आत्मिक उन्नति की दिशा में व्यक्ति का मार्गदर्शन होता है। आपका मन शांत होता है और भगवान से आपका जुड़ाव बढ़ता है।

इस श्लोक का जाप सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करता है। फाल्गुन माह में यह ऊर्जा विशेष रूप से शक्तिशाली होती है, और यह आपके जीवन में अच्छे परिवर्तन और मानसिक शांति लाती है।

जब आप इस श्लोक का जाप करते हैं, तो आपका मन केवल भगवान श्री कृष्ण के ध्यान में रम जाता है। इससे नकारात्मक विचार आपको प्रभावित नहीं कर पाते हैं और विचारों में स्थिरता बनी रहती है।

फाल्गुन माह में इस श्लोक का जाप करने से व्यक्ति के संसारिक कष्टों में कमी आती है। यह श्लोक उन समस्याओं से मुक्ति दिलाता है, जो जीवन में विघ्न उत्पन्न करती हैं, चाहे वे आर्थिक हों, पारिवारिक हों या मानसिक। इस श्लोक के माध्यम से भक्ति और समर्पण की भावना मजबूत होती है। भगवान श्री कृष्ण के प्रति निस्वार्थ प्रेम और विश्वास बढ़ता है, जिससे जीवन में शुभ फल प्राप्त होते हैं। इस श्लोक के जाप से संतान सुख प्राप्त होता है।

भगवान राम की तरह श्री कृष्ण के आगे क्यों नहीं लगता मर्यादा पुरुषोत्तम?

भगवान विष्णु के एक अवतार थे श्री राम जो त्रेता युग में जन्में थे वहीं, दूसरे अवतार थे भगवान श्री कृष्ण जो द्वापरयुग में अवतरित हुए थे। दोनों ही भगवान विष्णु के अवतार और दोनों में ही समान दिव्यता एवं समान शक्ति फिर आखिर क्यों श्री राम के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम लगाया जाता है, लेकिन श्री कृष्ण को मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं कहा जाता है।

श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, लेकिन श्री कृष्ण को छलिया या रणछोड़ के नाम से जाना जाता है। इसके पीछे दो कारण हैं- पहला कारण तो धार्मिक दृष्टि से है वहीं, दूसरा कारण सामाजिक शिक्षा के रूप में है जिसे स्वयं श्री कृष्ण ने दिया था। धर्म ग्रंथों में बताया गया है कि श्री राम ने अपने काल में हर परिस्थिति में मर्यादा का अनुसरण किया था। ताड़का वध से लेकर रावण वध तक वनवास के दौरान कठिन परिस्थियों में रहते हुए और यहां तक कि राम राज्य के समय में भी मर्यादा नहीं छोड़ी।

श्री राम ने मर्यादा के चलते ही माता कैकेयी के कहने पर 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया। मर्यादा को निभाने के उद्देश्य से ही युद्ध में विजय होने से पहले ही श्री राम ने विभीषण को लंका का राजा बना दिया था। मर्यादा पालन करते हुए एक पत्नी धर्म पर चले।

वहीं, इसके विपरीत दानवों और राक्षसों का अंत करने के लिए श्री कृष्ण ने कई बार मर्यादा का उलंघन किया। श्री कृष्ण ने कालयवन राक्षस को छल से गुफा में ले जाकर ऋषि के माध्यम से मृत्यु के घाट उतारा, जरासंध को भीम के हाथों छल से मरवाया।

श्री कृष्ण ने कूटनीति के चलते महाभारत युद्ध में भी कई बार छल का प्रयोग करते हुए कौरवों का विनाश सुनिश्चित किया। श्री कृष्ण ने समाज की कुरीतियों का खंडन करते हुए बिना विवाह के राक्षस के चंगुल से छूटी सभी कन्याओं को आदर सहित अपने महल में स्थान दिया।

ऐसे में इन सब घटनाओं और श्री कृष्ण एवं श्री राम की लीलाओं में अंतर को देखते हुए श्री कृष्ण को मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं कहा जाता है। वहीं, इसके पीछे की सामाजिक शिक्षा यह है की समय काल के अनुसार व्यक्ति को अपनी नीतियों में परिवर्तन करना आवश्यक है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी: शिखर धवन को नियुक्त किया ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के चार इवेंट एंबेसडर में से एक के रूप में नामित किया गया है। धवन के अलावा पाकिस्तान के 2017 के विजेता कप्तान सरफराज अहमद, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी भी इस सूची में शामिल हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होने वाली है, और इसके कुछ मुकाबले पाकिस्तान में तो कुछ दुबई में खेले जाएंगे। शिखर धवन, जिन्होंने 2013 में भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे, ने आईसीसी की एक विज्ञप्ति में कहा, चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा बनना एक विशेष एहसास है और एक ब्रांड एम्बेसडर के रूप में आगामी सत्र का आनंद लेने का अवसर मिलना एक सम्मान की बात है। उन्होंने आगे कहा, "अगले कुछ हफ्तों में हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को आपस में प्रतिस्पर्धा करते हुए देखेंगे, जहां एक गलती या हार उनके सभी प्रयासों को समाप्त कर सकती

है। यह एक ऐसी प्रतियोगिता है जिसमें सब कुछ दांव पर लगा होता है और यही इसे इतना रोमांचक बनाता है।" धवन चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। इस टूर्नामेंट में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में दो सत्रों में 701 रन बनाकर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत की है।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम: गुकेश ने ड्रा खेला, कार्लसन और नाकामुरा की शानदार जीत

हैम्बर्ग। भारत के डी. गुकेश ने निराशाजनक स्थिति से वापसी करते हुए फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के अंतिम दौर के पहले गेम में फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोज़ा के खिलाफ ड्रॉ खेला। अंतिम-आठ क्वालीफायर में सातवें स्थान के लिए संघर्ष कर रहे गुकेश ने पूरे गेम में बचाव किया और एक लंबे एंडगेम के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रहे। स्थानीय खिलाड़ी विंसेंट कीमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हराकर 1-0 की बढ़त बना ली है। अब कारुआना के पास बराबरी लाने का मौका होगा, जिसके लिए उन्हें टाईब्रेकर की जरूरत पड़ेगी। दूसरी ओर, नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के जाइंट किलर जावोखिर सिंदारोव को मात देकर सेमीफाइनल में कीमर के खिलाफ अपनी हार को भुला दिया। 750,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में अब कार्लसन तीसरे स्थान के लिए प्ले-ऑफ खेलेंगे, जहां वे जीत के प्रबल दावेदार हैं। अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने भी काले मोहरों से जीत दर्ज की। उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव के खिलाफ मुकाबले में बाजी पलट दी, जब स्थिति उनके पक्ष में

नहीं लग रही थी। अब्दुस्सत्तोरोव ने छोटे टुकड़ों के खेल में जटिलताएं बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन इसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में भुगतना पड़ा।

परिणाम:

विंसेंट कीमर (जर्मनी) ने फैबियानो कारुआना (यूएसए) को हराया।

नोदिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव (उज्बेकिस्तान) हिकारू नाकामुरा (यूएसए) से हार गए।

अलीरेज़ा फ़िरोज़ा (फ्रांस) और डी. गुकेश (भारत) का मुकाबला ड्रॉ रहा।

जावोखिर सिंदारोव (उज्बेकिस्तान) मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) से हार गए।

टूर्नामेंट के अगले दौर में रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है, जहां खिलाड़ी अंतिम जीत के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे।

श्रेयस चैंपियंस ट्रॉफी में अहम भूमिका निभाएंगे : गंभीर

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि श्रेयस अय्यर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अहम भूमिका निभाएंगे। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसय सीरीज में श्रेयस की उपेक्षा नहीं हुई है। श्रेयस ने नागपुर एकदिवसीय में 36 गेंद में 59 रन की आक्रामक पारी खेली थी। उन्होंने अगले दो मैच में 44 और 78 रन बनाए। पहले मैच के बाद अय्यर ने कहा था कि उन्हें टीम में इसलिए जगह मिली थी क्योंकि विराट घुटने में दर्द के कारण मैच से बाहर हो गए। सीरीज के गंभीर ने कहा, ' सीरीज के दौरान उन्हें बाहर बैठाने की योजना नहीं थी। हम पहले मैच में यशस्वी जायसवाल को अवसर देना चाहते थे और देखना चाहते थे कि वह क्या कर सकते हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में वह बहुत अच्छी फॉर्म में थे। अय्यर को आखिरकार जायसवाल पर वरीयता देते हुए टीम के लिए अहम खिलाड़ी

बताया है। गंभीर ने कहा, 'मुझे पता है कि आप यशस्वी) को एक पारी से नहीं आंक सकते पर हम हमेशा से जानते थे कि श्रेयस हमारे लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी होने जा रहे हैं। कभी-कभी जब आपके पास केवल तीन मैच होते हैं तो आप सभी खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी जिसमें भारत का पहला मुकाबला 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से होगा। गंभीर का मानना है कि अगर कोई बाहर होता है तो किसी अन्य के लिए सुनहरा मौका बनता है। उन्हें उम्मीद है कि हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ी मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह के बाहर रहने के अवसर का लाभ उठाते हुए बेहतर प्रदर्शन करेंगे। गंभीर ने कहा, 'किसी का अवसर चूकना किसी और के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। खेल में ऐसा ही होता है। उम्मीद है कि ये खिलाड़ी राणा, अर्शदीप और मोहम्मद शमी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टीम के लिए काम करेंगे। गंभीर ने कहा, 'मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने कुछ अच्छे संकेत दिए हैं। हर्षित और अर्शदीप ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। आपको जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज की हमेशा कमी खलेगी। लेकिन फिर मोहम्मद शमी जैसे किसी खिलाड़ी का अपने अनुभव और गुणवत्ता के साथ वापस आना हमेशा अच्छा होता है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे आजम

प्रशंसकों से बोले , मैं किंग नहीं

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले हुई त्रिकोणीय सीरीज में अब तक वह विफल रहे हैं। आजम वैसे तो नंबर तीन पर उतरते हैं पर उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर जमा के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा जा सकता है। इसलिए त्रिकोणीय सीरीज में उन्हें पारी की शुरुआत मिला पर वह शुरुआत दोनो ही मैचों में रन बनाने में विफल रहे हैं। वहीं अब आजम ने प्रशंसकों से कहा है कि उन्हें किंग जैसे नामों से संबोधित नहीं किया जाये। गौरततब है कि पाक में आजम की तुलना विराट कोहली से होती रही है। विराट को जिस प्रकार से किंग कहा जाता है, वैसे ही आजम को भी लोग किंग नाम से बुलाने लगे हैं जिसपर उन्होंनें नाराजगी जतायी है। जिस तरह से भारत में विराट कोहली को किंग कहा जाता है वसी तर्ज पर

पाकिस्तान में भी बाबर आजम को भी किंग कहा जाता है। आजम का कहना है कि वह किंग नहीं है जब वह क्रिकेट छोड़ेंगे तब इस पर बात करेंगे। इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें बाबर कहते हैं कि पहली बात ये है कि किंग बोलना जरा कम करें मैं कोई किंग नहीं हूं। जब छोड़ेंगे तब उस पर बात करेंगे।

अब खेल प्रतिभाओं की पहचान के साथ ही उन्हें निखारेंगे मैरी कॉम सहित कई पूर्व खिलाड़ी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध मुक्केबाज मैरी कॉम, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल जैसे ओलंपियन खिलाड़ियों की अगुवाई में बनी एक समिति अब उभरती हुई खेल प्रतिभाओं की पहचान करने के साथ ही उन्हें निखारने का काम करेगी। इस समिति की जिम्मेदारी निष्पक्ष और पारदर्शी चयन सुनिश्चित करना रहेगा। ये समिति अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीटों के प्रदर्शन की निगरानी और कोच का मूल्यांकन करने के बारे में भी सलाह देगी। इस समिति में सरकारी प्रतिनिधि और विभिन्न खेलों के सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित भी एथलीट शामिल हैं। समिति के अन्य उद्देश्यों में प्रतिभाओं की पहचान करना और सब-जूनियर एवं जूनियर स्तर के एथलीटों के विकास

के लिए प्रशिक्षण संबंधी सलाह देना, निष्पक्ष और पारदर्शी चयन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय एथलीटों/टीमों के चयन पर नजर बनाऐ रखना भी शामिल है। इसके अलावा, समिति राष्ट्रीय शिविरों के दौरान कोचिंग सुविधाओं और राष्ट्रीय टीमों से जुड़े भारत/विदेशी प्रशिक्षकों के प्रदर्शन का निरीक्षण व विश्लेषण करेगी। इस समिति में दिग्गज एथलीट शाइनी अब्राहम के अलावा निशानेबाज हीना सिद्धू सहित कई अन्य पूर्व खिलाड़ी भी शामिल हैं।

कॉरपोरेट वर्ल्ड

ट्रंप-मोदी के बीच अहम समझौते से शेयर बाजार में आई तेजी

सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़ा; निफ्टी 23,100 के करीब

मुंबई। वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के सामान घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी सेशन में मजबूती के साथ खुले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी प्रेजिडेंट डोनल्ड ट्रंप की बैठक का बाजार पर पॉजिटिव असर देखने को मिल रहा है। बीएसई सेंसेक्स 214.88 अंक बढ़कर 76,353.85 पर खुला और निफ्टी 63.75 अंक की बढ़त के साथ 23,095.15 पर ओपन हुआ। निवेशक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के भारत और अमेरिकी निर्यात पर टैक्स लगाने वाले अन्य व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने की योजना के प्रभाव का आकलन करेंगे। वहीं गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ था। बीएसई सेंसेक्स 32 अंकों की गिरावट के साथ 76,139 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 14 अंक लुढ़ककर 23,031 पर बंद हुआ। निवेशकों की गतिविधियों की बात करें तो विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 2,789.91 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि

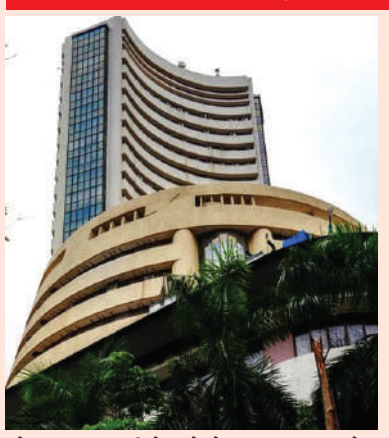

घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,934.50 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया-प्रशांत के शेयर बाजारों में शुक्रवार को ज्यादातर बढ़त देखने को मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पारस्परिक शुल्क योजना पर हस्ताक्षर किए, लेकिन इसे तुरंत लागू नहीं किया, जिससे बाजारों को राहत मिली। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.41 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.60 फीसदी गिर गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी बढ़ा और हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.33 फीसदी उछला। वहीं अमेरिकी शेयर बाजारों में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.77 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.04 फीसदी चढ़ा और नैस्डैक कंपोजिट 1.50 फीसदी उछल गया। ट्रंप के शुल्क योजना को लेकर बाजार में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस बीच अमेरिका का प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स जनवरी में 0.4 फीसदी बढ़ा, जो अनुमानित 0.3 फीसदी से अधिक रहा। वहीं खाद्य और ऊर्जा को छोड़कर कोर पीपीआई 0.3 फीसदी बढा जो अनुमान के मुताबिक रहा।

एलन मस्क दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लंबे समय से पहले नंबर पर बरकरार

मस्क ने इस साल जितना गंवाया है, उतना ही जकरबर्ग की झोली में आया

नई दिल्ली। एलन मस्क दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लंबे समय से पहले नंबर पर बने हुए हैं। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 48 अरब डॉलर की गिरावट आई है और वह सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने वाले रईस हैं। यानी इस साल उन्होंने रोजाना 1 अरब डॉलर से ज्यादा रकम गंवाई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 384 अरब डॉलर रह गई है। टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियां चला रहे मस्क की नजर अब चैटजीपीटी की पेरेंट कंपनी ओपनएआई पर है। उन्होंने इसे 97.4 अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की है। लेकिन ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने उनकी इस पेशकश की ठुकरा दिया है।दूसरी ओर फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग की

नेटवर्थ में इस साल 48.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। यानी मस्क ने इस साल जितना गंवाया है, उतना ही जकरबर्ग की झोली में आया है। जकरबर्ग की नेटवर्थ 255 अरब डॉलर पहुंच चुकी है। हालांकि अभी वह मस्क से 129 अरब डॉलर पीछे हैं। जकरबर्ग के बाद सबसे ज्यादा कमाई फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट ने की है। उनकी झोली में इस साल 14.2 अरब डॉलर आए हैं और वह 190 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। दुनिया के सबसे अमीर परिवार से ताल्लुक रखने वाले वॉल्टन भाई-बहनों की नेटवर्थ में भी इस साल काफी तेजी आई है। जिम वॉल्टन ने 13.6 अरब डॉलर, उनकी बहन एलिस वॉल्टन ने 13.3 अरब डॉलर और भाई रॉब वॉल्टन ने 13.2 अरब डॉलर कमाए हैं। स्पेन के अरबपति एमेंशियो ओर्टेगा ने 9.57 अरब डॉलर और जेफ बेजोस ने 9.55 अरब डॉलर कमाए हैं। वहीं सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने के मामले में गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में इस साल 8.20 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि मुकेश अंबानी ने 4.49 अरब डॉलर गंवाए हैं।

पुरानी जिप्सी को नई जिम्नी एसयूवी से बदला

नई दिल्ली। हाल ही में मारुति सुजुकी ने 60 जिम्नी वाहनों को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को सौंपा है, और इसके साथ ही ये वाहन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) में पहली बार शामिल किए गए हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने आधिकारिक रूप से अपनी पुरानी जिप्सी को मारुति सुजुकी की नई जिम्नी एसयूवी से बदल दिया है। इन वाहनों को लेह-लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, जो भारतीय सुरक्षा बलों के लिए चुनौतीपूर्ण इलाकों में काम करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित होंगे। आईटीबीपी, जो भारत के कुछ सबसे कठिन और ऊंचाई वाले इलाकों में कार्यरत है, को इस वाहन की आवश्यकता थी, क्योंकि इन इलाकों में मौसम की स्थिति अत्यधिक कठोर होती है, और तापमान सर्दियों में माइनस 45 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। यहां के बर्फ से ढके

पहाड़ों और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर जिम्नी जैसी मजबूत और सक्षम वाहन की बेहद जरूरत थी। ये वाहन आईटीबीपी के कर्मियों को पेट्रोलिंग, बॉर्डर प्रोटेक्शन और सैनिकों की आवाजाही में मदद करेंगे। मारुति सुजुकी जिम्नी 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन से लैस है, जो 103बीएचपी और 134एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसमें 4 डब्ल्यूडी सिस्टम और ब्रेक-असिस्टेड लिमिटेड स्लिप डिफरेंशियल जैसे फीचर्स हैं, जो इसे किसी भी प्रकार के इलाके में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाते हैं। जिम्नी की एक्स-शोरूम कीमत 12.75 लाख रुपये है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (मार्केटिंग एंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने कहा, यह मारुति सुजुकी के लिए गर्व का क्षण है कि हम जिम्नी को आईटीबीपी को सौंप रहे हैं। जिम्नी उन कठिन सीमावर्ती इलाकों में नेविगेट करने के लिए एक परफेक्ट व्हीकल है।

रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 86.85 डॉलर पर खुला

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के उच्च स्तर से नीचे आने और घरेलू शेयर बाजारों के अनुकूल रुख दिखाने से रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.85 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.86 पर खुला और शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़त के साथ 86.85 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.93 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.03 पर रहा।

सोना 86000 के पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने की कीमतों में तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 86,127 रुपए के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 96,420 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,957.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,945.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,955.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.99 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 32.72 डॉलर था। इस समय यह 0.56 डॉलर की तेजी के साथ 33.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। बीते साल सोने का भाव 20.22 फीसदी बढ़ा। वहीं चांदी की कीमत में 17.19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइज न्यूज

संक्षिप्त समाचार

सुभाष चाहते हैं बेटा चिराग की पार्टी से विधायक बने, तेजप्रताप के बयान के बाद भड़के, भांजे को पागल कहा

पटना। लालू यादव के साले सुभाष यादव ने RJD सुप्रीमो पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 'लालू यादव के मुख्यमंत्री रहते CM हाउस में किडनैपिंग की डील फाइनल होती थी।' गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए पूर्व सांसद न सिर्फ लालू यादव और बहन राबड़ी पर भड़के बल्कि दोनों भांजे (तेजप्रताप, तेजस्वी) को भी खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने तेजप्रताप को पागल तक कह डाला। लालू परिवार और ससुराल पक्ष के बीच तकरार पहले से है, लेकिन अब इस पर खुलकर घमासान हो रहा है। दरअसल, 6 फरवरी को एक लोकल पॉड कास्ट में तेजप्रताप यादव से जब उनके मामा को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'इन दिनों मेरे दोनों मामा का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है।' तेजप्रताप के इस बयान के 4 दिन बाद यानी 10 फरवरी को एक यूट्यूब चैनल से बात करते हुए सुभाष यादव ने तेजप्रताप पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि 'मैं नहीं तेजप्रताप पागल है।' फिर लालू के मुख्यमंत्री रहते CM हाउस में किडनैपिंग डील होने का दावा किया। इन आरोपों पर लालू परिवार की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, बड़े भाई साधु यादव ने सुभाष यादव को गुंडा बताया था।

जानलेवा हो सकती है यात्रा, पटना जंक्शन श्रद्धालुओं से पटा, भीड़ नियंत्रण को नहीं दिखे आरपीएफ जवान

पटना। महाकुंभ मेला से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। लोग ट्रेनों में बैठने के लिए मारामारी कर रहे है। गुरूवार को पटना जंक्शन परिसर से लेकर प्लेटफॉर्म पर श्रद्धालुओं की भीड़ थी। पैसेंजर ट्रेन रुकी तो 4 से 9 नंबर प्लेटफॉर्म श्रद्धालुओं से पट गया। पांच और छह नंबर प्लेटफॉर्म पर पैर रखने की जगह नहीं थी। एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों में अधिक भीड़ थी। पैसेंजर ट्रेन में सवार होने के लिए लोग दो ट्रेन के बीच में घुस कर सवार होने लगे। कई ट्रेनों में जनरल कोच में पैर रखने के लिए जगह नहीं मिला। पटना जंक्शन के चार नंबर प्लेटफॉर्म पर संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस रुकी तो कोच में बैठने के लिए श्रद्धालुओं के बीच नोकझोंक होने लगी। वहीं मगध एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, सिमांचल एक्सप्रेस सहित यूपी जाने वाली ट्रेनों के जनरल कोच में श्रद्धालुओं की खचाखच भीड़ थी। पटना जंक्शन पर हर दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। लेकिन, नियंत्रण करने के लिए पर्याप्त आरपीएफ और जीआरपी के जवान नहीं लगाए गए हैं। जवान एक नंबर प्लेटफॉर्म, परिसर और करबिगहिया तरफ दिखे। लेकिन ट्रेन रुकने के बाद प्लेटफॉर्म पर नजर नहीं आ रहे थे। एक्सप्रेस ट्रेन के एसी और स्लीपर कोच में टिकट नहीं मिल रहा है। पटना से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में नो रूम है। लोगों को वेटिंग टिकट नहीं मिल रहा है। अधिकांश ट्रेनों में नोरूम है। रिजर्वेशन नहीं मिलने के कारण लोग महाकुंभ मेला में शामिल होने के लिए किसी तरह से एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में बैठने के लिए मारामारी कर रहे थे।

बकाया बिजली बिल वसूलने की तैयारी, बिजली कंपनी ने तैयार की बड़े बकाएदारों की सूची

पटना। मार्च आते ही बिजली कंपनी ने बकाया बिजली बिल वसूलने की तैयारी में जुट गई है। बड़े बकायदारों की सूची बनाई जा रही है। बिजली कंपनी मुख्यालय के निर्देश पर पेसू ने पटना शहर के बड़े बकायदारों की सूची तैयार की है। इसमें पटना नगर निगम पर 30 करोड़, बुडको पर 87 करोड़, स्वास्थ्य विभाग पर 17 करोड़, शिक्षा विभाग पर 9.51 करोड़, पुलिस विभाग पर 1.81 करोड़ रुपए बकाया है। फुलवारी, खगौल और दानापुर नगर परिषद पर 8.53 करोड़, पीएचईडी पर 1.34 करोड़, रोड़ पर 2.37 करोड़, बेऊर जेल पर 15.84 लाख, रेलवे पर 2.58 लाख का बिजली बिल बकाया है। अधिकारियों के मुताबिक बकाया की सूची डिविजन वार तैयार कराई गई है। इस बकाया को वसूलने के लिए सरकार के विभिन्न विभागों को पत्र भेजा जा रहा है। इसके साथ ही डिविजन में पदस्थापित विद्युत कार्यपालक अधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र के बकाया राशि वसूलने के लिए सरकार के विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर बकाया राशि को जमा कराने का टास्क दिया गया है। ताकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्त से पहले बकाया राजस्व को बिजली कंपनी के खाता में जमा कराया जा सके। पटना शहर में करीब 7.50 लाख उपभोक्ता हैं। इसमें करीब 6 लाख उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग गया है। इसके बाद से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ व्यवसायिक श्रेणी में आने वाले दुकानदार आदि उपभोक्ताओं के पास बकाया राशि नहीं है। दक्षिण बिहार में पेसू को छोड़ सभी विद्युत आपूर्ति शाखाओं के तहत गांवों में विशेष कैंप लगाने का काम सोमवर से शुरू हो गया है।

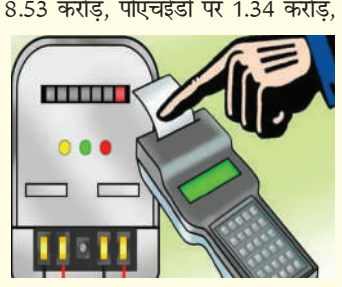

4 दिन बाद शव को कब्र से निकाला गया बाहर वैशाली में 20 साल की युवती की मौत का मामला

हाजीपुर। वैशाली में युवती की संदिग्ध मौत मामले में पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकला कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार दाउदनगर लालवन टोला में रहने वाली 20 साल की रुबीना खातून की मौत रविवार को हो गई थी। परिजनों ने इसके बाद शव को कब्रिस्तान में दफना दिया था। घटना के बाद मोहल्ले के कुछ लोगों ने पुलिस को शिकायत कर दी। मामले की शिकायत मिलने के बाद मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी अंजनी कुमार और अनुमंडल पदाधिकारी हाजीपुर के आदेश पर गुरुवार को वार्ड नंबर 8 स्थित कब्रिस्तान से शव को बाहर निकाला गया। डीएसपी ओम प्रकाश के अनुसार, मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई के दौरान थानाध्यक्ष रवींद्र पाल सहित अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नमामि गंगे परियोजना में लापरवाही, दीघा में 30 हजार घरों में कनेक्शन जोड़ने का काम बचा

पटना। नमामि गंगे परियोजना के तहत दीघा और कंकड़बाग क्षेत्र में सिवर लाइन बिछाने से लेकर हाउस कलेक्शन के लिए बड़ी संख्या में सड़कों की खुदाई की जा रही है। लेकिन सड़क को खोदकर छोड़ दिया जा रहा है। सड़क खोदने के बाद वाटर पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। साथ ही पुराने ड्रेनेज भी तोड़ दिए जा रहे हैं। इसके चलते एक तरफ जहां सड़क पूरी तरह से जर्जर हो रही है, वहीं सड़क पर पानी भरने से जलजमाव से परेशानी बढ़ रही है। कंकड़बाग और दीघा के बड़े इलाके में नमामि गंगे की परियोजना में बड़ी लापरवाही दिख रही है। बुडको की देखरेख में यह प्रोजेक्ट चल रहा है। लेकिन बुडको के अधिकारी व इंजीनियर निर्माण साइट का निरीक्षण नहीं कर रहे हैं। एजेंसी के हवाले सबकुछ छोड़ दिया गया है। शहर में 145 जगहों पर सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है और इसके चलते लोगों की मुश्किलें बढ़ रही है। दीघा में बनने वाला एसटीपी 100 एमएलडी क्षमता का है, जो राज्य का सबसे बड़ा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट है। इसी तरह कंकड़बाग एसटीपी प्रोजेक्ट 50 एमएलडी का है। इन दोनों ही एसटीपी से शहर के बड़े हिस्से से निकलने वाले गंदे पानी को साफ करके गंगा में डालने की योजना है। दोनों ही परियोजना की लागत 1187.86 करोड़ है।

मोकामा शूटआउट, गैंगस्टर मोनू की पत्नी-बहन पर FIR

एजेंसी, पटना

बाढ़ पुलिस ने मोकामा शूटआउट मामले में गैंगस्टर मोनू की पत्नी और बहन पर केस दर्ज किया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। गुरुवार को बाढ़ एएसपी के नेतृत्व में 8 थानों की पुलिस मोनू के घर पर नोटिस चिपकाने पहुंची थी। इस दौरान गैंगस्टर की पत्नी निशु कुमारी ने नोटिस फाड़ दिया था। बहन नेहा कुमार ने भी पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी की थी। महिला पुलिसकर्मियों ने जब रोकने का प्रयास किया तो उनके साथ धक्का-मुक्की की गई। शूटआउट मामले में मोनू 24 दिनों से फरार है। इसी केस में सोनू को बाढ़ पुलिस ने 24 जनवरी को गिरफ्तार किया था। दरोगा सुजीत कुमार यादव के आवेदन पर गैंगस्टर की पत्नी और बहन के खिलाफ पचमहला थाने में केस दर्ज हुआ है।

ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंची थी 8 थानों की पुलिसः गुरुवार को ढोल-नगाड़ों के साथ 8 थानों की पुलिस नोटिस चिपकाने के लिए गैंगस्टर मोनू के गांव जलालपुर पहुंची थी। इस दौरान परिजनों ने जमकर हंगामा किया। सरेंडर नहीं करने पर संपत्ति कुर्क की जाएगी। गोलीकांड के बाद से ही मोनू फरार है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की है, लेकिन सफलता नहीं मिली।

करीब 100 राउंड हुई थी फायरिंगः 22 जनवरी बुधवार की शाम पूर्व विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह अपने समर्थकों के साथ नौरंगा गांव पहुंचे थे। वहां गैंगस्टर सोनू-मोनू और अनंत समर्थकों के बीच फायरिंग हुई थी। इस दौरान 100 राउंड फायरिंग होने की बात कही जा रही थी। फायरिंग का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ था। 53 सेकेंड के वीडियो में 20 राउंड फायरिंग की आवाज सुनी जा सकती है। जिसके बाद पुलिस ने अनंत सिंह पर आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास समेत दूसरी धाराओं में केस दर्ज किया था। पुलिस कर्मियों से धक्का मुक्की करने, गाली गलौज और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

- पुलिस टीम से धक्का-मुक्की और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप, नोटिस फाड़ डाला था

पटना में ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, जीजा-साला घायल

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार जीजा और साला गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक के पहिए के नीचे करीब आधे घंटे तक फंसे रहे। टायर खोलकर बाहर निकाला गया। घटना NH 30A की है। हादसे के बाद NH 30A पर लंबा जाम लग गया। करीब 1 घंटे तक सड़क के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही बाधित रही। घायलों की पहचान जीजा लालेंद्र कुमार(30) और साला गोल्डन कुमार उर्फ गोलू के तौर पर हुई है। शुक्रवार को मच्छरियावां गांव से सामान खरीदकर वापस घर लौट रहे थे। इस बीच ओवर स्पीड ट्रक बाइक सवार को टक्कर मारते हुए गुमटी से टकरा गई।

घायलों की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्तीः स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। ट्रक के नीचे से गोल्डन को निकालने में करीब 30 मिनट का समय लग गया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर बनी हुई है। गोल्डन कुमार का एक पैर बुरी तरह से डैमेज हुआ है।

- 30 मिनट तक पहिए के नीचे फंसा रहा युवक, टायर खोलकर निकाला बाहर

चालक को हिरासत में लियाः फतुहा थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को गाड़ी के नीचे से निकाला गया। चालक को हिरासत में लिया गया है। दोनों वाहनों को जब्त किया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

पटना में गवाह को धमकाने वाले दो भाई गिरफ्तार

पटना। पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र में गवाह को धमकाने और जान से मारने की कोशिश करने वाले दो सगे भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देसी पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दीपक कुमार के अनुसार, नौबतपुर निवासी सुनील कुमार को एक मामले में न्यायालय में गवाही देने से रोकने की कोशिश की गई थी। जब सुनील ने गवाही देने से मना करने के बावजूद अपना इरादा नहीं बदला, तो 11 नवंबर 2024 को आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पिस्टल की बट से भी मारा, जिससे वह घायल हो गए। गुरुवार की देर रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नौबतपुर थाना के गदाईपुर में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने कुणाल कुमार राय और उनके भाई कुलशन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी कुणाल कुमार राय पर नौबतपुर थाने में पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

ILO की बैठक में असंगठित कामगारों की समस्या-चुनौतियों पर चर्चा

एजेंसी, पटना

पटना के सदाकत आश्रम स्थित इंटक कार्यालय श्रमिक केंद्र में शुक्रवार को बैठक हुई। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ) के प्रतिनिधियों के साथ असंगठित कामगारों की समस्याओं और चुनौतियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। इसमें आई.एल.ओ. पी.आर.एस. प्रोजेक्ट फेज-2 के प्रोजेक्ट ऑफिसर हिजीन और भारत में इसी प्रोजेक्ट की नेशनल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर वैशाली लाहिरी शामिल हुई। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह के अलावा इंटक ने विभिन्न जिलों में चल रहे कामगार सूचना एवं सहायता केंद्र के जिला कोऑर्डिनेटर और महिला, युवा कोऑर्डिनेटर के अलावा इंटक के पदाधिकारियों एवं भारी संख्या में घरेलू, सफाई, भवन निर्माण आदि क्षेत्र से जुड़े कामगार उपस्थित रहे।

आई.एल.ओ. की प्रोजेक्ट ऑफिसर हिजीन ने कहा कि अपने कार्य के दौरान असंगठित क्षेत्र के कामगारों को नित्य नई चुनौती और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। घरेलू कामकाज, सफाई का काम और भवन निर्माण आदि के कार्यों में भारी संख्या में असंगठित कामगार अपना जीवन गुजार रहे हैं। घरेलू कामकाज के क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या बहुत ज्यादा है। ऐसे कामगारों को ज्यादा सहयोग कर इनके जीवन स्तर को सुधारा जा सकता है।

कामगारों से बातचीत कर उनकी समस्या सुनीः विभिन्न सरकारी सामाजिक योजनाओं में उनकी ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने के अलावा उन्हें कौशल विकास में प्रशिक्षण देकर एक कोऑपरेटिव का निर्माण करना भी कारगर होगा। हिजीन ने उपस्थित कामगारों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और चुनौतियों को समझने की कोशिश की। साथ ही इंटक के ऐसे कामगारों के कल्याणार्थ किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आई.एल.ओ. ने हर संभव मदद देने का भी आश्वासन दिया।

मदद करने की कही बात

आई.एल.ओ. की नेशनल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर वैशाली लाहिरी ने कहा कि आज की बैठक में असंगठित कामगारों से सीधा संवाद करना काफी अच्छा रहा। कामगारों से मिली इस जानकारी से उन्हें अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। वैशाली लाहिरी ने इंटक के विभिन्न जिलों से आए जिला कोऑर्डिनेटर और महिला, युवा कोऑर्डिनेटर की कार्यशैली, उनके किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। साथ ही उनकी तारीफ करते हुए महिला कामगारों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने का भी सुझाव दिया।

कामगार सूचना और सहायता केंद्र चल रहेः इंटक के राष्ट्रीय प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि कोरोना काल में कामगारों के सहायतार्थ विभिन्न जिलों में शुरू किये गए कामगार सूचना एवं सहायता केंद्र अब भी कार्यरत हैं, जहां प्रतिदिन ऐसे श्रमिकों को सुझाव और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें मुख्य रूप से विभिन्न सरकारी योजनाओं में उनका पंजीकरण तथा योजना लाभ सुनिश्चित कराने के अलावा कामगारों को उनके नागरिक एवं श्रम अधिकारों की जानकारी देना भी शामिल है। इंटक महिला कामगारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भी काफी गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसके लिए सभी जिले में एक महिला कमेटी भी कार्यरत है। इंटक महिला कामगारों और उनके बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास के माध्यम से वैकल्पिक जीविकोपार्जन प्रदान करने, उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

'लालू के रहते 2005-2010 में BJP गठबंधन वाली सरकार बनी'

जीतनराम मांझी का RJD सुप्रीमो को जवाब, कहा-जलन हो तो लोशन लगाएं

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने RJD सुप्रीमो के उस बयान का जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था, 'बिहार में हमारे रहते बीजेपी सरकार नहीं बना सकती है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'आप भविष्यवक्ता नहीं हैं। बिहार और केंद्र में अभी NDA की सरकार है और आगे भी रहेगी। जलन हो रही हो तो हमारे खादी मॉल में अच्छा लोशन मिलता है। जलन कम करने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।' मांझी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कब-कब बीजेपी गठबंधन वाली NDA की सरकार बिहार में बनी वो भी याद दिलाया। उन्होंने लिखा- '2005 में आपके सामने ही NDA की सरकार बनी है। 2010 में आपकी पार्टी का सुपड़ा साफ करते हुए बीजेपी गठबंधन वाली NDA की सरकार बनी। साल 2014 में तो आपके सामने ही केंद्र में NDA की सरकार बनी। बिहार और केंद्र में आगे भी हमारी सरकार रहेगी।'

'BJP कैसे सरकार बना लेगी...हमारे रहते': दरअसल, गुरुवार को RJD सुप्रीमो लालू यादव ने कहा था, 'दिल्ली चुनाव के नतीजों का बिहार में कोई असर नहीं पड़ेगा। हम लोग के यहां रहते, बिहार में BJP सरकार बना लेगी क्या। BJP वालों को जनता जान चुकी है।'

नालंदा में लालू ने कहा था- किसी के सामने नहीं झुकेंगेः 9 दिन पहले नालंदा में पूर्व विधायक कृष्ण बल्लभ प्रसाद की 24वीं पुण्यतिथि पर भी लालू ने कहा था 'न कहीं किसी के सामने सिर नहीं झुकाना है। न मैंने किसी के सामने सिर झुकाया है। हम सभी को मिलकर काम करना है, और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना है।'

मार्बल दुकान से 1 लाख की चोरी, छत के रास्ते घुसे थे चोर

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर में मार्बल दुकान से 1 लाख की चोरी हुई है। चोरों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ दिया है। पहचान छिपाने के लिए अपने साथ डीवीआर भी ले गए। घटना लेखानगर की है। पीड़ित अभिषेक मिश्रा ने बताया कि10 फरवरी को परिवार के साथ महाकुंभ गया था। दुकान स्टाफ संभाल रहा था। शुक्रवार सुबह जब स्टाफ दुकान पर पहुंचा तो देखा कि अंदर पूरा सामान बिखरा हुआ था। सीलिंग टूटी हुई थी। काउंटर से 1 लाख कैश और चांदी के सिक्के गायब थे। जिसके बाद थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा हैः दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की छानबीन की जा रही है।

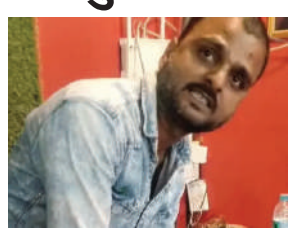

- कैश और डीवीआर ले भागे, CCTV भी तोड़ डाला चोर ने

12 साल से जल संरक्षण पर काम कर रही प्रियदर्शिनी, तालाब-कुआं, पोखर में पानी संरक्षित किया जाए

बोली- स्रोतों के दुरुपयोग से हो सकती है गंभीर समस्या

एजेंसी, पटना

देश में बढ़ते जल संकट को लेकर जल संरक्षण विशेषज्ञ प्रियदर्शनी ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। दिल्ली से पटना पहुंची बिहार की बेटी ममतामयी ने कहा कि जल स्रोतों के दुरुपयोग से आने वाले समय में पीने के पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। पृथ्वी का 70% हिस्सा जल से घिरा होने के बावजूद आज लोगों को बोतलबंद पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। गुरुवार को ममतामयी प्रियदर्शनी पटना में थीं। उन्होंने कहा कि पहले लोग जल संरक्षण के लिए कुआं खुदवाते थे और नहरें बनाते थे। लेकिन आज इन जल स्रोतों की उपेक्षा की जा रही है। कुएं का पानी प्रदूषित हो चुका है। नहरें या तो गाद से भर गई हैं या फिर पूरी तरह सूख गई हैं। कई जगहों पर तो नहरों पर अतिक्रमण कर मकान और सड़कें बना दी गई हैं। विशेषज्ञ के अनुसार, देश की कई नदियां लापरवाही और प्रदूषण के कारण या तो विलुप्त हो गई हैं या फिर प्रदूषित हो चुकी हैं। गर्मी के मौसम में देश के कई राज्यों में पानी की किल्लत की समस्या गंभीर रूप धारण कर रही है। यह स्थिति इतनी चिंताजनक है कि कुछ राज्यों में जल को लेकर विधानसभा चुनाव तक लड़े जा रहे हैं। जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और ठोस कदम उठाए जाने की तत्काल आवश्यकता है, नहीं तो आने वाले समय में पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

सरकारी योजनाओं के साथ अपनी जिम्मेदारियों को न भूलेंः उन्होंने बताया कि हम अपनी जिम्मेदारियों को भूलकर सरकार की योजनाओं पर टकटकी लगाए रहते

हैं। तेजी से जंगलों की कटाई से भी देश में पानी की कमी प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने अपनी एक किताब "जल मां" के माध्यम से जल को बचाने के कई उपाय बताएं हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हाल फिलहाल दिल्ली विधानसभा का चुनाव यमुना नदी के जल को लेकर लड़ा गया था। बताया कि भारतवर्ष में कावेरी जल विवाद भी एक उदाहरण है। उनका यह मानना है कि आधुनिकता के इस दौर में लोग अपनी पुरानी परंपराओं को भूलकर जल के स्रोतों को खत्म करते जा रहे हैं। जल हमें विरासत में मिला है। जल से जुड़ी हुई कई धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं हैं। प्रत्येक वर्ष छठ पूजा के अवसर पर नदी या जलाशय में लोग भगवान सूर्य की आराधना करते हैं। मृत्यु के बाद अपने अस्थि कलश को भी लोग जल में परवाह करते हैं। महाकुंभ में स्नान वर्तमान का एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। उनसे जल संरक्षण पर शोध का कारण पूछने पर बताया कि जब वह मुंगेर में अपने मकान में रहती थी, उस वक्त उन्हें हॉज का पानी पीने को मजबूर होना पड़ता था। तब हॉज का पानी एक सप्ताह तक उसमें रखा जाता था, जो गंदगी युक्त होता था। उस वक्त उन्हें पानी के महत्व को समझने का मौका मिला। उसके बाद उन्होंने पानी के संरक्षण के लिए शोध शुरू किया। अपने 12 वर्षों के शोध के दौरान उन्होंने यह पाया कि लोगों को जल को संरक्षित करने के लिए जागृत करने का काम करेंगे।

दूषित पानी पीने से होती कई बीमारियांः लोगों के बीच जाकर आज प्रियदर्शी इस बात को बताती हैं कि अगर उन्होंने अभी से ही जल को संरक्षित नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब लोगों को बूंद-बूंद जल के लिए तरसना पड़ सकता है। अपने दिल्ली प्रवास की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली में ही उन्हें पता चला कि अच्छा पानी पीने के लिए पैसे की जरूरत पड़ती है। गरीब लोगों को अच्छा पानी पीने का हक नहीं। उन्होंने बताया कि 80% बीमारी मानव शरीर में प्रदूषण जल से ही होती है। बताया कि लिवर, हेपेटाइटिस, आर्सेनिक जैसी बीमारियां प्रदूषण जल से ही पनपती है।

जल को संरक्षित करने के बताए उपायः जल को संरक्षित करने के उपाय पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि बारिश के जल को हम किसी तरह संरक्षित करें। प्राकृतिक से प्राप्त जल तालाब, कुआं, पोखर की हम समय-समय पर साफ सफाई करते रहें। घर में नल से प्राप्त पानी को हम व्यर्थ बर्बाद न करें, वृक्षारोपण करें। बहुत सारे पेड़ पौधे जो हमारे जल को कीटनाशक मुक्त बनाता है, उसे भी घरेलू उपचार में हम इस्तेमाल कर सकते हैं। जामुन की लकड़ी को पानी में रात भर रखकर सुबह उसका सेवन करने से पानी में उपस्थित कीटाणु मर जाते हैं। तालाब, कुआं के पास जामुन और सहजन पेड़ के लगाने का भी सुझाव दिया है, इससे जल शुद्ध होता है। तांबे के बर्तन में रात भर पानी को रखकर सुबह पीने से उसमें बैक्टीरिया मर जाती है।

शेख हसीना की होगी वापसी ? प्लान तैयार कर रही यूनुस सरकार

ढाका एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस बुलाने के लिए बांग्लादेश जरूरी दस्तावेज भारत भेजने की तैयारी में है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद रफीकुल आलम ने बताया कि भारत और बांग्लादेश के बीच हुए प्रत्यर्पण समझौते के तहत हसीना को वापस लाने के लिए दस्तावेज भेजने की तैयारी चल रही है। बांग्लादेशी अखबार प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वे अब कूटनीतिक स्तर पर भारत के जवाब का इंतजार करेंगे। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, जुलाई में हुए जनआंदोलन के दौरान देश में हुई हिंसा और हत्याओं की जांच के लिए मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हसीना को वापस बुलाना चाहती है। गौरतलब है कि बीते साल 5 अगस्त को जनआंदोलन के कारण शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और उसके बाद वह बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। दिसंबर 2024 में बांग्लादेश सरकार ने भारत को वर्बल नोट (कूटनीतिक संदेश) भेजकर उनकी वापसी की मांग की थी, जिसका भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संज्ञान लिया था, लेकिन उस समय इस पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। हसीना के देश छोड़ने के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए। छात्र नेता सईदुर रहमान की हत्या के मामले में हसीना समेत 143 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। उनके खिलाफ कुल 233 आपराधिक मामले दर्ज हुए, जिनमें 198 मामलों में हत्या के आरोप शामिल हैं। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना समेत 143 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। अब, विदेश मंत्रालय का दावा है कि उनकी वापसी के लिए भारत को आवश्यक दस्तावेज भेज दिए गए हैं।

भारतीय मूल के बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

वाशिंगटन , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां भारतीय-अमेरिकी अरबपति उद्यमी विवेक रामास्वामी से मुलाकात की। इस दौरान, दोनों ने भारत-अमेरिका संबंधों, नवाचार, जैव प्रौद्योगिकी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के अतिथि गृह ब्लेयर हाउस में रामास्वामी से मुलाकात की, जो पिछले वर्ष रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए खड़े हुए थे। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि दोनों के बीच भारत-अमेरिका संबंधों, नवाचार, जैव प्रौद्योगिकी और भविष्य को आकार देने में उद्यमिता की भूमिका पर गहन चर्चा हुई। इससे पहले, मोदी ने स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के साथ अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की तथा भारत और अमेरिका में सुशासन के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने मस्क को अपने प्रशासन के नवगठित सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का प्रमुख चुना था।

ट्रंप और नेतन्याहू की चेतावनी से डरा हमास, इजरायली बंधकों को रिहा करने को हुआ तैयार

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की धमकी के बाद हमास बंधकों को रिहा करने को तैयार हो गया है। हाल ही में हमास ने इजरायली बंधकों की अगली रिहाई में देरी की धमकी दी थी। उसने इजरायल पर सहायता वितरण में शर्तों का सम्मान करने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि वह शनिवार को रिहा होने वाले तीन बंधकों को तब तक नहीं सौंपेगा, जब तक कि मुद्दा हल नहीं हो जाता। हालांकि हमास ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह योजना के अनुसार तीन और इजराइली बंधकों को रिहा करेगा, जिससे गाजा पट्टी में संघर्ष-विराम को लेकर जारी विवाद के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। घोषणा के कुछ ही देर बाद, हमास के प्रवक्ता अब्दुल लतीफ अल-कानू ने फोन पर 'एसोसिएटेड प्रेस को पुष्टि की कि तीन बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया जाएगा। मध्यस्थों ने पुष्टि की है कि वे सभी बाधाओं को दूर करने के लिए काम करेंगे, और संघर्ष-विराम समझौता लागू होगा। हमास की घोषणा के बाद इजराइल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हमास ने और इजराइली बंधकों की रिहाई टालने की धमकी दी थी, और इजराइल पर तंबुओं व शिविरों में रहने की अनुमति देने के दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

खुलेगा जंग का नया मोर्चा ! नेतन्याहू-ट्रंप की मुलाकात के बाद क्यों अटकलें, खतरे में ईरान

यूरूसलम, एजेंसी।
इजरायली सेना गाजा और लेबनान को दहलाने के बाद अभी सीजफायर के चलते शांत है। इस बीच अमेरिका की चौंकाने वाली खुफिया रिपोर्ट सामने आई है। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी खुफिया विभाग के हवाले से कहा है कि इजरायल अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी ईरान पर बड़े अटैक की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर इस साल के मध्य में बड़ा हमला कर सकता है। इस हमले का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कुछ हफ्तों या महीनों तक पीछे धकेलना होगा। इजरायल पर यह खुफिया रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

अमेरिकी खुफिया विभाग की यह रिपोर्ट जनवरी महीने में आई थी। वाशिंगटन पोस्ट ने हालिया खबर में इसका जिक्र किया है। अगर यह रिपोर्ट सही है तो सीजफायर से शांत हुई मध्य पूर्व की जंग एक बार फिर विकराल रूप ले सकती है। ईरान और इजरायल के बीच 7 अक्टूबर को हुए हमास अटैक के बाद से तनावपूर्ण माहौल हैं।

अमेरिकी सरकार का बयान: वाइट हाउस ने इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, इजरायली सरकार, सीआईए, रक्षा खुफिया एजेंसी और राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय ने भी टिप्पणी से इनकार कर दिया है। वाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन

ह्यूजेस ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा, हालांकि वह ईरान के साथ शांति से समझौता करने के पक्षधर हैं, वह अगर ईरान जल्दी न डील करे तो वे इंतजार नहीं करेंगे।

इजरायल की क्या योजना: यह रिपोर्ट जनवरी की शुरुआत में आई थी, जिसे संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ की खुफिया निदेशालय और रक्षा खुफिया एजेंसी ने तैयार किया था। इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी कि इजरायल ईरान के फोर्डो और नतान्ज परमाणु सुविधाओं पर हमला करने की संभावना है।

एक नहीं दो हमलों की योजना: वर्तमान और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इजरायल ने यह निर्णय लिया है कि अक्टूबर में ईरान पर किए गए हमले ने ईरान की हवाई रक्षा प्रणाली को कमजोर किया और उसे एक और हमले के लिए खुला छोड़ दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि इस हमले के बाद ईरान की रक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण गिरावट आई है, जिससे इजरायल को ईरान पर एक और हमले की संभावना दिखाई दे रही है। खुफिया रिपोर्टों में दो संभावित हमले के विकल्पों का जिक्र किया गया है, जिनमें अमेरिका की मदद से हवाई रिफ्यूलिंग और खुफिया जानकारी का समर्थन शामिल होगा।

भारत में बिजनेस करना चाहते हैं एलन मस्क, पर...; डोनाल्ड ट्रंप ने बता दी अंदर की बात

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को व्यापार करने के लिए सबसे मुश्किल जगह करार दिया है। खास बात है कि ट्रंप की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बीच हुई मुलाकात के बाद आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि ट्रंप भारत में कारोबार करना चाहते हैं। पीएम मोदी और मस्क के बीच एआई, स्पेस समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई है।

मस्क और पीएम मोदी की मीटिंग को लेकर पूछे गए एक सवाल पर ट्रंप ने कहा, उन्होंने मुलाकात की है और मुझे लगता है कि वह भारत में व्यवसाय करना चाहते हैं, लेकिन भारत टैरिफ के कारण कारोबार के लिए सबसे मुश्किल जगह है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ हैं और कारोबार के लिए बहुत मुश्किल जगह है। मुझे लगता है कि वह इसलिए मिले होंगे, क्योंकि वह एक कंपनी चला रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वाशिंगटन डीसी में एलन मस्क के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमने विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिनमें अंतरिक्ष, गतिशीलता, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे विषय शामिल हैं, जिनके बारे में वह उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मैंने सुधार और न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को आगे बढ़ाने की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बात की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री मोदी और मस्क ने नवाचार, अंतरिक्ष अन्वेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सतत विकास में भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उनकी बातचीत में उभरती प्रौद्योगिकियों, उद्यमिता और सुशासन में सहयोग को गहरा करने के अवसरों पर भी चर्चा हुई।

मस्क अपने तीन छोटे बच्चों समेत परिवार के साथ ब्लेयर हाउस पहुंचे, जो मोदी से मुलाकात के दौरान उनके साथ बैठे हुए थे। मस्क के परिवार के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एलन मस्क के परिवार से मिलना और विभिन्न विषयों पर बातचीत करना भी खुशी की बात थी। मोदी ने मस्क के तीन बच्चों से भी बात की, जो बैठक के दौरान मौजूद थे।

आग भड़कने से 6 लोगों को आया हार्ट अटैक, मौके पर ही हुई मौत

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया के बुसान शहर में आज एक बड़ी दुर्घटना घटी, जहां एक कंस्ट्रक्शन साइट पर आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गई। इन 6 लोगों को हार्ट अटैक आने के कारण उनकी मौके पर मौत हुई। इस हादसे में 7 अन्य लोग घायल हो गए हैं और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। आग बुझाने के लिए स्थानीय फायर डिपार्टमेंट की ओर से बड़ी कार्रवाई की जा रही है। बता दें 14 फरवरी शुक्रवार को लगभग 10:50 बजे, बुसान के बानयान ट्री होटल की कंस्ट्रक्शन साइट पर आग भड़क उठी। यह आग स्विमिंग पूल के पास रखे इन्सुलेशन सामग्री में लगी और देखते ही देखते फैल गई। इस हादसे के दौरान कंस्ट्रक्शन साइट पर करीब 100 लोग मौजूद थे। आग लगने के बाद फौरन रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग की लपटों और धुएं से उत्पन्न हुए तनाव के कारण कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे 6 लोग हार्ट अटैक का शिकार हो गए। इन सभी लोगों की मौत हो गई। यह हादसा इस प्रकार का पहला मामला है, जिसमें आग के कारण लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई हो। हादसे में घायल हुए 7 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। फायर डिपार्टमेंट की टीम पिछले दो घंटे से बानयान ट्री होटल की कंस्ट्रक्शन साइट पर लगी आग को बुझाने की कोशिश कर रही है। इस ऑपरेशन में 352 फायर फाइटर्स और 127 फायर इंजन तैनात किए गए हैं। हालांकि, आग पर अभी तक पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है और आग बुझाने के लिए कुछ और समय लग सकता है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि आग पर काबू पाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

डेविड हेडली से दोस्ती, मुंबई में ट्रैवल एजेंसी; 26/11 हमले से कैसे जुड़ा तहव्वुर राणा का नाम

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। यह कदम ऐसे समय उठाया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएस की यात्रा पर गए हुए थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'आज मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। मेरे प्रशासन ने दुनिया के सबसे बुरे इंसानों में से एक और मुंबई आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं में से एक को भारत में न्याय का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने को मंजूरी दे दी है। इसलिए वह न्याय का सामना करने के लिए भारत वापस जा रहा है।'

तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। फिलहाल वह लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। राणा मुंबई के 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। रिपोर्ट के मुताबिक, तहव्वुर राणा ने पाकिस्तान में मेडिकल डिग्री हासिल की। इसके बाद वह पाकिस्तानी सेना के मेडिकल कोर में शामिल हो गया। राणा की पत्नी भी डॉक्टर थीं। 1997 में दोनों कनाडा चले गए और 2001 में वहां की नागरिकता

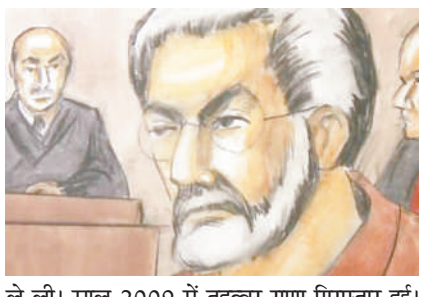

ले ली। साल 2009 में तहव्वुर राणा गिरफ्तार हुई। इससे कुछ साल पहले उसने अमेरिका के शिकागो में इमीग्रेशन और ट्रैवल एजेंसी खोली थी। यहीं डेविड कोलमैन हेडली के साथ उसकी पुरानी दोस्ती ताजा हुई। डेविड हेडली ने मुंबई पर हमले के लिए 2006 से 2008 के बीच कई बार यहां की यात्रा की। इसके लिए उसने राणा की ट्रैवल एजेंसी की एक शाखा मुंबई में खोल दी थी। दरअसल, हेडली ने राणा से कहा कि मुंबई में फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज की ऑफिस खोली जाए ताकि उन्हें अपनी गतिविधियों के कवर करने में आसानी हो। अदालत को बताया गया था कि राणा ये सब पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कहने पर कर रहा था। मुंबई हमले में 6 अमेरिकी नागरिकों की मौत हुई थी। अमेरिकियों को मारने में मदद करने सहित 12 आरोपों को लेकर राणा को सजा सुनाई गई। जनवरी में अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने राणा की समीक्षा याचिका खारिज कर दी और उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। भारत ने पिछले महीने कहा था कि वह राणा के शीघ्र प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, 'अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को आरोपी की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। हम अब मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी को शीघ्र भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रक्रियागत मुद्दों पर अमेरिका के साथ काम कर रहे हैं।' पाकिस्तान के 10 आतंकवादियों का समूह 26 नवंबर 2008 को अरब सागर के रास्ते मुंबई में घुसा। इसके बाद एक रेलवे स्टेशन, 2 आलीशान होटलों और एक यहूदी केंद्र पर हमला किया। लगभग 60 घंटे तक जारी रहे इस हमले में 166 लोग मारे गए थे।

बांग्लादेश की क्या हो गई हालत, अब सूफी संत के कार्यक्रम पर विवाद

ढाका, एजेंसी।
शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद बांग्लादेश के हालात दिन पर दिन खराब होते जा रहे हैं। मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश कट्टरता से घिरता जा रहा है। रोजाना कोई न कोई विवाद सामने आ रहा है। अब विभिन्न इस्लामी समूहों की आपत्तियों के बाद बांग्लादेश में दार्शनिक और सूफी संत लालन फकीर की स्मृति समारोह को रद्द कर दिया गया है। ढाका में प्रकाशित बंगाली भाषा के दैनिक समाचार पत्र समकाल ने बताया, तांगैल जिले के मधुपुर में, बांग्लादेश के सबसे बड़े इस्लामी समूह हिफाजत-ए-इस्लाम की आपत्ति के कारण लालन की स्मृति समारोह रद्द कर दिया गया। यह उत्सव बुधवार को रात 8 बजे से मधुपुर उपजिला बस स्टैंड क्षेत्र में आयोजित होने वाला था। मधुपुर लालन संघ ने फकीर लालोन सैजी की 134वीं पुण्यतिथि मनाने के लिए सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया था।

समकाल की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले भी कई बार लालन

महोत्सव बिना किसी बाधा के आयोजित किया गया है, लेकिन इस बार समिति ने बाधाओं के कारण कार्यक्रम को रद्द कर दिया। दोपहर में, उन्होंने अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम को रद्द करने के लिए खेद व्यक्त किया। बिबरतन सांस्कृतिक केंद्र नामक एक सांस्कृतिक समूह ने भी घटना की निंदा की। बिबरतन सांस्कृतिक केंद्र के महासचिव मोफिजुर रहमान लाल्टू ने एक बयान में कहा, हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। हिफाजत इस्लाम और उलमा परिषद (मधुपुर शाखा) ये दो इस्लामी दल मधुपुर में झूठी विचारधारा का प्रचार नहीं होने देंगे। कार्यक्रम के आयोजकों ने वादा किया था कि कार्यक्रम के लिए लालन की विचारधारा पर कोई चर्चा नहीं होगी, लेकिन उन्होंने इसे पूरा नहीं किया।

लालन शाह को माना जाता है समाज सुधारक: बयान में आगे कहा गया है, 5 अगस्त को फासीवादी हसीना सरकार के पतन के बाद से, धार्मिक स्थलों पर हमले, पाठ्यपुस्तकों से आदिवासी भित्तिचित्रों को हटाना, महिला फुटबॉल मैचों में तौहीदी जनता के बैनरों पर रोक, पुस्तक मेले के स्टॉल पर सांप्रदायिक समूहों द्वारा हमले, इन सभी घटनाओं के कारण आज इस बहुमूल्य स्मरणोत्सव को स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, अंतरिम सरकार द्वारा इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का कोई संकेत नहीं है। लालन, जिन्हें लालन शाह, लालन फकीर, शाहजी के नाम से भी जाना जाता है, एक बंगाली आध्यात्मिक लीडर, दार्शनिक, रहस्यवादी कवि और समाज सुधारक थे। बंगाली संस्कृति के प्रतीक माने जाने वाले लालन ने रवींद्रनाथ टैगोर, काजी नजरुल इस्लाम और एलन गिन्सबर्ग सहित कई दार्शनिकों, कवियों और सामाजिक विचारकों को प्रेरित और प्रभावित किया। लालन ने जाति, वर्ग और पंथ के सभी भेदों को खारिज किया। अमर एकुशी पुस्तक मेले में एक स्टॉल पर हमला किया था, जिसमें तस्लीमा नसरीन द्वारा लिखी गई पुस्तक प्रदर्शित की गई थी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ढाका में अमर एकुशी पुस्तक मेले पर भीड़ के हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि यह हमला बांग्लादेशी नागरिकों के अधिकारों और हमारे देश के कानूनों दोनों के लिए अवमानना दर्शाता है। मुख्य सलाहकार के कार्यालय ने एक बयान में कहा, मुख्य सलाहकार एकुशी पुस्तक मेले में एक पुस्तक स्टॉल पर भीड़ के हमले की कड़ी निंदा करते हैं।

भारत की शरण में आना चाहते थे 4000 हिंदू

ढाका, एजेंसी। पिछले साल जुलाई और अगस्त महीने में बांग्लादेश हिंसा की आग में बुरी तरह झुलसा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं को हिंसा का सबसे अधिक सामना करना पड़ा। मंदिरों और हिंदुओं के व्यवसायों को निशाना बनाया गया। अब बांग्लादेश हिंसा को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में न केवल बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस के दावों की पोल खुली है, बल्कि यह भी बताया गया है कि भारत की सीमा सुरक्षा बल ने शरण मांगने आए हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं को वापस भेज दिया। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद तीन दिनों में ही बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर 200 से अधिक हमले हुए, जिनमें पांच हत्याएं शामिल थीं। 5 अगस्त को शेख हसीना को ढाका से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इन हमलों की खबरों को यूनुस ने दुष्प्रचार करार दिया था, लेकिन अब संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से स्पष्ट हो गया है कि ये सभी घटनाएं ठोस तथ्यों पर आधारित थीं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बताया गया है कि हिंसा से प्रभावित लगभग 4000 हिंदुओं ने भारत-बांग्लादेश सीमा के पास शरण लेने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बीएसएफ ने वापस भेज दिया। रिपोर्ट में एक गवाह के हवाले से बताया गया है कि ठाकुरगांव में हिंदू श्मशान घाटों और मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। इसके अलावा कई हिंदुओं की संपत्तियों पर हमले हुए। जिसके कारण वे अपने गाँव छोड़कर सीमा के पास शरण लेने को मजबूर हो गए।

अमेरिका में खालिस्तानियों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की तीखी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन एजेंसी। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर अपनी दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली अमेरिका यात्रा थी। दोनों नेताओं ने व्हाइट हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की, जहां उन्होंने अन्य मुद्दों के अलावा व्यापार, टैरिफ और आव्रजन पर चर्चा की। बाद में प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जब ट्रंप से अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादियों द्वारा भारत के खिलाफ की जा रही गतिविधियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत के बाइडन प्रशासन के साथ अच्छे संबंध थे... ऐसी बहुत सी चीजें हुईं, जो भारत और बाइडन प्रशासन के बीच बहुत अच्छी नहीं थीं। 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर विचार करते हुए डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, हम एक बहुत ही हिंसक व्यक्ति (तहव्वुर राणा) को तुरंत भारत वापस भेज रहे हैं। अभी बहुत कुछ आना बाकी है, क्योंकि हमारे पास बहुत सारे अनुरोध हैं। ट्रम्प ने जोर देकर कहा, इसलिए हम भारत के साथ मिलकर अपराधियों के खिलाफ काम करते हैं और हम इसे भारत के लिए अच्छा बनाना चाहते हैं। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को अमेरिका में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का समर्थन करने का दोषी ठहराया गया था।

कश्मीरी भाइयों के साथ एकजुट खड़े, पाक पहुंचे तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने फिर अलापा राग

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान पहुंचे तुर्किए (तुर्की) के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने फिर से कश्मीर राग अलापा है। उन्होंने कहा है कि तुर्की आज भी कश्मीरी भाइयों के साथ एकजुट खड़ा हुआ है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए, जिसमें कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। दो दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे एर्दोगन ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल वार्ता के बाद यह टिप्पणी की।

दोनों नेताओं ने दोनों पक्षों के बीच 24 समझौतों और एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए। इसके बाद, उन्होंने मीडिया को बयान पढ़ा, जिसमें अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का

संकल्प व्यक्त किया गया, जिसके दौरान एर्दोगन ने कश्मीर मुद्दे पर भी बात की। एर्दोगन ने कहा, कश्मीर मुद्दे को बातचीत के जरिए और कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के अनुसार हल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा देश, अतीत की तरह आज भी हमारे कश्मीरी भाइयों के साथ एकजुटता में खड़ा है।

भारत ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश देश का अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। 5 अगस्त, 2019 को भारत द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ गई। अपने बयान में राष्ट्रपति एर्दोगन ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को बढ़ावा देने में भी गहरी दिलचस्पी दिखाई।

उन्होंने कहा, हमारी परिषद के सातवें सत्र में, जिसे हमने अभी-अभी समाप्त किया है, हम अपने संबंधों को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। इस यात्रा के ढांचे के भीतर, हमने व्यापार, जल संसाधन, कृषि, ऊर्जा, संस्कृति, परिवार और सामाजिक सेवाओं के साथ-साथ विज्ञान, बैंकिंग, शिक्षा, रक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में कुल 24 समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। वहीं, इस अवसर पर बोलते हुए शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान तुर्की के नेता का दूसरा घर है और कहा कि पांच साल बाद उनका वापस आना अद्भुत है।

उन्होंने कहा, आज पाकिस्तान के लोग आपको और आपके प्रतिनिधिमंडल को अपने भाईचारे वाले देश में आते देखकर बेहद खुश हैं। उन्होंने भूकंप और बाढ़ के दौरान पाकिस्तान के साथ हर मुश्किल समय में खड़े रहने के लिए तुर्की का शुक्रिया अदा किया। शहबाज ने कहा, आज आपकी पाकिस्तान यात्रा ने हमारे भाईचारे के संबंधों को एक नया स्तर दिया है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सुबह-सुबह नूर खान एयरबेस पर एर्दोआन का स्वागत किया। तुर्की के राष्ट्रपति के साथ प्रथम महिला एमीन एर्दोगन और निवेशकों और व्यापार जगत के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। प्रधानमंत्री आवास पर एर्दोगन के सम्मान में एक औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा फुटबॉल पिच के आकार का महाविनाशक ऐस्टरॉयड

अबू धाबी स्थित अंतरराष्ट्रीय खगोल विज्ञान केंद्र (आईएसी) ने शोध के बाद घोषणा की है कि '2024 वाईआर24' कोडनेम वाले एक नए क्षुद्रग्रह की खोज की गई है, जिसके पृथ्वी से टकराने की सबसे अधिक संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2032 में यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी के बेहद करीब से गुजरने वाला है, जिससे इसके पृथ्वी से टकराने की भी संभावना बन सकती है। डराने वाली बात यह है कि इस क्षुद्रग्रह का आकार 1908 में साइबेरिया में गिरे क्षुद्रग्रह जितना हो सकता है, जिसने करीब 2 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को पूरी तरह से कुचल दिया था। इस क्षुद्रग्रह की खोज पिछले साल 27 दिसंबर को एटलस सिस्टम टेलीस्कोप के जरिए की गई थी। आईएसी के निदेशक और अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह चेतावनी नेटवर्क के सदस्य मोहम्मद शौकत ओदेह ने जानकारी दी है कि इस क्षुद्रग्रह का व्यास 40 मीटर से 100 मीटर के बीच होने का अनुमान है। क्षुद्रग्रह का आकार 40 मीटर होने का मतलब है कि इसका आकार क्रिकेट पिच के दोगुने से भी ज्यादा हो सकता है। और 100 मीटर व्यास का होने का मतलब है कि इसका आकार एक फुटबॉल पिच को कवर कर सकता है।

क्या क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकरा सकता है?

इसकी खोज के बाद से ही इस क्षुद्रग्रह पर लगातार नजर रखी जा रही है और इसे टोरिनो स्तर पर वर्गीकृत किया गया है, जिसके पृथ्वी से टकराने की 1.2 प्रतिशत संभावना है। यानी अब तक जितने भी क्षुद्रग्रहों के पृथ्वी से टकराने की आशंका जताई गई है, उनमें से इस क्षुद्रग्रह के टकराने की संभावना सबसे ज़्यादा है।रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 YR4 नाम का यह क्षुद्रग्रह 25 दिसंबर के आसपास पृथ्वी के करीब पहुंचा था और उस समय यह 8 लाख 29 हज़ार किलोमीटर की दूरी पर था। ओडेह ने कहा है कि 17 दिसंबर 2028 को यह एक बार फिर पृथ्वी के करीब से गुज़रेगा, लेकिन उस समय भी इसके टकराने की कोई संभावना नहीं है। लेकिन, जब यह 22 दिसंबर 2032 को तीसरी बार पृथ्वी के पास से गुज़रने वाला होगा, तो यह संभावित ख़तरा पैदा कर सकता है।

क्या क्षुद्रग्रह भारत से टकरा सकता है?

हम्माद शौकत ओदेह के अनुसार, यह क्षुद्रग्रह केवल 34 दिनों तक ही देखा गया था और वर्तमान में यह बहुत कम चमक उत्सर्जित कर रहा है, जिसके कारण इसे दूरबीन से देखना बहुत मुश्किल हो रहा है। इसलिए उन्होंने खगोलीय वेधशालाओं से इस क्षुद्रग्रह पर कड़ी नज़र रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस क्षुद्रग्रह को वर्ष 2028 में सबसे आसानी से देखा जा सकेगा।रिपोर्ट के अनुसार, अब तक उपलब्ध डेटा से पता चलता है कि यह क्षुद्रग्रह 22 दिसंबर 2032 को पृथ्वी से लगभग 160,000 किमी की दूरी से गुज़रेगा, जिसमें 1.6 मिलियन किमी की त्रुटि का मार्जिन है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दूरी पर, यह पश्चिमी मध्य अमेरिका से उत्तरी दक्षिण अमेरिका तक फैली एक संकीर्ण पट्टी में पृथ्वी से टकरा सकता है, फिर मध्य अटलांटिक महासागर और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए भारत तक पहुँच सकता है।

अगर टक्कर हुई तो कितना नुकसान हो सकता है?

डेटा यह भी संकेत देता है कि अगर क्षुद्रग्रह वास्तव में पृथ्वी से टकराता है, तो इसका स्तर स्थानीय हो सकता है। इस क्षुद्रग्रह का व्यास वर्ष 1908 में साइबेरिया में तुंगुस्का घटना का कारण बने क्षुद्रग्रह के बराबर है। उस समय जब क्षुद्रग्रह टकराया था, तो लगभग 2 हजार वर्ग किलोमीटर का जंगल नष्ट हो गया था। उस टक्कर में 80 मिलियन से अधिक पेड़ उखड़ गए थे। विस्फोट का बल 10-15 मेगाटन टीएनटी के बराबर होने का अनुमान लगाया गया था।फिलहाल इस क्षुद्रग्रह पर कड़ी नजर रखने और इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना के बारे में अधिक जानकारी जुटाने को कहा गया है। वहीं, टोरिनो स्केल 10 डिग्री के पैमाने पर क्षुद्रग्रह के खतरे को मापता है, जहां 10 डिग्री को सबसे ज्यादा खतरा माना जाता है।

स्पेस में रहते-रहते चलना-फिरना तक भूल गई Sunita Williams

डोनल्ड ट्रम्प को अब बस Elon Musk का सहारा

सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर करीब 7 महीने से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती पर लौटने का इंतजार कर रहे हैं। देश-दुनिया के लोग उनकी सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना और इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सुनीता विलियम्स के एक बयान ने पूरी दुनिया को चौंका दिया। 237 दिनों से अंतरिक्ष में फंसी भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा कि वह 'याद करने की कोशिश कर रही हैं कि चलना कैसा होता है।'

सुनीता विलियम्स न तो चल पा रही हैं, न बैठ पा रही हैं और न ही लेटी हुई हैं

टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, 27 जनवरी को अमेरिका के नीधम हाई स्कूल के छात्रों से बात करते हुए 59 वर्षीय नासा की अंतरिक्ष यात्री ने बताया कि स्पेस स्टेशन पर रहना कैसा होता है। बच्चों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं यहाँ लंबे समय से हूँ और मैं याद करने की कोशिश कर रही हूँ कि चलना कैसा होता है। मैं नहीं चली हूँ। मैं नहीं बैठी हूँ। मैं नहीं लेटी हूँ। आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। आप बस अपनी आँखें बंद कर सकते हैं और जहाँ हैं, वहीं तैर सकते हैं।

विलियम्स को क्या झटका लगा

विलियम्स ने छात्रों को यह भी बताया कि उन्हें इतने लंबे समय तक अंतरिक्ष में नहीं रहना चाहिए था, उन्होंने कहा कि यह "थोड़ा झटका" था। विलियम्स और साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर ने अंतरिक्ष में एक महीने से ज़्यादा समय बिताने की उम्मीद नहीं की थी, लेकिन मिशन अप्रत्याशित रूप से कई महीनों तक खिंच गया।

लोग अब विलियम्स की वापसी पर सवाल उठा रहे हैं

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सात महीने बिताने के बाद, अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को चलने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जैसे ही यह खबर सामने आई, उनकी दुर्दशा और अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर पर इतनी लंबी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान होने वाले शारीरिक नुकसान से उनकी सुरक्षा को लेकर काफ़ी गरमागरम बहस छिड़ गई है। अब कई लोग विलियम्स और साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर की सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। वे इस बात से डरे हुए हैं। सुनीता विलियम्स ने बताया कि वह अपनी मां से लगभग यहीं से बात करती हैं। ताकि उनसे संपर्क बना रहे और रिश्तों का बंधन बना रहे।

एलोन मस्क ने चिंता जताई

एलोन मस्क ने इस पर चिंता जताई है। स्पेसएक्स के सीईओ ने दावा किया कि यह "भयानक" है कि उन दोनों को इतने लंबे समय तक आईएसएस पर "फंसे" रहना पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अरबपति एलन मस्क से दो बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी की सुविधा देने के लिए कहा है, जो 5 जून, 2024 से अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। विलियम्स और विल्मोर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में केवल आठ दिन रहना था, लेकिन बोइंग के अंतरिक्ष यान में खराबी के कारण वे महीनों से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं।

dainikworldwisenews@gmail.com
वर्ल्ड वाइज न्यूज

टीजर के साथ सामने आया विजय की अगली फिल्म का नाम, एक्शन और स्टंट करते नजर आए एक्टर

विजय देवरकोंडा की फिल्म, जिसे अस्थाई रूप से वीडी 12 कहा जा रहा था, उसके टाइटल का खुलासा हो गया है। दरअसल, आज बुधवार को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। इसी में फिल्म के टाइटल से परदा उठा है। और फिल्म का नाम है, किंगडम। यह फिल्म इसी साल मई में रिलीज होगी।

विजय ने दिखाया एक्शन

आज जारी हुए टीजर में विजय देवरकोंडा एक्शन का दम दिखाते नजर आए हैं। टीजर करीब एक मिनट 55 सकेंड का है। जैसा की इसका नाम है किंगडम, फिल्म की कहानी भी वैसी है। टीजर सितारा एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी ने किया है। विजय देवरकोंडा ने साझा किया पोस्ट टीजर में विजय देवरकोंडा जेल में कैद नजर आए हैं। यह फिल्म 30 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय देवरकोंडा ने भी पोस्ट साझा कर फिल्म के टाइटल का जिक्र फैंस से किया है। उन्होंने लिखा है, फिल्म का नाम किंगडम है। सवाल, गलतियां, रक्तपात और नियति...।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

टीजर पर यूजर्स की प्रतिक्रिया आ रही हैं। टीजर हिंदी भाषा में भी जारी हुआ है। बता दें कि फिल्म के हिंदी वर्जन में रणबीर कपूर आवाज दे रहे हैं। यूजर्स को उनका अंदाज पसंद आ रहा है। इस फिल्म को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। सिनेमाघरों के बाद यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

श्रीलीला के हाथ लगी अनुराग बसु की फिल्म!

श्रीलीला कई फिल्मों के जरिए अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। अब खबर है कि वह बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका पहले नाम आशिकी 3 बताया जा रहा था। हालांकि, अब फिल्म का नाम आशिकी 3 नहीं है, क्योंकि इस शीर्षक पर विवाद जारी है। ऐसे में फिल्म के शीर्षक को लेकर आधिकारिक एलान होना बाकी है। वहीं, अब फिल्म की मुख्य नायिका को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

तृप्ति थीं फिल्म के लिए पहली पसंद

इससे पहले खबर थी कि फिल्म में अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की लिया गया था। हालांकि, बाद में कुछ कारणों से फिल्म से बाहर हो गईं। तृप्ति के फिल्म से बाहर होने को लेकर कई धारणाएं बनाई गईं कि किरदार के मासूम चेहरे की मांग के कारण तृप्ति को बाहर किया गया है, क्योंकि वह रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में अपने प्रदर्शन के कारण फैंस के बीच बोल्ड इमेज बना चुकी हैं। हालांकि, अनुराग बसु ने इन बातों का खंडन करते हुए कहा था कि ये बातें सच नहीं हैं और तृप्ति भी यह जानती हैं। फिल्म की अभिनेत्री बनीं श्रीलीला अब फिल्म के लिए नई अभिनेत्री को चुन लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक अनुराग बसु की मुख्य महिला अभिनेत्री की तलाश आखिरकार श्रीलीला पर आकर रुकी। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके पास गया था और वह अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। तृप्ति डिमरी के बाहर होने के बाद से यह फिल्म चर्चा में थी, जिसके कारण फिल्म की टीम ही जानती है।

टीम जल्द करेगी आधिकारिक घोषणा

अनुराग बसु की अगली फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है और कलाकारों के बारे में अटकलें केवल उत्साह को बढ़ाती हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि साउथ इंडस्ट्री की सेंसेशन श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ जोड़ा जाएगा। यह एक दिलचस्प जोड़ी होगी, जिसे देखना दिलचस्प होगा। श्रीलीला अपने करियर में इस नए रोमांटिक रोमांच की शुरुआत करने के लिए उत्सुक हैं, जबकि उनकी टीम जल्द ही एक भव्य घोषणा करने के तरीकों की तलाश कर रही है।

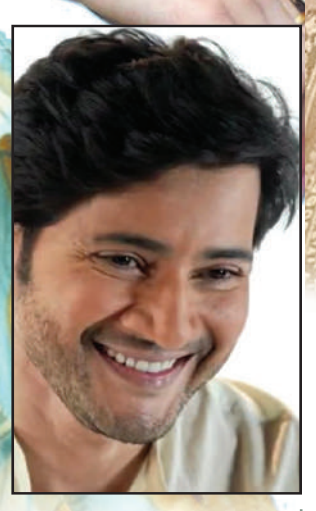

अगली फिल्म में प्रभास के साथ नजर आएंगे अनुपम खेर

अनुपम खेर के हाथ एक और फिल्म लगी है। वे साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ इसमें काम करेंगे। यह जानकारी खुद अनुपम खेर ने साझा की है। मूल रूप से साउथ की इस फिल्म को मैत्री मूवीज के बैनर तले बनाया जाएगा। वहीं, इसके निर्देशन की कमान भी साउथ के लोकप्रिय निर्देशक हनु राव राघवपुडी के हाथ है। अनुपम खेर की यह 544वीं फिल्म है। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से प्रभास के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ लिखा है, अनाउंसमेंट- यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरी 544वीं फिल्म भारतीय सिनेमा के बाहुबली प्रभास के साथ है! फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है। इस फिल्म को बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक हनु राव राघवपुडी निर्देशित करेंगे। अनुपम खेर ने आगे लिखा है, इस फिल्म को मैत्री मूवीज के शानदार निर्माताओं की टीम बनाएगी। कमाल की कहानी है!! और क्या चाहिए लाइफ में दोस्तों! जय हो! अनुपम खेर के पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं।

महेश बाबू के लिए बोलीं शिल्पा शिरोडकर

भारतीय तेलुगु फिल्म अभिनेता महेश बाबू को उनकी शानदार फिल्मों और एक्शन सीन को लेकर चर्चा होती रहती है। महेश बाबू का शिल्पा शिरोडकर से भी रिश्ता है। शिल्पा की बहन नम्रता शिरोडकर महेश बाबू की पत्नी हैं। शिल्पा ने अब महेश बाबू को लेकर कुछ बातें कही हैं।

बहुत हार्ड वर्क करते हैं

शिल्पा शिरोडकर ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में कहा, वाकई उसकी उम्र कम हो रही है। इतना ही नहीं, सच में महेश सबसे अच्छे एक्टर हैं। वह बहुत ज्यादा हार्ड वर्क करते हैं। सभी अभिनेता हार्ड वर्क करते हैं, लेकिन मैं महेश का काम देखती हूं इसलिए कह सकती हूं।

वो दिन में दो बार वर्कआउट करते हैं

शिल्पा ने कहा, महेश को वे बहुत करीब से जानती हैं इसलिए कह सकती हैं कि वह दिन में दो बार वर्क आउट करते हैं। वे घर का साधारण सा खाना ही पसंद करते हैं। ये जो भी है, सब अपने माइंड और हार्ट का खेल है। शिल्पा ने बताया कि महेश बाबू को पार्टी करना भी पसंद नहीं है।

नागार्जुन ने शोभिता को दिया तंडेल की सफलता का श्रेय

नागा चैतन्य की फिल्म तंडेल को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इससे उनके पिता नागार्जुन बेहद खुश हैं। फिल्म को मिल रही जबर्दस्त प्रतिक्रिया पर उन्होंने बेटे की पीठ थपथपाई है। साथ ही इसका श्रेय बहुरानी शोभिता धुलिपाला को भी दिया है। नागार्जुन का कहना है कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि नागा ने शोभिता से शादी की।

शोभिता को दिया सफलता का श्रेय

फिल्म तंडेल 07 फरवरी को रिलीज हुई। इसे काफी पसंद किया जा रहा है। हाल ही में फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नागा चैतन्य के अलावा उनकी पत्नी शोभिता धुलिपाला और पिता नागार्जुन भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि फिल्म के लिए नागा चैतन्य ने जमकर मेहनत की। साथ ही कहा कि इसके पीछे शोभिता का भी हाथ रहा है।

शोभिता हमेशा से खास हैं

नागार्जुन बेटे की फिल्म की सफलता की खुशी पर बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने शोभिता को शुक्रिया कहा। साथ ही बताया कि बेटे को मिल रही इस अपार सफलता के पीछे की एक अहम वजह शोभिता हैं। नागार्जुन ने नागा चैतन्य से कहा, यह सफलता शोभिता से आपकी शादी होने की वजह से है। शोभिता हमेशा खास हैं! आगे उन्होंने शोभिता से कहा, आपने चैतन्य के लिए जो किया है, वह शानदार है। आपने उनके अंदर के अभिनेता को बाहर निकाला है। इसके अलावा नागार्जुन ने दर्शकों और फैंस का भी शुक्रिया अदा किया, जिनकी वजह से यह सफलता हासिल हो सकी। उन्होंने फिल्म निर्माता चंदू मोंडेती, निर्माता बनी व्यास, संगीतकार देवी श्री प्रसाद और नागा चैतन्य के साथ नजर आईं साई पल्लवी सभी का शुक्रिया अदा किया।

अजय देवगन के साथ रिश्ते को लेकर बोले डायरेक्टर अनुभव

डायरेक्टर अनुभव सिन्हा ने हाल ही में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म कैश के दौरान उनकी और अजय देवगन की आखिरी बार बात हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए 18 साल का समय हो गया है, लेकिन अजय और अनुभव की कभी आपस में बात नहीं हुई। डायरेक्टर ने दोनों के बीच बातचीत बंद होने का कारण बताया है।

अनुभव ने अजय से बात न होने का कारण बताया

अनुभव सिन्हा कहा, 'हमारे बीच कभी कोई लड़ाई नहीं हुई। वह बस मुझसे बात नहीं करते और मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों है। फिल्म कैश की मेकिंग के बाद से, हम एक-दूसरे से मिले भी नहीं हैं। शायद वो मुझे इग्नोर करते हैं या उनके मन में कुछ और भी हो सकता है। मैंने उन्हें दो-तीन बार मैसेज भी किए, लेकिन उनकी तरफ से कभी कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए मैंने खुद से सोच लिया कि शायद वह भूल गए होंगे या उन्होंने मेरा मैसेज देखा ही नहीं होगा। लेकिन, हमें बात किए हुए लगभग 18 साल हो गए हैं।'

हमारे बीच कभी कोई विवाद नहीं हुआ

डायरेक्टर से पूछा गया कि फिल्म की शूटिंग के समय उनके बीच कोई विवाद हुआ था? जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- नहीं, हमारे बीच कभी कोई विवाद नहीं हुआ था। हां, उस समय प्रोड्यूसर और फाइनेंसर के बीच विवाद हुआ था।

यारों के यार हैं अजय देवगन

डायरेक्टर अनुभव ने अजय की तारीफ करते हुए कहा- अजय मेरे पसंदीदा कलाकारों में से एक थे। मैं उन्हें एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में पसंद करता था। उनके साथ रहना और काम करना मुझे अच्छा लगता था। वह यारों के यार जैसे हैं। अजय हमेशा जरूरत पड़ने पर दोस्त की मदद के लिए सबसे पहले खड़े रहते हैं।

जल्द खत्म होगा जूनियर एनटीआर के फैंस का इंतजार

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनटीआर 31' की घोषणा बहुत पहले ही कर दी गई थी, लेकिन कुछ कारणों से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो सकी। हालांकि, अब ऐसा लग रहा है कि जूनियर एनटीआर के फैंस का इंतजार जल्द ही खत्म होगा। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक अहम अपडेट सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जूनियर एनटीआर के इस आगामी प्रोजेक्ट का पहला शेड्यूल अगले हफ्ते विकाराबाद फॉरेस्ट में शुरू होने वाला है। इस फिल्म का नाम नाम 'ड्रैगन' बताया जा रहा है, रिपोर्ट्स बताती हैं कि इसके शुरुआती सीन जूनियर एनटीआर के बिना शूट किए जाएंगे। अभिनेता फिलहाल अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म में रुक्मिणी वसंत को फीमेल लीड रोल में नजर आ सकती हैं, टोविनो थॉमस कथित तौर पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, फिल्म 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड) से मुद्रित , , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) , (प्रधान संपादकः पप्पु कुमार) , (सलाहकार संपादक : अखौरी ब्रजेश सहाय), (स्थानीय संपादक : विष्णु पांडेय) पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार , RNI.NO: JHAHIN/2023/85732
समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा।